

प

*प (अक्षरविकास)-प १. -अंग-र ६७. -खर-ध ८३. *पआन (टाउनशिप)-प १. पंक औधेलिया-औ ९. पंकज-क ६९. *पंका जात-वि.१, पृ.४७७; प १. पंकाश्रितशुष्क झाड़ें-व ९७. पकोक्कू (जिल्हा)-प १. पक्का माल उत्पन्न करणारा देश-वि.१, पृ.३५६; च १४९. - मोटार रस्ता-स ३८६,३८७. पक्की होरी-र ६२. पक्के नास्तिक-न २६२. -स्टोन वेयर-स ३७६. पक्क्या गच्छ्या-स ३४२. पॅकट ऑफ हॅलेपा (नांव)-क ८४८. पॅक्टिअन-अ २३२. पॅक्टिए (पक्थ)-वि.४, पृ.३४. पॅक्टिशिया-वि.४, पृ.३४. पंक्ति-वि.३, पू. १९८,२९१,४१४. - छंद वृत्त-वि.५, पृ.१३३-१३८,१४०,१४९. पक्थ-वि.३, पू. ६८,७७,१५१,१५२; वि.४, पृ.३३,३४; वि.५, पृ.१७१. पॅक्रिँटिक ज्यूस-द ११०.

पक्व-वि.३, पू. २९१. -पिंड-स ५१,१२७,१२८. पक्कतामापक-ऊ १५. पक्काशय-श ३६. पॅक्सो (ग्रीक बेट)-आ २३२.

पखवाज (वाद्य)-व १४३. पखस्यु, व्यंकट रंगनाथाचार्य-न १३४. पंखा (स्कू प्रोपेलर)-आ ३५,४४. पॅखारेर-इ १३३. पंग-ग ८८. पंगकाँग (सरोवर)-क ४५५. पगमाल्टीज कुत्रे -क ५४८. *पंगतारा (संस्थान)-प २. पगन (शहर, टाउनशिप)-वि.४, पृ.४८१; ट ५२; थ ३; प २. -येथील अन्नवरत राजा-क १३.

*पंगमी (संस्थान)-प २. पगरण-अ ३०७. पगसान-म १५५. पगार-वि.१, पृ.१२२. - जलवहान-आ २५५; च २१५. पंगुवायु-ग ९४. पंगूर (सरोवर)-क ४५५. पंगूस उपमुक्त करणें-वि.५, पृ.६५५. पॅगेट जेम्स-वि.५, पृ.४३५. पॅगोलीन मॅनिस-स ११८. *पंच-अ ६२०; प २. पंच कटर्पट-वि.४, पृ.२१. पंचकर्मद्रियें-स १४४. पंचकल्याणी-वि.५, पृ.१५६. पंचकाठक (चयन)-वि.२, पृ.१०९. पंचकावली वृत्त-वि.५, पृ.१५०. पंचकी पद्धति-अं ७.

पंचकोर्ट-क ७८४. पंचकोशाचें विवरण-वि.२, पृ.११२. पंचकृष्ण-म ७७. पंचक्रम ग्रंथ-वि.४, पृ. २४२. पंचक्रोशीची यात्रा-क ४५२. पंच खेळ-क २१४. पंचगंगा (नदी)-क ४५१,६६६. पंचगण-वि.४, पृ.२०. पंचगतिदीपन-वि.४, पृ.२४०. पंचग्रह-वि.५, पृ.२९४. पंचघाताचें समीकरण-ब १३५. पंचचामर वृत्त-वि.५, पृ.१५०. पंचचुल्हीशृंग -ह ३५. *पंचजन-वि.३, पू. ५७; प ४. पंचतंत्र-वि.१, पृ.३२२,३२४; वि.४, पृ.२२३,२२४,२२६,२३५; क २६८. पंचतन्मात्रा-स १४४. पंचदलपान (वनस्पतिशास्त्र)-व ५७. पंचदशरात्र-वि.२, पृ.१००. पंचदशस्तोम-वि.५, पृ.१८०. पंचद्राविड (ब्राह्मण)-वि.१, पृ.४२९.

म १८८. -एँटॉमिक वेट्स-वि.५, पृ.४८०. -नियन्तरतेच्या कारणाचें संशोधन-वि.५, पृ.४८७.
 परमाणुवाद-वि.५, पृ.२४७; म १८८. -कल्पनेचा मुळ उत्पादक-वि.५, पृ.२४७; व २७८. -
 जॉन डाल्टनचा-वि.५, पृ.४७८- डिमॉक्रिटस-वि.५, पृ.२४७. -पाया-अ १५६. -बीज-५, पृ.२४५.
 परमाणू-व २८७.- अस्थैर्य-अ ११७. -गुणधर्माचें अव्ययत्व-वि.५, पृ.४८६. परमात्मा व
 जीवात्मा-वि.२, पृ.१७३; आ ९९; द १९६; र ९९; स १४७. परत्म्याचें संकर्षण वगैरेचा व्यूह-
 वि.४, पृ.११९. परमादि बुद्ध-आ ११८. -स १८०. -(राजधानीचें शहर)-अ ७४.
 परमादीश्वर-वि.५, पृ.३०७. परमानडी उदयादित्य व विक्रमादित्य (राजे)-ग ३.

*परमानंद चक्रवर्ती-प २८. परमानंददास कविकर्णपूर -न १२७. परमानस इंजेक्शनेम
 (कायदा)-र १४६. परमामृत ग्रंथ-क ४४४. परमार कृष्ण-म १४४. *परमार घराणें
 (धारचे)-वि.४, पृ.३३१,३३२; अ ३४; च ७६; प २८; ब ११७; र ७७. परमार्थ-अ ३०८. -
 ग्रंथकार-वि.१, पृ.२३४.- नामसंगीति (ग्रंथ)-वि.४, पृ.२४२. -प्रपा-वि.५, पृ.३१५.
 परमार्थविषयक संघर्ष मधील वि.१, पृ.४०२,४०३. परमार्थसंप्रति-वि.४, पृ.२४२. *परमार्थ
 संप्रदाय-वि.४, पृ.२३. -(तिबेट)-वि.४, पृ.२४०. -पॅलेस्टाईन-वि.३, उ. ४७. -साधन-वि.१,
 पृ.२००; वि.२, पृ.२४९; ई २२; प ९१. -अमेरिकेंतील-वि.१, पृ.४६१. -ईजिप्तमधील-ई ५.-
 लग्नव्यवहारांत महत्व-वि.१, पृ.१०७. परमालदेव -अ ७३. परमालराजा-अ ५६५. परमियन-
 भ ८३. परमेष्ठिन (देवता)-वि.२, पृ.२४७. परमेष्ठी पुत्र-वि.५, पृ.१६२ अ ६७.

*परमेश्वर-क ३२१; प २९,३०. -र्मा (पल्लव)-ख १०७; त १०४. -सुस्थितवर्मा (मौखरी) वंश-
 क ४३. परमेश्वरी न्याय-वि.१, पृ.१९२. परम्बा (नदी-इ २. परम्बुनाडु शहर-अ ३४.
 परम्मदेवसिंहराज (राजा)-य २४. परराष्ट्रकारण-य ३४. -मंत्रीमंडळ (मौर्यकाली)-वि.४,
 पृ.२४९. -धोरण (अमेरिका व चीन)-च १६०; स ९७. -राजकारण-वि.१, पृ.४५१,४५३.-
 हितसंबंध (जपान)-ज ७७. *परलकोट गांव, जमीनदारी-प ३०. पॅरलॅटी-वि.४, पृ.९.
 पॅरल बार्स-व २९४. -मोशन-य ११. -सर्कल वृत्त-व २६५. पॅरलॉक्स-ल १०. *परंवर
 जात-त ५२.

*पखूर भाजी-प ३०. परवलय-ब १३६,१४२,१४४; भ ७४; ब १४३. परवलयात्मक आरसे-प
 २२४. परवरा परागग्रहण-व ८२. परवान (नदी)-क ७३२. परवानी-य ५२. परंबिकोलम
 (डोंगर)-क ७२५. परवी संदेशय (काव्य)-वि.१, पृ.१३५. पखूर (तालुका)-प ३०. परशराम
 श्रीनिवास-त ३४. परशु-वि.२, पृ.९५; वि.३, पृ. ३४३; ग २३.

*परशुराम (जमदग्नीपुत्र)-वि.१, पृ.३२०,३२३; वि.४, पृ.१२७; वि.५, पृ.३१२; अ ३७,५६९; ज
 ८५; न ३२; प ३०; म ७८,९१. *परशुराम (शाहीर)-क ४४५; प ३०; र ६२. -जयंतीचा

दिवस-अ ६८८. तात्या गोडबोले-न १५४. -त्र्यंबक (प्रतिनिधी)-औ ६; क ४८८,४९९,५१४,८०७; त ८२; ब १०८; भ ११६; श ६०. -निळो सोनदेव-औ ७.

परशुरामपंत उर्फ थोटेपंत-औ ८; ख २१. -किन्हईकर-प २३८. -ब्राह्मण-म १०९.

*परशुरामभाऊ पटवर्धन-अ १३९,३५१; आ १७१; क ४०५,४८७,५२६; ख ६२; घ ७; च ५,१२३,१४४,१४५; ज ८४,८५,२५७; ट २४,२६; त ११३; द १७७; ध ७९; न २०६; प ३०,३१; ब ७६; र ९२; स १४८; ह ५५. -श्रीनिवास प्रतिनिधी-क १७१. -संवत-वि.५, पृ.११५. -क्षेत्र-च १४१. परशुसमपादमृदुकाय-प २६४. म १९०. परसंग (इराणी माप)-क ७०६.

परशरामसिंग राणा-ब २६. *परसगड (किल्ला)-प ३२. -परगणा-क ४८७. परसादु-स २९.

*परसा भागवत-प ३२; अ २९९. *परसुर गांव-प ३३. परसूया (जात)-क ७७९. परसोजी न ५९,३६; म ७४. परस्त्रीगमन-व २४४. परस्युस-क ५५. परस्वत-वि.३, पृ. २३७.

परस्वरूप-र ९८. परळ-वि.२, पृ.१२५; क ५५७; व २६९. *परळी उर्फ सज्जनगड-प ३३.

*परळी वैद्यनाथ -प ३३. परारतन (ग्रंथ)वि.१, पृ.३२१. पराक्रम पंडित (राजा)-वि.१, पृ.२१२. -बाहु राजा)वि. पृ.१२७,१३६. पराक्रमराज-प ७६. पराग-व ३७,६७. -कण-व ७३,७४. परागीकरण-व ८२.

पॅरागवे (राज्य)-द ३९; प ३३. -नदी-प ३३. पराछ (जात)-व १५२. परांजपे-न १५४; र १३५. -डॉ.-वि.५, पृ.५७९. -नामदार-वि.१, पृ.१२५. -रँगलर-ब १२२. -रामचंद्र नाईक-त १७५. -वासुदेव भट-प ६. -ह. पु.-आ १८४. पराडकर मोरोपंत (कवि)-ज २२२,३७३. -रा. द.-म २२४. पॅराडाइज लॉस्ट (ग्रंथ)-म ७२. परांडे तालुका-ड ६३. परांत-वि.४, पृ.२०. परांतक-क ११७; च २०९,२१६. -केसरी वर्मा-श ९८. -चोल राजा-क ६८२; ग २.- (दुसरा परकेसरी)-च २१६. -राय-च २१६. परांतक शडैयन-त ६७. परांतिज तालुका-प ३५. परार्थाभाविनी योग-य ६५. पराधीन चल (स्थितिगतिशास्त्र)-स ४५१. परान्नपुष्टवर्ग (स्पोरोझोआ)-आ १२५. -पुष्टक्षुद्रजंतु (प्राणिकोटी)-प २६४. -भक्षक-अ २०८. पॅराफिन तेल-स १५२. पॅराफेनिलीन ब्ल्यू-र ७. पॅराबोला -ब १३६. पराभव (संवत्सर)-वि.५, पृ.१२३. पराया (अस्पृश्य जात)-प ३५. परारतन- (ग्रंथ)-वि.१, पृ.२२०,२२१,२२२. पॅरा-रोझ अनिलीन (रंग)-र ७. परावर्तक गुण्या (ऑप्टिकल स्केअर)-स २७९. परावर्तन-प २२३. परावर्तित प्रकाश-ख ७. परावर्ती (उंचवटा)-र १४३. -नाडी-र १४३. परावृज-वि.३, पृ. ७७. परावृत्त -अ ३११.

*पराशर-वि.३, पृ. ७७; वि.५, पृ.३७९; प ३५; व २९८. -गीता-ग १२९. -देवता-वि.२, पृ.२४७. -स्मृति-प ३५. -राक्षससत्र-वि.२, पृ.२२४. परास शहर-ग २१४. पॅरासेल्सस-वि.५,

पृ.३९८,४६०,४७०; ६२६. परिकर्माष्टक-अं १०,११. *परिक्रमणकंपवायु-प ३५.
पॅरिऑनिअन-वि.४, पृ.९. पॅरिकानी-वि.४, पृ.४३. परिघ-त १८७; ब १२९; भ ७१.
परिचक्रा-वि.३, पृ. २२५. परिचर्मण्य-वि.३, पृ. ३६१. परिचय-अ १७५. परिचाय्यचित्ति-
वि.२, पृ. १२९. परिचारिका-श ८९. परिजात नाटक-न १३१. -मंजरी-न १३७. -संगीत
(अहोबलाश्वा ग्रंथ)-वि.५, पृ.१८५. परिजी-वि.४, पृ.२७६. *परिंडा किल्ला-प ३६.
परिणतपुष्प-व ६९. परिणतीचा इतिहास (हिंदुसमाजाच्या)-वि.१, पृ.३७८. परिणाम
(राष्ट्रसंघाचे)-वि.१, पृ.५८. परिणामवाद-वि.१, पृ.४१३; वि.४, पृ.२०७; च १९९. परितक्म्या-
वि.३, पृ. २०१.

परित्ताविधी-वि.४, पृ.२१०. परित्तियुर रामस्वामी कृष्णशास्त्री-न १३३. परिदा-वि.३, पृ.
४५८. परिधान-वि.३, पृ. ४१०. परिधानी संज्ञक ऋचा-वि.२, पृ.१०६. परिधावी-वि.५,
पृ.१२३. परिधि-वि.२, पृ.३६०; वि.३, पृ. ३५६. -मंत्र-वि.२, पृ.१०१. -रेषा-आ १२.
परिनिब्बानसुत्त-वि.४, पृ.२०६. परिनिर्वाण (उत्सव)-ध ७०. पॅरिनी (कादंबरीकार, इटली)-इ
९६. परिपवन-वि.३, पृ. ३६१. परिपात्र -प ९६. परिपोट-क ३१८. परिप्रवेग-स ४५५.
परिभाषा-वि.५, पृ.१९९. -उपसर्गाक्षरं (सामवेद)-वि.३, पृ. ३२७.

परिभोग-ज ३२२. परिभ्रमाण (डावपेंच)-व २९७. -रोटेशन-प १६०. परिमल-प २०.
परिमाण-ज ३२२; श ७५. परिमाणात्मक ज्ञान-वि.१, पृ.४५८.

परिमित-वि.३, पृ. ३५६. -गुच्छ-व ६५,६६. -छत्र-व ६५,६६. -शाखाप्रबंध-व ५१,५२.
परिमेयं व परिमाणं-अं २. परिमोष-वि.३, पृ. ३७८. परियात्रिक-प ९६. परिरथ्य-वि.३, पृ.
४१७. परिवत्सर (वर्षसंज्ञा)-वि.५, पृ.१०३,२९२. परिवर्त-स १८. परिवर्तक-न ९१.
परिवर्तन (डावपेंच)-न ९२; भ ७४; व २९७. -नाणं-ह ४६. परिवर्तित-अ ३११. परिवर्तिनी-
वि.५, पृ.१८०; ए ५. परिवलयधन-ब १४३. परिवाप-वि.२, पृ.१२२,३९९;वि.३, पृ. ३३७.
परिवार-वि.४, पृ.२३८. परिवाहित-अ ३११. परिवित्त-वि.३, पृ. ३८०. परिवेग-स ४५५. -
जन्य आकृतिविकार-व २४८. परिवेष्टक पाने-व ९५. परिवेष्ट-वि.३, पृ. ३७८. परिवृत्त-अ
३१२. परिव्राजक (बौद्धकालीन)-वि.३, पृ. ३८०; वि.४, पृ.१८५. -भिक्षु (संन्यासिन)-आ ३३७.
-लेख-वि.५, पृ.१२३. परिशास-वि.३, पृ. ३२९. परिशिष्ट-वि.२, १८३,२०९; वि.३, उ. १२९.
परिशेष खंड-ह ५३. परिशोधक (यज्ञ)-य २२. परिषद-वि.१, पृ.६९,७१,७३, वि.३, पृ. ३५२.
-कनोज येथील (बुद्धाच्या उत्सवाकरिता)-क ४३. -पंचागशोधन-वि.५, पृ.३६९. -बर्स्स -ज
१६७. परिष्कंद-वि.३, पृ. ३७९. परिष्यंद-वि.३, पृ. २२५.

*पॅरिस (राजधानी शहर)-वि.४, पृ.३८७,३८८; आ ९३; च १०७; प ३७; ब १४७; र १२७; व १९१. -वेधशाळा-व २७७. -धर्मपरिषद-व २४५. -तह-आ २३२. पॅरिसॉअ-ग ११६. परिसारक-वि.३, पृ. २१२. परिसृत-वि.३, पृ. २९३. परिस्तरण घालणे-वि.२, पृ.८८. परिस्थिति (राजकीय)-वि.१, पृ.४६. परिहार (राजा)-च ११; ह ९. *परिहार वंश-वि.४, पृ.३२६; अ ५२३; प ३७; र ७७. परिहासपूर नगर-क ४६५. परिक्षित-वि.३, पृ. २६७; वि.४, पृ.१६२.

*पॅरी (उत्तर ध्रुव -शोधक)-उ १३,१५. परीख-ग २४८. परीट-अ ५२७. परीणत देशाची सीमा-वि.२, पृ.२३४. परीणह-वि.३, पृ.२११. परीवास-वि.५, पृ.१७१. परीसी-वि.४, पृ.१६. *परीक्षित राजा-आ ३४०; क ५२०; द २२; न ५४; प ३८. श ८८; परीक्षिती राजा-वि.२, पृ.२२४; २३८; उ १०. परुच्छेप-वि.३, पृ. ४५१,४९१.

परुष-वि.३, पृ. २३३. *परुषाम्ल-प ३८. परुष्णी-वि.३, पृ. २१४. परुस-वि.३, पृ. २७७. परुळेकर गणपतराव (वकील)-क ५३०. परुंगा-ओ १. परुर गांव-प ३०; य २१. परुशी-वि.४, पृ.२९१;२९४,२९५. पॅरेट इटाने (तत्त्वज्ञ)-वि.४, पृ.९.-क २८९. *परेंडा गांव, तालुका-प ३८. -किल्ला-उ ११९. परैपर गांव उ ४२. परैया जात-वि.१, पृ.१६४; म ३६. परोजय (चित्रकार)-च १२३. परोटा-ज २३१. पॅरोटोनिअम-वि.४, पृ.१९. परोडिय जात-क ५५४. परोपकार बुद्धि-क ६३८; न ३२५,३२६. परोपजीवी वनस्पति-प ११५,११६. -जंतूचा गुल्म रोग-ग २६२.

*परोपनिषदी (काबूल प्रांत)-प ३८. परोपनिसदी-वि.४, पृ.७१. पॅरोरिँटी-वि.४, पृ.९. परोवर्यविद-वि.३, पृ.३९३. पर्क (लेखक)-ह ३०. पक्क-वि.५, पृ.१७१. *पक्किर्न, सर डब्ल्यू, एच.-उ १६; र ६. व ३८. *पर्गामम (शहर)-वि.४, पृ.५१,८१; प ३८; व ३८. पर्ग्यामम शहर-व १३०. *पर्गी तालुका-प ३८. पर्च-म १४३. पर्जन्य (देवता)-वि.२, पृ.२४५,३३४. पर्जन्यदेवोपयोगी मंत्र-वि.२, पृ.१०३. पर्जन्याची अनिश्चितता-ध ६१. पर्टिन्क्स-वि.४, पृ.१०८. पर्डिकास-अं ५७. पर्डिन-व २८२. पर्डीच्या बाळ्या-क ११६.

पर्ण-वि.३, पृ. २५८. पर्णकार्यकशाखाप्रकार पाने-व ९६. पर्णकृमी-व ९६. -संघ-क ६१६. पर्णगुच्छक-अ २२१. पर्णमात्त (सुभेदार)-ग १३६. पर्णधि-वि.३, पृ. ३४१. पर्णदणि (देवता)-वि.२, पृ.३४७. पर्णय ('करंज' पहा)-वि.२, पृ.२६०; वि.३, पृ. ७७,१७१. पर्णरूपकर्ण-व ५६. पर्णव्यवस्था (वनस्पतिशास्त्र)-व ५८. पर्णवि-अ १२५.

*पर्थ (व्यापारी शहर)-प ३०; स २४२. पर्णे-व ३६,४६. पर्थानुक्रमी पान (वनस्पतिशास्त्र)-व ६०. पर्थारा संस्थान-भ ११३. पर्थस (एम. बौशेरडी)-वि.५, पृ.६००. पलीसा डॉ. -वि.५, पृ.३६२. पर्दुमनशहा-त १७०.

पर्पटादि-वि.५, पृ.६०५. पर्पटीताम-वि.५, पृ.४६२. पर्पूरीत-र ७. पर्ब (राजा)-न ३६७. पर्बकेल जात-वि.१, पृ.२२९. पर्म-वि.४, पृ.४७१.

पर्माडि (आचुगीचा मुलगा)-क ३०. पर्मादि (कलचुरी)-क १४७. पर्मियन व सीर्येनियन-वि.४, पृ.४०३; भ १०९. पर्यक-वि.३, पृ.३६१. पर्यग्नि करण-वि.२, पृ.३६३. पर्यायीएकांतरित (वनस्पतिशास्त्र)-व ५८. पर्यास-वि.३, पृ.४१० *पर्लकिमेदि (जमीनदारी, संस्थान)-क ४८९,४९०; प ३९. पर्लेव (कवि)-त १३८. पर्व-५, पृ.१७४. पर्वकाल-ग २६४. पर्वग्रंथ-वि.१, पृ.२१३. पर्वणी (नेत्ररोग)-न-३५९. पर्वत-वि.३, पृ. २२०,४३३,४८३. -चार्लस लुई-न ४११. -चीन-च १८५. -जात-अ १२०; ग ३४५. -देवता-वि.२, पृ.२४७. -नामे (ऋग्वेद)-वि.३, पृ. २१९. पर्वतिया (भाषा)-न ३६५. पर्वती-(देवालय)-ध १९. -विद्युतशक्तियोजना-ज १८२.

पर्वतेश्वर-न १४१. पर्वत्या (हरभरा)-ह २१. पर्वदिनी (श्राद्धविधि)-ग ४५. पर्वन-वि.३, पृ. २२८. पर्वनिर्णय-वि.५, पृ. ३१४. पर्वागे-श ३४. पर्वाण किंवा परवाना-क ६५. पर्विझ (राजपुत्र)-अ ३२६; औ १०; ज २०५,२०७. पर्वे (पोटविभाग)-वि.२, पृ.१२१. पर्शिअन-वि.४, पृ.९,३६५. पर्शिअस फ्लेकस-ल २६. पर्शियन-वि.४, पृ.७,४०,४६.- राजवाडा-वि.४, पृ.२४८. -लोन-वि.४, पृ.४५. पर्शिया देश-वि.४, पृ.१०,३७,२५३; घ १६. पर्शीओ-र ६.

*पर्शु-वि.३, पृ. ७७,२७७,२८०,३४३; वि.४, पृ.३८,३९; प ३९. -अरसबी पद्धति-वि.४, पृ.४२०-ग्रीक राज्ये-आ ३२५. पर्शूका-प ५५. पर्शु भारतीय-च ४७. -आगमनमार्गाविषयीं अनुमाने-वि.३, उ. ९५. -एकत्रनिवासदर्शक पुरावा-वि.३, उ. ११७. -काल-वि.१, पृ.९०. *४, पृ.३८. -कालीन अभ्यासाकडे दुर्लक्ष-वि.५, पृ.६४७. -मूलभाषा-वि.१, पृ.८४. -संस्कृति-वि.३, उ. ९१,१२९. पर्शू-वि.४, पृ.२३. पर्सतिया (खंगार जात)-ख १. पर्सिपोली-वि.५, पृ.१२७. पर्सिफोनी-अ ९३. *पर्सिस-वि.४, पृ.३८,४५,४६,५१,७९; प ३९. पर्सी जिरोर्ड सर -६७५. पर्सीयस-अं ६८. पर्सी साइक्स-इ २०५.पर्सीव्हल-त ४८; ७२. पर्सीव्हियल एडविन-स १०२.

*पर्सेपोलीस-वि.४, पृ.४६; प ३९; ब १८६. पलखा-स ४३४. पलटा-र ६१. पॅल्टाईन अन्थॉलॉजिक (पुस्तक)-वि.५, पृ.५६८. पलद-वि.३, पृ. ३५६. *पलनाद-प ३९. पलनी (गांव)-म ३६. पलपोटम-क ७०५. पलभा-५, पृ.२९९. पलम-म १०५. पलमयावद्वीपी-आ

१८३. *पलमनेर-प ३९. *पलब (टाऊनशिप)-प ३९. *पलवल, तहशील-प ३९. -शहर-ग
१६८. पॅलस (तारा)-वि.५, पृ.३५५. पलाटीन (रंग)-र ७. पलाडिओ (ग्रंथकार)-व १९३.
पलांडु-क २७७. पलांडुमंडन-न १३९. *पलाद-प ३९. *पलामऊ-प ३९. पलाम (पेठ)-च ४.
पलाल (देवता)-वि.२, पृ.२४७; वि.३, पृ. ४१४. *पलाली संस्थान-प ४०. पलाव-वि.३, पृ.
४१४. पलाश-वि.३, पृ. २३६. पलाशिका (बेळगांव)-क २८. पॅलास-वि.५, पृ.५९७; भ ७९.

पॅलिऑटॉलॉजिकल सोसायटी-वि.५, पृ.६६०. पलिआद (काठी जहागिरदार)-क २४६.
पॅलिऑला -ग २९०. पलिओझाइक -भ १०९. पॅलिओलॉजिनियन घराणें-वि.४, पृ.३४०.
पॅलिओलोगस राजा-त १७१. पलिकत बंदर -प १८६. पलित-वि.३, पृ. ३०८. पलियक्ख
राजा-वि.४, पृ.२३१. पलिव्हा नोव्ह-न २७१. पलिष्टय-वि.४, पृ.२७६,२८२. पॅलीओग्राफी-भ
३४. पलीजक (देवता)-वि.२, पृ.२४७.

पलुघाट-वि.१, पृ.४६३. पलुमायी-औ २५. पले-वि.५, पृ.१२९. -जात-वि.१, पृ.१५२.
पलेक्क-म ४४. पलेगोई (ग्रंथकार)-वि.१, पृ.२०२. पलेट नदी-क १४८. पलेट्वा-आ २६५.
पॅलेडिअस (ख्रिस्ती साधु, आयर्लंड)-आ २१०. *पलेमो (शहर)-म ४०. पॅलेस डी जस्टीस-व
१९६.

*पॅलेस्टाईन-वि.३, उ. १३,४६०; वि.४, पृ.१७८,२८३,३४६,३५६; ए ५६; घ १३; प ४०; स १६२.
-नाणीं-न १६६. -प्राचीन इतिहास-वि.३, उ. ४६. -बाहेरील प्रदेश व आद्य संप्रदाय-वि.४,
पृ.२८४. -मधील लढाया-त १३३.

*पलौंग (जात)-वि.१, पृ.१५२; प ४३. पलौंगवा संघ-वि.१, पृ.१५१,१५२,३५०. पल्टाटॅबा-इ
४. पल्पूलन-वि.३, पृ. ३५९. *पॅल्माइरा-वि.४, पृ.८३,१०८; प ४३. पल्ल-अ ६५०.
पल्लन-म ३६. पल्लव-वि.४, पृ.३००,३३२,३३४,३३५; ग २२०; च १९६, व ८७.

*पल्लडम-प ४३. पल्लव कुलम (तलाव)-प १४५, *पल्लव घराणें-वि.४, पृ.३३४; प ४३. -
देश-छ ५. -राजे-वि.४, पृ.३३३; च ६६,७०, २१६; स १६४. -राज्य-वि.४, पृ.१४६,१५७,३३४;
च ८४. -लोक-च ८८; व ४१. पल्लवरायन तौंडेमन (अधिकारी)-प १४१. पल्लवाचा
हस्तिवर्मा (सुभेदार)-आ १४३. पल्लवापासून पालव-आ ८६. पल्लवी-र ६६. पल्लवीभूत
खडक -ख ६. पल्लान-क ७०२. पल्लास पी. एस.-ग ४२. पल्लिगुप्तलौहित्य-वि.३, पृ.
४४०; वि.५, पृ.१६३. पल्लिपेरू (नदी)-उ २०. पल्ली जात -वि.१, पृ. १६४; क ५६६.
पल्लीवालगच्छ-ज ३२३. -दिगंबर जात-द ९०. पल्लेवल्लर जात-त ५२. पल्लेसु नदी-न
१८. पल्लव-वि.४, पृ.२०; २१. -लोक-वि.१, पृ.३०८,३०९,४३२. पवन-वि.३, पृ. ४१४.

*पवनगड-वि.४, पृ.४३३; प ४४. पवनचक्की-ए १५; य ५. पवनपावन-वि.२, पृ.८५. पवन मावळ-ब ९०. *पवना (पोटीााग, गांव)-प २६,२७. -नदी-प १४८. पवनिया-ड १६.
*पवनी (तटबंदी)-प ४४. पवनोपजीवी वनस्पति-व ४३. पवमान-वि.२, पृ.४००; वि.३, पृ. २२८. -आत्मशुद्धतेचे मंत्र-वि.२, पृ.१०२. -देवता-पुत्र-अ ३३. -सूतर्त्तैफ्-ऋ १. पवमानहवि- वि.२, पृ.१०१.

*पवायान-प ४४. पवार आनंदराव-आ १५३,१५४; इ १५१; द ७३. -उदाजी-आ १५३; उ २७; क ३३; ब ७३. -खंडेराव धारचा-आ १५४. *पवार घराणें-उ २७; प ४४, म ५८. -तुळ्या- आ १५७. -यशवंतराव-आ १५४. -रामचंद्र-अ ६६५; आ १५४. -रायाजी-आ १५४. - विश्वासराव-आ १५३. -संभाजी-उ २७. पवारणा-ध ६९. पवि-वि.३, पृ. ४२१. पवित्र-वि.३, पृ. ३३४,४८१; वि.५, पृ.१७१. -दिवस-वि.२, पृ.१०२. -विघातक गोष्टी-वि.१, पृ.२९२. पवित्रवती नदी-क ८५२. पविस जॉन-क १८. पवी (घराणें)-न ३६७. पवीनस (देवता)- वि.२, पृ.२४७. पवीरव-वि.३, पृ. ३४३. पवेह (ढीमर)-ढ ३.

पशु-वि.३, पृ. २५४. पशुचर्माडगनिर्हारक्रिया-क १५१. पशु देवता व पशुपूजा (ग्रीक)-वि.३, उ. ६६. पशुप-वि.३, पृ. ४६७. पशुपति-क १०६, -देवता-वि.२, पृ.२४७. नाथाचें मंदीर-क २४३. -विजयराम गजपतीराज (राजा)-व २०९. पशुपाल-वि.२, पृ.११९, वि.४, पृ.२२. पशुपालन-वि.२, पृ.१२८. पशुपालवृत्ति-क ६२२. पशु पुरोडाश (याग)-वि.२, पृ.३९९. पशुप्रायश्चित्त-विशेष-वि.२, पृ.९५. पशुप्रेक्षदेव राजा-न ३६७. पशुयज्ञ-वि.४, पृ. २१४. पशुयागसंबंधी उल्लेख-वि.२, पृ.७५,१०३,३६३.

*पशुवैद्यक-वि.५, पृ.३८०; अ ४४६; क ६२५,६२७,६४५; प ४४. पशुवैशिष्ट्याची अडचण- वि.३, पृ. ५०५. पशुसंबंधी हविर्भावाचें हवन-वि.२, पृ.८७. पशुक्षयजंतु-क्ष ४. पशू (उपाकरण, अर्यग्निकरण, संज्ञपन, हिंसन)-वि.२, पृ.८६,९९. पश्चात-कृत्यकर्म-क १३९. पश्चात्ताप पावलेला जुगारी-वि.१, पृ.३२९. पश्चाद्गती-श ३३. -मूळ-श ४९.

पश्चिम आफ्रिका-च ९४. -आस्ट्रेलिया वसाहत-ब २०२. -इराण व उमईद-वि.४, पृ.३५३. - कपालास्थि उर्ध्व, ब्राह्म-श २५; स १२६. -गंगा (घराणें)-च ८४. -गॉथ लोक-ग ९८. पश्चिम चालुक्य (राजघराणें)-क ७१६; च ६९,७२. -तैलप्प-ग १३६. -शक-च ७३. -सहावा विक्रमादित्य-क ३०. -चिनांत (मुसुलमान)--वि.४, पृ.४८०. -जर्मनी-वि.४, पृ.३१७. -ताण- आसन-य ६५. -पंजाब-वि.१,पृ.२६०. -पालिका-श ४८. -भाग (कोलार जिल्हा)-क ७९५. - भारतीयोंची राज्यें-वि.१, पृ.३५०. -मंगोल (पोटभेद)-म ९,१०. -माळवा उर्फ मोलापोंचें

राज्य-वि.४, पृ.३२६. -यूरोपांतील राष्ट्र-वि.४, पृ.५१२,५२१. -यूरोपमध्ये उदारमतवाद-वि.१, पृ.४०२. -समुद्राचा स्वामी प्रभासदेव-आ ११४.

पश्चिम-हिंदुस्थान (चंदनी लाकडाचा व्यापार)--च ८. -क्षत्रप घरणे-वि.४, पृ.२६३; ग १३५.

पश्चिमेकडील ग्रीक संस्कृति-वि.४, पृ.८५. -चर्च-ख १३८. -प्राचीन संस्कृतीचे स्थूल विवेचन-वि.३, उ. १. -रोमन साम्राज्य नष्ट झाले-वि.४, पृ.३३८. -संघ-वि.१, पृ.१६६. -सर्फ-इ.-खासमधील (तालुका)-प ३८. पशु भाषा-ड ५३. पश्मा (लौकर)-ल ५७. पश्मीन (लौकर)-ल ५७. पश्मीशाली-क ४९६. पश्वंग (होममंत्र)-वि.२, पृ.१००. पश्विडा होम-वि.२, पृ.९९. पश्विष्टिविशेष-वि.२, पृ.१०९. पश्वैकादशिनी-वि. पृ.९९. पसंददालन-ब २१ (अ). पसरगदेह-ज २४९.

*पसारगडी (इराणी शहर)-प ५०; व १८६. पॅसिफिक कॉफिला (आरमार)-र २४. पॅसिफी-ज २२०. पॅसीटिग्रीस (नदी, इलाम)-इ २१०. पसुव्हियस एम. (नाटककार)-ल २२. पसेक (रशियन वकील)-इ २०३. पसेनदि (राजा)-वि.४, पृ.१८०. पसेवा-अ २५९. पॅस्टाझा नदी-इ २. पस्तु-अ २३०. -ताल-र ६९. पस्त्यसद-वि.३, पृ. ३७७. पस्त्या-वि.३, पृ. ३५४. पस्त्यावत-वि.३, पृ. २२२,२६१.

*पहरा (चौबे जहागीर)-च २२०; प ५०. पहलवान (खाम)-ग २२४. *पहलवी (लिपि)-वि.४, पृ. ४६; प ५०. पहाडसिंग-अ ७२,७३. -सरदार-फ ३. -सिंहदेवाचा मुलगा-ओ १६; च २८. पहाडिया-वि.१, पृ.३४२; अ ६३७. पहाडी (भाषा)-वि.१, पृ.१६६; क ४५९; न ३६५. -राग-र ५२. -रेल्वे-स ४१३.

पहाणी (काम)-स २७२. -व मोजणी (आफ्रिका खंड)-वि.४, पृ.४५७. पहार-औ ३; क ६४१. पहारिय (जात-क ५५४,७८६. पहालादपूर (शिलालेख)-ग ९१. पहिला संग्रह-वि.४, पृ.१९०. पहिले उपांग-वि.३, उ. १३४. पहैबा-म ३२. पळण्याची शर्यत (खेळ)-ख ११४. पळशिक (हळशी गांव)-ह १९. पळशीकर नारायणराव (दिवाण)-इ १५१; क ७१६. पळशे जात-क ७१६; ब १९७. -(पाठारे प्रभूंचे उपाध्याय)-वि.१, पृ.३४३. *पळस (झाड)-प ५२; व २६८. *पळसगड (जमीनदारी)-प ५२. *पळसगांव जमीनदारी-प ५२. *पळासनी संस्थान-प ५२. पळास (जहागिरी संस्थान)-ड १५,१६; प ५२. पळी-वि.२, पृ.१२३,१२७. पळळर (जात)-त ५२. पक्ष-वि.३, पृ. ३५६; वि.५, पृ.९६.

पक्षधारी (फळे)-व ८३. पक्षपाकळ्या-व ७२. पक्षभेद (ज्ञानाविषयी)-वि.१, पृ.४१९;४८२. पक्षवध रोग)-व १५६. पक्षस-वि.३, पृ. ४२३. पक्षहोम-आ ३८६. पक्षाकार-पान-व ५६.

पक्षाघात-अ ४८१; क ७६८. पक्षांचे सूत्रचालक-वि.१, पृ.४१९,४२०; ४२१. पक्षारूढ पान-व ६०. पक्षिगृह-क ७५५. पक्षितार्थ-त १०३. *पक्षितीर्थ-प ५२. पक्षियुग-भ ८३. पक्षिलस्वामी-व १३८. पक्षी (मूलगृहकाीन)-वि.३, उ ७४. *पक्षी-प ५२,-५९; स ४७. पक्षमल-श ५३. पक्षमशात (नेत्ररोग)-न ३५९. पक्षमोपरोध (नेत्ररोग)-न ३५९. पक्ष्या (देवता)-वि.२, पृ.२४७. पाँडंकार-वि.५, पृ. ५७९. पाइ-फंगस तोरण-व १९८. पाइ-लस-व १९८. पाइक-म १४३. पाईन-च ४. *पाईनगंगा-प ५९.

*पाइन घाट-प ५९. पाइंटर (कुत्रे)-क ५४८. पाइंटियर्स (युद्ध)-ए २४. पाईन (वृक्ष)-ज १८. पाइन सॉट (भूमितिशास्त्रज)-क ७२९. पाइनिंगज ऍक्ट- आ २१२. पाइपक्के-ख ९. *पाईक जात-प ५९; य ५२. पाईटसंबंधी इंटरलॉकिंग पद्धत-आ २२. पाऊ (जात)-वि.१, पृ.१६१. पाऊल-श ३१. -बुद्ध व सेंट थॉमसचें-आ १०६. *पाऊस-प ५९,७१. -मोजण्याचें यंत्र-प ६०. पाकअ मासे-स ५५. पाकड-अ ८७; क ६५३. पाकदूर्वा-वि.३, पृ. २२८. पाकनाईकी होन-न १८६. *पाकपट्टन गांव-वि.४, पृ.३६३; च १५४; प ६०. पाकयज्ञ-वि.२, पृ.३५८. पाकशासन-इ १५६. पाकसिद्धि-अ १८९. पाकस्थामन-वि.३, पृ.७७. पाकळी-व ३७,७२. पाकोरस-वि.४, पृ.२६०.

*पाकौर खेडें-प ६०. पाँक्वारे (प्रधान)-फ ५६. पाखंडी पंथ-वि.१, पृ.४२४; आ १०७. - बौद्धसंप्रदायामधील)-वि.४, पृ.१९०; स २८६,३०३,३३१. *पाखाल-प ६०. पागाग-झ ३१. पागनीस, बाळोबा तात्या-च १४५; ब ७५.

पाँगशान्सची बखर-म ३१. पागर रुजुंग (ठिकाण)-स १९९. पांगलिन सरोवर-म १४८. पांगळ-अनंतराज (ग्रंथकार)-ज ३४८. नेमिनाथ (ग्रंथकार)-ज ३४८. पागा-य ५२. पांगारकर (कवि)-क ४४६; म २२४; व १६१. पांगारा गांव-वि.१, पृ.४६२; व २६८. पांगाल-न ३६. पागी (कोळी जात)-क ८३३. पांगुळ जात-ग २२४; व १४५. -वाद्य-व १४५. पागे, नरसिंगराव-क १४२.

*पागेनडॉर्फ, जोहान ख्रिश्चिअन-प ६०. पांगोला नदी-ट ५६. *पाच (झुडूप)-प ६०,६१. *पांच (रत्न)-प ६१. -अवस्था-न ८९. -कर्मद्विजे-म १११. पाचक-खुराक-द ११३. -(नांव)-क ८१५. -रस-ज २८२, श ६,७; स ५१. *पांचकळशी-वि.१, पृ.४६१; क ७१६; प ६१; क्ष ३. *पांचगणी-प ६२. पांचघर-ओ २४. पांचजन्य-अ ६१३; क ६५५. पाचट-ऊ ११. -खत-ख ३०. पांच नकारार्थी तत्त्वे-क ६०६. पांचनिकाय-वि.४, पृ.१९१. पांचपथक-प ९२. पांच मार्ग (उपासनेचे)-वि.४, पृ.१२७. पांच रत्ने -न ३७; र १६. पाचरदार पान (वनस्पतिशास्त्र)-व ५८.

*पांच रात्र-वि.४, पृ.१२८; प ६२-६३. *पांचवड-प ६३. पांचवा आलबर्ट (जर्मन राजा)-आ ३६१. -चार्लस बादशहा-आ ३६१. -टॉलेमी-वि.४, पृ.५२. -पायस पोप-वि.४, पृ.४०६. -राजवंश (बाबिलोन)-वि.३, उ. ३५. -विल्यम आ २७१. पांचवें अंग (भगवती वियाह, जै. धर्म)-वि.३, उ. १३२. पांच संधी-न ८९. पांचसिद्धांताचा काल-वि.५, पृ.३०१. पांच हजार वर्षांचा भारतीय इतिहास-वि.४, पृ.५१९. *पांचाल-वि.३, पू. २७१; वि.४, पृ.२१,१७७; द १९२; प ४,६३; स १९३. *पांचाल (कासार जात)-क ४७३; प ६३; स १९३. -देश-छ ५, -राष्ट्र-वि.४, पृ.१७७. -सोनार-स २३१. पांचाली-द १९२; प ६३. पांचि-वि.३, पू. ४४७.

पाचित्तिय-वि.४, पृ.१९४,२३८. पांचुदे-अ ५२७. पांचेट श्रेणीं-भ १०९. पाचेरीरूडा गांव-र ८५. पांचोन पीर-अ ६७९. -देवता-क ५५४. *पाचोरा-प ६४. पांचोली-अ ४०१. पांचोळी वर्ग-स १९३. पांजण-ख ६५. पांजणे (लोक)-क ५४१. पांजरी-भ ६. पॉट (कागद)-क २२३. पाट (रेशमी किडा)-आ ३४६; र १३२. पाटखळ (ठाणें)-ज ८३. *घाटडी संस्थान-प ६४. *पाअण तालुका व खेडें-वि.५, पृ.३११; अ ७४; ख ८१. प ६४. पाटणकर बापूसाहेब-द १७६. -सारजाबाई-न २१८. पाटणवाडिया (कोळी)-क ८३३. पाटणसावंगी (किल्ला)-छ ६. *पाटणा (जिल्हा)-वि.४, पृ.१७९; द ९२; प ६४; ब ६७; म १६२. -मेंढी जात-क ६४५. -म्युझिअम-वि.५, पृ.६६०. -विद्यापीठ-व २३०. -शहर-वि.१, पृ.४१३; वि.४, पृ.२४७,३२३; प ६४.

*पाटण संस्थान-ओ २४; प ६४. पाटणी-स २८६,३४४. पाटबंधारा-वि.४, पृ.२४५; क ४२३; ज ९५ -कार्मे-वि.१, पृ.४१५; क ६२३; स ४१६. -विषयक कमिशन-ज ४२४ पाट बांधणें-व २७१. -लावणें-वि.१, पृ.१००. पाटलखाट (पुढारी)-क ८३३. पाटलपूर-प ९.

*पाटलावडी-प ६५. -केसरखान-प ६५. पाटलि (वेश्या)-वि.४, पृ.१६८. पाटलीग्राम-वि.४, पृ.१७१; वि.५, पृ.४६५. *पाटलीपुत्र-वि.४, पृ.१५५,१६८,१८४,१९१,१९२,२५१,२६४,२६५,३१७,३२०,३२३; अ ७५; प ६५. -धम्मसभा-वि.४, पृ.२४६,२४७; अ ५९९. -मोफत दवाखाना होता-वि.४, पृ.३२३. *राजवाडा-वि.४, पृ.२४७,२४८. -शहर-वि.४, पृ.२४३,३२२; वि.५, पृ.४६५; च १७. पाटलीपूर-प ६५. पाटलोजी-ब ८६. पाटल्या-अ ४८९.

*पॉटस-वि.४, पृ.५१,८१; प ६५. -नाणीं-न १६५. पॉटसड्याम (निकोलाय किर्ची इमारत)-व १५६. पॉटस्टोन-ख १५. पाटा-वि.३, पू. २३३. -किनाऱ्याचें प्रभाव-स ४४२. -चाल-क ५३६. -ढीमर-ढ १. पॉटाडेल गाडा (राजधानी)-अ ८२. पाटासंबंधी पूल-स ४४२.

*पचधा (जात)-प ४. पचन-वि.३, पृ. २९१,३५८. *पचनक्रिया (रासायनिक उत्पत्ति)-वि.५, पृ.४१२. पंचनगरम-क १४५. पंचनद-वि.१, पृ.३०९; वि.३, पृ. २११; वि.४, पृ.२१,१२५; च १३९. पंचनदी-क ४५५. पचनेकायिक-वि.४, पृ.१९३. पचनेन्द्रियव्यूह-श ३५; स ५१,१२७. पचनेन्द्रिये-प ५६; श १७. पंचपडु (शिखर)-ख ७८. पंचपत-व २६३. पंचपथगा (गंगा नदी)-ह ११. पंचपळे दस्तुरी-वि.१, पृ.४६४. पंचपक्षी ग्रंथ-वि.५, पृ.३१५. पंचपाण्डय-प ७४. पंचपात्र (सिलिंडर)-ए ८. पंचपादिकादर्पण-अ ३३२. पंचपळ्ळी-च २०९. पंचप्राण-म १११. पंचबाण विजयभाण-न १४२.

*पंचभद्रा-प ५. पंचम (स्वर)-वि.५, पृ.१७६; अ ६५१; ध ९३; स १७. -गहरवाडाचे वंशज-ब १४९. -दिगंबर जात-द ९०. पंचमंडळ-वि.१, पृ.७२. पंचमडी-स १५१; ह ४९. *पंचमढी-प ५. पंचमहाकाव्ये-म ७२. पंचमहाभूर्ते-स १४४. पंचमहायज्ञ (संस्कार)-वि.२, पृ.११०; ग १९९; स ११४. पंचमहायज्ञावशिष्ट-ग १९९. पंचमहाव्रते-ज ३२१. *पंचमहाल (जिल्हा)-प ५. -कुडाळ-क ५३०. *पंचमहाशब्द-प ५. पंचमी (संगीत शास्त्रज्ञ)-स २१. पंचमूळ-अं १९. पंचयज्ञ-व २६०. पंचयाममत-वि.४, पृ.१३४. पंचरक्षा-वि.४, पृ.२४२.

पंचरात्र यज्ञ-वि.२, पृ.१००,४०४. -संहिता-भ १९. पंचलदेव-ग २. पंचलोह-ब १८९; श ७४. पंचवटी (नाशिक)-न २५९; स १८९. पंचवस्तु-वि.५, पृ.२०३. पंचवार्षिक-प १०२. पंचविध सूत्र-वि.५, पृ.१६४. पंचविंश ब्राह्मण-वि.२, पृ.१५१; वि.५, पृ.१६१. -स्तोमयुक्त-वि.२, पृ.४०५. पंचवहली कोळसा-क ८२६. पंचशारदीय विधि-वि.२, पृ.८०,१०५. पंचशिखा-स १३९. पंच संवत्सरात्मक युगपद्धत-वि.५, पृ.१०३,२९६. पंचसायक-क ३७६. पंचसिद्धांत (ग्रंथ)-वि.१, पृ.३०३.

पंचसिद्धांतिकोक्त पुलिशसिद्धांत-वि.५, पृ.२९९. -कारण ग्रंथ-वि.५, पृ.३०५,३१७. पंचहजारी च ५२. पंचहोतृ मंत्र व ग्रह-वि.२, पृ.१११. पंचहोतृसंज्ञक मंत्राचे हवन-वि.२, पृ.१०३. पंचज्ञानेन्द्रिये-वि.५, पृ.६३९; म १११; स १४४. पंचा (शिरी राजाची मुलगी)-इ ४. *पंचांग वि.५, पृ.९८; अ २७४; प ६. -कौतुक ग्रंथ-वि.५, पृ.३०७,३१६. -कथा-वि.५, पृ.९४. -पाटी-वि.१, पृ.२५७. -फल ग्रंथ-वि.५, पृ.३१५. -आधुनिक अंगे-वि.५, पृ.९९. -गणित आणि प्रसिद्धि-वि.५,पृ.३६२. -फलज्योतिष-वि.५, पृ.१००. -शोधन विचार-वि.५, पृ.३६४,३६८; अ ३७५.

पंचांगावलोकन-प ७. पंचागार्क ग्रंथ-वि.५, पृ.३१६. पंचागी-म २३३. पंचाग्याधानविधान-वि.२, पृ. १०१. पंचाचे हक्क-प ४. पंचादरी-क ३२२. पंचामृत तंत्र-त १०. पंचायत-वि.४,

पाटिआनाक (बंदर)-ब १७९. पाटिमित-क ५३३. पाटिलकी-अ ६२१. पाटीका-ब ११३.
पाटीगणितकौमुदी-वि.५, पृ.३०८,३१२; अं २. पाटीचा दगड -ख १३. पाटीचें काडें-आ ८२.

पाटीदार लोक-क ५३५,५३८. पाटील-द १६९; प १०; म २३३. -अध्यक्ष-क ८३५. -जात-ब
९१. -दादगौडाप्पा-ज ३४९. -बाबा-ह ३४. -बाबाजी नारायण-आ ५१. -बाळगौडा
(ग्रंथकार)-ज ३४९. -मल्लिकार्जुनप्पा अप्पाराव-व २५९. -रायाजी-ख १८; घ ७. -विठोबा
राघोबा शहाबाज-आ ५१.- शाहू हरी (वाघण)-आ ५१. -संज्ञा-क ५३५. -हरी जोमाजी
शहाबाज-आ ५१. पाटीवाले-आ ८२. पाटीसार सिद्धातसार्वभौमटीका (ग्रंथ)-वि.५, पृ.३१६.
पाँटुस (कवि)-फ ४९. पाटूका नदी-ज ३७५. पाटेडेरा-व ३०.

*पाटोड-प ६६. पाँट्रिक हने (ग्रंथकार)-स २४८. पाठ धरणें (वायुरोग)-व १५५. पाठक
घरणें (केंदूरचें)-क ६७१. -(पोटजात)-वि.५, पृ.१९६. -प्रो. काशीनाथ बाळकृष्ण यांचे
अजीविकेबद्दल मत -वि.४, पृ.१३०; व २०४; श २. पाठकक्षमा कल्याण (ग्रंथ)-ज ३४५.
पाठसादेश्य-वि.५, पृ.२१८. पाठाची रचना (शिक्षणशास्त्र)-श ८४. पाठारे (प्रभु)-क ७१६; प
२४५; म ५८. पाठीचा कणा श १७,२८. पांड (प्रमाण)-ज ११३. *पांडव-वि.३, पू. ४१०; घ
१०; च ९१,१०३; ध ६६; प ६६. -कथा-वि.१, पृ.१८०; वि.४, पृ.१३९; व २५६.

*पांडवगड (किल्ला)-प ६६; स १५१. पांडवगीता-ग १२९. पांडव वनवास (काव्य)-त ७३.
पांडवविजय नाटक व पांडवाभ्युदय नाटक-न १२३. पाडवा (शाखा)--क २४७. पाडळी गांव-
क ६४३. पाडा-ऊ १०. पांडा-न १९३. पाडि (राग)-वि.५, पृ.१८२. *पांडिचेरी शहर-प ६६;
भ ३९. *पाडिनाल-कनाड-प ६६. पांडियन-वि.४, पृ.१११. पाडी (जात)-वि.१, पृ.१३९; स
५९. पाडीलिऑनचे रहिवाशी-वि.४, पृ.१५. *पांडु (संस्थान)-प ६६. -नदी (संयुक्त प्रांत)-इ
९८; क ३११; ब ११७. पांडुगड-वि.४, पृ.२१. पांडुरंग अण्णा-द १५२. -तात्याचा मुलगा-त
४०. -पंत पटवर्धन-ह ५५. -मूर्तीचा काल-व १६०. -राव-द १३१. ब ८५; म ; स १४८.
-शर्मा-व १६३. -हरी (कादंबरी)-आ ७२. पांडुरंगाश्रम परमहंस -आ ३८८.

*पांडुरोग-प ६६. पांडे (पोटजात)-ब १९७. पांडेचरी गांव-च ९. पांडे जिनदास-ज ३४२.
पांडेरायमल्ल-ज ३४२. पांडे हेमराज-ज ३४२. पांडय (घरणें)-वि.४, पृ.२१,३३२,३३३,३३४; त
१,२०६; न १८४; व २८०. -तामील राज्य-वि.४, पृ.२४४. -देश-छ ५. -राजा-क ७८६; त
६१. म ६०. -वध-क ६५५. पांडये-स २५.

*पांढरकवडा-क ६९६; च ५१; प ६७. पांढरट रंगाची जमीन-क ६३३. पांढरफळी-अ ८७.
पांढरवाणी-प २४०. पांढरी कोंबडी-क ४५६. -रताळी-क ६३६. -लॉकर-ल ५७. -सावरी-क

६१.- सावळ-प १०९. -हूणांची सत्ता-वि.४, पृ.३२६ पांढरे उंदीर-स १२२. -करणे-क १०८.
-कूळ-म ५८. -रशियन लोक-र २०. पांढुर द्रव्य-श ४८.

*पांढुर्णा (गांव)-प ६७. पाढे-अं ९. पाण (जात)-ग १६; ब १७७. पाणउंदीर-स १२२. -
केश-अ २०७; ज २८१. -कोळी (पक्षी)-आ ३३३. *पाणघोडा-आ १७४; क ६७२, प ६७.
पाणचक्की -य १२,१४. पाणचेट-म १०५. पाणटाळाची रेषा (वाटरशेड लाईन)-स २८०.
पाणटा (शहर)-प ६५.

*पाणतीर-प ६७. पाणथरी (रोग)-ग २५५. पाणनेचे-अ २२१. पाणबुडी घंटा-प ६९.
*पाणबुडे -प ६८. पाणभरती पिके-क ६३३. पाणरंगांतील चित्रे-च ११२. पाणरस्ते-न ५.
पाणवनस्पति-व ४०. पाणसळीची दुर्बिण (लेव्हलिंग)-स २७२. पाणि-अ ६२०. पाणिघ्न-
वि.३, पू. २५८. *पाणिनि-वि.१, पृ.८५,३२०,३२२; वि.४, पृ.६८,११३,१२१; क ४४९; प ५९; श
७७. -अष्टाध्याय-वि.५, पृ.१९५; अ ६२१. -दर्शन-द २८.-पूर्वसंचित-वि.४, पृ.४७. -सूत्र-
वि.४, पृ.१३१,१८६. पाणिनीय-वि.१, पृ.८५. -व्याकरण-वि.५, पृ.२९६. पाणिमुक्त-ध ८.
*पाणिहाटी (गांव)-प ७०.

*पाणी-अ ६२०; ज २८६; द ११६; ध ४७; प ७०; स ३५९,३७०. -उतरणे-न ३८७. -
दाखविणारे यंत्र-क ६४१. -दुधांतील -द १२६. *पाणी देणे-न २८७; प ७४; भ २३. -पट्टी-
क ४२४. -मिश्रित रंग-र ४; स ३११. -रसायनिक-प ७०. -लोणी-ल ६३. -येणे
(आचळांतून)-क ६४६. -वनस्पतिशास्त्र-व ८१. -शेंदणे-स ४३७.

पाण्याचा दाब-स ३६९. -निचरा-प १२२. -पुरवठा-क ६४१; ज १२; भ ५५. -वेग-स ३७०.
पाण्याची घनता-स ३७१. पाण्याचे कवच-भ ८५. -घटक वि.५, पृ.४७३. -घड्याळ-वि.४,
पृ.३१२. -झरे (कढत)-भ ८६. -लेव्हल-स ३६१.- शोषण-प ७२. पाण्यांतील खोल पाया-स
३१५. -सर्प-उ ७५; स १२२. -ध्वनीचा वेग-ध ९१. सरकारी आकार-क ४२४. *पाण्डु
वंश-प ७४. पाण्डु राष्ट्र-वि.४, पृ.२०. पाण्डे-च १९६. *पाण्डय राजा-प ७४,७५. पात-र
६७.

*परतन किंवा उर्ध्वपातन-इ १३६; प ७६. -यंत्र-वि.५, पृ.४६६; इ १३६. -संस्कार-र ३३.
पातवाळिया-अ ४८९; क ११६. पातबिंदु-ब १४२. पातराट लोकांचा व्यवहार-वि.१,
पृ.१०६,१०९,११४. पापरेषा-ज ३८२. पातल्य -वि.३, पू. ४२१. पातशहा बेगम-झ २४.
पातशाही होन-न १८६, पातसन-अं १०२. पातसिज झाड-न ३०८. पातळ कांजी-ख ७३.-
पत्रा-स ३०७. -रंग-च १०७; र ४. पातळाई-ज १६. पातळी-भर ६७. पातक्षेत्र-ब १४०.

पातार्णे-क ७१६. -वाणी-व १३७. पातानेजिये-व १२८. पाताल-प ७७. -विजय-क ४४०.
पाताश्रितमास -ज ३८२. पाताळगुंफा (लेणे)-ख १४. पाताळ लोक-ग ४४.

पातिमोक्ख-वि.४, पृ.१९०,१९४. -विधि-वि.४, पृ.२०२. पातिव्रत्य-वि.१, पृ.१५५,३७०; वि.४,
पृ.७; ज २३४; व २४४. पाती (मोठी व लहान) संस्थान-म ११३. पातीची सावकारी-वि.१,
पृ.४६८.

*पातुर गांव-प ७७. पात्र-वि.३, पृ. ३५८. पात्रवर्णन-स १७१. पात्रासादान-वि.२, पृ.८८.
पात्रे (नाटकांतील)-वि.१, पृ.३२७. -मातीची-क ५५७. पात्नीवत ग्रह-वि.२, पृ.८७;९९.
पात्नीवत प्रचार-वि.२, पृ.४०१. *पाथर घांट (डोंगर)-प ७७. *पाथरवट (जात)-व ७; प ७७.
*पाथरी (वनस्पति)-क ६५३; प ७७; भ २४. -कालव्याचे पाणी-क ६५३. पाथरी तालुका-प
७७.

पाथरोट जात-व ७. पाथसाल-न ३९०. पाथिकृतेष्टि-वि.२, पृ.१०७. पाथेस्ट-र २५. पाद-
वि.३, पृ. २८०,४१५; वि.५, पृ.१३६,१४१; त १८८; स ५०. पादकटक-अ ४८८. पादकूर्च
शिरकर मस्ति-प ५२,५४,५६. पादचुंबनविधि च १९०. पादतलचर-स ११८,१२०,१३०.
पादत्राणांचा व्यापार-क २६१. पाददाह (रोग)-व १५६. पादपाश (डावपेंच)-व २९७. पाद
वृत्त-व २६६. पादशहा बिबी-आ १३८. पादसेवन-न ३८. पादहर्ष (रोग)-व १५६.

पादाकर्षण (डावपेंच)-व १ २९७. पादाकुलकमात्रा वृत्त-वि.५, पृ.१५३,१५५. पादाक्रांत राष्ट्र-
वि.५, पृ.६५९. पादांगद-अ ४८८. पादांगुलचारी (जात)-स १८७. *पादांगुलिक्षित-प ७७.
पादांगुल्यस्थि-श ३१,३२. पादांगुष्ठ (वातरोग)-प ७८. पादाभरणे-अ ४८८. पादास्थि-श
३१. पादिनालकनाद (तालुका)-क ६१२. पादीपूर-अ ९१. पादुआ-वि.१, पृ.११३. -
युनिव्हर्सिटी (वेधशाळा)-व २७८. पादुका साधन-न ६९. पादुया संज्ञा-वि.२, पृ.१२४.

*पाद्रा गांव, तालुका-प ८१. पाद्रे गांव-क १४०; ग १०२. पाद्री-वि.४, पृ.४९८. -अलब-ग
१९. -ग्यारेट-ग १९. पादण्ड (नांव)-वि.१, पृ.११०,२३०,३५०. पादण्ड दंगहयग कपकिसन -
वि.१, पृ.२२९. पाध्ये-व १७०. पान-वि.३, पृ. २९३; न ६८. -महार (जात)-म ८३. पान
कर (कला)-क १५३. पानकोळी-प ५४. -जात-क ८३५. *पानगल-ळ (किल्ला)-ज २२९; प
८१. पानगुलाम -ख १२५. पान चौ (चिनी सेनापति)-वि.४, पृ.२६३. पानपट्या-स २८६.
पानपत-च ८७,११६; १४६. -चरिष्ट-वि.४, पृ.४४०. -नारायण गांवची लढाई-घ २७.
पानपान देश-वि.४, पृ.३१४. पान बाळ्या-क ११६. पानबी (नदी)-स १९९. पानभरी (कोळी
जात)-क ८३२. पानम (नदी)-प ५. पानमळे -क ६२२,६३९.

*पानरोटी-प ८१. पानवर-त २६. पानविंचू-व २७१. *पानविभ्रम व पानासक्ति-प ८१.
पानशी केशवराव-उ ३८. पानसरे (कुल)-भ ५८. *पानसे (घराणें)-ख ६३; प ८३.
गणपतराव विश्वनाथ-अ ८७; त २१०. -नान-स २९. -सखाराम पंत-अ ८७. पानरिबा
(मनुष्याची जात)-म ३०.

पानांचा ओवा-भ २४. -व्यापार-न ६९. पानामा (आखात)-क ७९०. -मार्ग-च १४८.
पानार-प १४२. पानासक्ति-प ८१.

*पानिपत (तहशील व गांव)-वि.४, पृ.४४१-४४३; इ १५९; च ७८; प ८३. -ग्लासवर्क्स-क २३३.
मुकाबला-न १५४. *पानिपतचें युद्ध-च ७९; प ८४,२१७. पानी-अ २३७. पानीशिअस-वि.४,
पृ.८५. पानुंगल (पंचशत)-अ २५. पानें-व ४२,४६,५८,१००,११९. पानेर पर्वत-ब १७९.
पानेली मोटी (तळें)-ग २१२. पानेव्हर-त २६. पान्त-वि.३, पू. २९१. पान्तुन (सुभाषित)-
वि.१, पृ.१८०.

पान्नेजन-वि.३, पू. ३६१. पॉन्बो लोक-वि.१, पृ.२४१. पान्स (धूमकेतू)-ध ७७. पान्सो
(रंग)-र ७. पाप-क १३९; ज ३५३. पापगिरी-आ ३०४. पापधनी (नदी)-क १५. पापडखार
(पदार्थ-स १५२. पापण्या-न ३५४,३५८. पॉपन (लोक)-क ६६७. पापनामें (ऋग्वेद)-वि.३,
पू. ३९५. *पापनाशम् (यात्रेचें ठिकाण)-त ८१,९४; प ८५. पापमोचनी-ए ५. पापाक
बाबेक-वि.४, पृ.५५. पापाचें क्षालन-ज ३२२. पापायरस-वि.४, पृ.८४,१००. -वनस्पति-आ
१७४.

*पाँपी (रोमन शहर)-वि.४, पृ.१२,१३,५३,८२,९३,१०५,३३६; घ २; च १०४,१०६,१०९; ज ३१०;
प ८५. -ज्यूपिटर देवता-व १८८. पाँपीआ सॅबिना-न ३३६. पाँपीया पोपेकन (कायदा)-र
१४७. *पापीरस (झाड)-क २२०; प ८६. पापीरसवर चित्रें-च ११२.

*पापुअन लोक-प ८६. पापुआ (प्रदेश, बेट)-न ४११. पाँपे (शहर)-क ७८७; ग २७५; ज ४०३.
-रोम काँन्सल-स १८७. पाँपेपिडन (कादंबरीकार)-ड ५०. पाँपेयि-वि.४, पृ.९९. पापेरा
(कोही)-ज १९८. पाँपोसा शहर-ग ३१५. पाँपिटल-ध ११. पाप्पोरव-१४१. पाप्मन
(देवता)-वि.२, पृ.२४७. पाप्युअन लोक-वि.४, पृ.४६८,४६९. पाप्यूलोनियम-ए १७.

पाप्रा (जमीनदारी)-झ १०. *पांबन द्वीप-ज २३८; प ८६. पाभर-औ ३, क ६४१. पामन-
वि.३, पू. २८५. पॉम पॉम (तोफा)-त १७८. पामपूर प्रदेश-क ६८९. पामर-क ५७५. -
आर्चिपेलागो-द ६०. -आणि कंपनी-व ११३. -लॅड-द ५६. *पामरस्टन लॉर्ड-क ४१८; प
८७. -परराष्ट्रमंत्री-इ ४८. -प्रधान मंडळ-ग २९९. -मिसिस-ए ४२. पामस्टन-वि.४,

पृ.४८९. पामा (रोग)-क ६०१. पामावेच्छिओ कला-क १५३. पामिटिन-द ११६. *पामिदी गांव-प ८७. पामीन-ख ७१.

*पामीर (मोठे, लहान)-वि.४, पृ.४९४; प ८७. पामीर-इ-वाखन-प ८७. पामुला (लोक)-क ५६६. पॉम्पे-आ ३३४. पॉम्पीअस-ज २०२. पॉम्पेचा पिलर-अ ५३५. पाय-वि.५, पृ.१७१; आ ८३; श २३. पायको (बेअ)-अ ८१. पायगुंड-वि.५, पृ.१९९. पायचंदगुच्छ (पोटशाखा)-श १०२. पॉयटर आल्न्माटाडेमा-क १६१. *पायथॅगोरस (ग्रीक तत्त्ववेत्ता)-वि.४, पृ.२९,३३,६२; वि.५, पृ.३२७,५६९; त १९०; थ १२; प ८८; भ ७७; स ३०. -आख्यायिका-वि.५, पृ.२३५. -पंथ-वि.५, पृ.५६९. -मते-वि.५, पृ.२३६,२३७; प ८८. -संख्या मीमांसा-स ७. -सिद्धांत-वि.५, पृ.५६७; भ ६६. पायथान-वि.४, पृ.५१. पायथिया-बाई-क ८३७. -संस्था-ख ११४. पायदह-ग २७७, य ५०. पायपात (लघू)-वि.५, पृ.३१४. पायपोशा (जात)-आ १८६. पायफुगी (कोंबड्या)-क ७६८. पायसर- (राजधानी)-ड ३५. -पायरॉक्झीन द्रव्य-ख १२. पायरॉमिटर-अ ५६. पायरोगॅलोल -श १६. *पायरोल्यूसाइड-प ८८.

पायन्या-आ १८६; स ३८५. -समाजस्थित्यंतरांतील -वि.१, पृ.३७३. पायलट-वि.४, पृ.२८६. पायलेटस (काव्यनायक)-ज १४१. पायस (पोप)-इ ८०,८१,८४,८५; शप १९२,१९५. पॉयसाँ-वि.५, पृ.५९५. पाया-भ ७०; स २८७,३१४,३८५. पायाग्वा-अ २४७. पाया (घाट)-प ५९. पायांत झरे-स ३१५. -कांक्रिट-स ३१८. पायावरील खवले (कोंबड्या)-क ७६८. पायासाठी लांकडी खुंट-स ३०३. पायासि राजा-वि.४, पृ.२००, पायासिसुत-वि.४, पृ.२००,२३९. पॉयिंग-द १८३. पायु-वि.३, पृ. ७७,२६१,४८७. पायेटरेटिफ (गव्हर्नर)-आ २७२. पायोनिअर ग्लासवर्क्स -क २३३. पार-वि.३, पृ. २२२. -ऑफ एक्सचेंज-ह ४३. -नदी-ध १५. पारकिनस-भ ८०.

पारखंड-क ६६८. पारगड-घ २१. पारघाट -वि.१, पृ.४६२; वि.४, पृ.४३३; प ८९. पारचिनार-क ५६४.

*पारटे (कुळ)-म ५८. पाराटकास (प्रतिनिधि)-क ५५. पारत-वि.४, पृ.२१. पारद-प ८९; ९०; श ११. -देश (काश्मीर)-वि.१, पृ.३०९. -गांव अ २२. पारद मिश्रण-ध ५३. पारदर्शकत्व-ख ४८. पारदर्शक (रंग)-र ४. पारदसहरिद (रसकापूर)-वि.५, पृ.४६२. पारदारिक-क ३७५. पारधी-प ९०. *पारनगर (राजधानी)-र ७३.

*पारनेर (गांव, तालुका)-प ९०,९१. -मावळ-ब ९०. पॉरपॉइज-स ११८. पॉरप्रकाश-ख ७. पॉरफायरी-क २४. पॉरफीरियो डियाझ (सेनापती)-म २००. *पारमार्थिक कर्म-प ९१. -

कल्पना (ईजियन)-वि.३, उ. २१; वि.४, पृ.४६४; उ २१.-कविता-स १७६. -काल-वि.१, पृ.८८.
-ग्रंथ-मुसुलमानी संप्रदाय-वि.४, पृ.३५९. -गुरु (ब्राह्मण)-वि.१, पृ.२२७. -धुरीणत्व-वि.१,
पृ.४२९. -मतस्वातंत्र्य-वि.४, पृ.४९७- विचार-वि.१, पृ.४०,२९४. -संप्रदाय -वि.५, पृ.६५६; ग
१७१. -संस्थाची स्थिती-वि.५, पृ.६५७. पारमी महाशतक-वि.४, पृ.२४०. पारमेनिओ
(सेनापति)-द १९. पारमेनिडस-इ २११. पारलाकिमेडी-लाइट-रेल्वे-आ २९. पारखा-प ५४.
पारवैनाचियर मूर्ति-श ७६. पारशव-वि.४, पृ.२१.

*पारशी-वि.४, पृ.३७,३९६,५१९; क ७०६; प ९१,९२. -कायदा-ज २३५; प ९५; व १७९. -
गुजराथी-ग १५७. -दस्तुर यांची वृत्तीबद्दल भांडणें-प ९२. -दागिने-अ ४९०. -नीतिधर्म-न
३३३. -मिशन-म १५४. -यूरोपीयांचे वंशज-वि.१, पृ.३६५,३७१. -विवाह कायदा-व २४४. -
श्रौतस्मार्त-वि.४, पृ.२३. -समाजवर्धन-वि.१, पृ.३३३,३३४,३९३. -संस्कृत कोश-क ८११. -
साम्राज्य-वि.४, पृ.५०४. -हिंदुसमाज-वि.१, पृ.३३३. पारसदास-अ ३४६ *पारसनाथ (जैन
मंदिर)-प ९६.

*पारसनीस घराणें-अ ६१७; इ १३२; प ९६.-रा. ब.-वि.१, पृ.८८; च १२३. पारसन्स
टरबाइन्स-ए १२. पारसिक-वि.४, पृ.२०,३८. पारसी कोश (ग्रंथ)-क ५५७,८११. पारसीवान
लोक (परशियन वंशी)-क ३४. पारस्करगृह्यसूत्र -वि.२, पृ.१८३; वि.५, पृ.२९५; ग २००.
पारा व अफू-वि.५, पृ.३८४,४६४; न १९०; र ३२. -शुद्ध करणें-प ८९. पाराग्वे-अ ४२२.
पाराजिक-वि.४, पृ.१९४,२३८. पाराना-अ ४२२. -नदी-प ३३. पारापारा (नदी)-द १९७.
पारायण-वि.४, पृ.२१४. -वग्व सुत्त-वि.४, पृ.२१६.

पारावतवि-वि.३, पृ. ७७. पाराशर-वि.४, पृ.११८, १५०. -उपपुराण-अ ८७. -स्मृति-स
४८.५८. पाराशरि-वि.४, पृ.१८६,३२९; वि.५, पृ.३७१. पाराशर्य-वि.५, पृ.१६६; क ६५८.
पाराशर्याण-वि.३, पृ. ४४०; वि.५, पृ.१६६. पारासिलीस-द १९५. पारि-अ ३५. -जात-न
१३१; प ९६. *पारिजात(झाड)-क ६५५; प ९६. -हरण-उ ६१; न १३०. -चंपू-क २७१; र
४२. पारीजाती (हरिदेवाची माता)-आ ३५३. पारिनिर्वाण (देऊळ)-वि.४, पृ.३१३.
पारिपात्त-अ ४०१. पारिप्लव नामक शसन-वि.२, पृ.१२३; वि.३, पृ. ३९३. पारिप्लवाघार-
वि.२, पृ.९४. पारिपार्श्वक-न ८४. पारिभाषा-आ ६०. पारिमांडल्य आमन्या-म ७८.
पारिया-अ ६५०.

*पारियात्र-वि.४, पृ.२१; अ ५१४; प ९६. पारिव्राजक महाराजे-न १८१. पारिस ('पॅरिस'
पहा)-वि.४, पृ.४८६,४८७,४९०,५०९. पारिहार्य-अ ४८९. पारिक्षित-वि.३, पृ. २७१. पारी
आणि कंपनी (मद्रास)-ऊ २१. *पारी घराणें प ९६. पारीख-म १३९. पारीणहय-वि.३, पृ.

३५९. पॉरीफरी-श ७७. पारुचिनी-द ८७. पारो (गांव)-भ ४२. *पारोन-प ९७. पारोशी-भ २४. *पारोळे गांव-वि.५, पृ.३१६. पार्कटाऊन (खेडें)-ज ३७३. पार्कर, एच. मेरिडिथ-आ ६९,७१. जे.ए.-आ ७१. -डॉ.-ग ८७. -सर गिल्बर्ट-क २८९. -पार्कस पद्धति-श ८२. पार्गिटेर साहेब-वि.४, पृ.१६१,१६३,१६४. पार्टिशन-व १३३.

*पार्डी तालुका-प ९७. पार्थ व अभ्यावर्तिनचा यमान-वि.३, पृ. १३९. पार्थपराक्रम (नाटक)-न १३२. पार्थपूर-वि.५, पृ.३१५; प ७७. पार्थमेरु-क ४५७. पार्थव-वि.३, पृ. १७३.

पार्थसारथिमिश्र-भ १५८. पार्थहोम-वि.२, पृ.८९. पार्थिअन लोक-वि.४, पृ.९. -साम्राज्य-वि.४, पृ.२५४. *पार्थिआ-वि.४, पृ.३८; प ९७. पार्थिन (राज्यें)-वि.४, पृ.२६०. पार्थिनॉन शिल्प-क १५६. पार्थिय-वि.४, पृ.२५९. पार्थियन-वि.४, पृ.४९,८०,२५८,२५९; आ ३२६,३८५. -नाणें वि.४, पृ.२५२. -राजे-वि.४, पृ.५५,६०,२६०. -राज्यें-वि.४, पृ.२६४. -लोक-वि.४, पृ.५४,२५८,२६४. -वास्तुशास्त्र-व १८७. -साम्राज्य-वि.४, पृ.५३,२५३. पार्थिया (स्वतंत्र राज्य)-वि.४, पृ.५१,५२,२५८,२५९; अ २०५.

पार्थिव-भ ७७. -वस्तु-श २४. -विश्वशास्त्र-भ ८४. -संवत्सर-वि.५, पृ.१२३. पार्थिनी-वि.४, पृ.१६. पार्थिनॉन (काल)-व १८७. पार्थोनियस (नदी)-ब १२३. पार्थ्य-वि.३, पृ. ७७. पार्नेल-आ २१६. *पार्नेल, चार्लस स्टुअर्ट-प ९८. -पक्ष-ग ३००. पार्फिरी-वि.५, पृ.६४४. *पार्मा (राजधानी)-प ९९. -राजा-ब १६७. पार्मेनिडी (डे)-झ -वि.४, पृ.६२; वि.५, पृ.२३५,२३६,२३८. पाण्याची खाण-आ ३५७. *पार्लमेंट-वि.१, पृ.३४६; वि.४, पृ.५००; प ९९,१००.- कायदे-ध २०. -गृह-च ११०; व १९५. -झगडा-इ ४०,४३. -वाढ (आयरिश)-आ २१२.

पार्लिस संस्थान-म ६४. पार्ले गांव-क ५९२. पार्वण (श्राद्धसंस्कार)-द २८; स ११४. पार्वत-द १९२. -गड-क ४९७. पार्वति -वि.३, पृ. ४४७. *पार्वती (शिवपत्नी)-च २०; द १६६; प १०४; य ६५. -नदी-क ७३२; न ३०; ब ३०; र ७१. -राणी-त १८६. पार्वती-परिणय नाटक-च २२; न १३२; ब ८०. पार्वतीपुत्र नित्यनाथ-त २०. *पार्वतीपुरम् तालुका-प १०४. पार्वतीबाई पेशवे-म १०२; स ४०. पार्वतीमाता (मूर्ती)-ह ३१. पार्वतीय-वि.४, पृ.२०. पार्शति-द १९२. पार्श्व-वि.४, पृ.१३४; आ ८०. -कोश-च १८४. -तीर्थकर-त २१४.

पार्श्वकर्ण-ज ३८१. पार्श्वकपालपालिका-श ४८. पार्श्वकपालास्थि-श २५. पार्श्वचंद्रगच्छ-ज ३२३. पार्श्व तीर्थकर-ज ३२०,२२४. पार्श्वपृष्ठ-व ७४. पार्श्वभिती-स ३९९. पार्श्ववती-श ३४. पार्श्वशूल-म २३. पार्श्वस्थि-श ३२. पार्श्वभ्युदयचरित (कथा)-ज ३२२.

पाश्वर्तीयशाखाप्रबंध-व ५२. पार्श्वनाथ तीर्थकर-क ३०२; त १०८. पार्श्वपंडित-क ३०२.
पार्श्वद-वि.३, पृ. ३९३. पार्श्वद्वाण-वि.३, पृ. ७७. पार्श्व-वि.५, पृ.१७१. पाष्ठौह-वि.५,
पृ.१७१. पार्सन रोस विल्यम-इ ६९. पार्सली -प १२५. *पार्सली (मुख्य ठिकाण)-प १०४.
*पाल (प्राणी)-वि.४, पृ.२५,२६८,२९६,४४८; उ ६८; ७०,७१; ग १८८,२८४; य ५३.

*पाल (संस्थान)-प १०४. पॉल (पोप)-इ ७९; प १९२. -कॉनफिल्ट (नाटककार)-च १६४.
-जोसेफ बार्थज-वि.५, पृ.४२७.- फ्लेमिंग (कवि)-ज १४७. -बोर्जो-फ ५५.-ब्रोका-वि.५, पृ.६३८.
-सेंट-वि.४, पृ.२८४,२८५,२८७,२९६. *पालक (पालेभाजी)-प १०४,१२५; भ २४. -राजा-न
१११.-राष्ट्राचा-वि.१, पृ.५५,५६. पालकाप्प (ऋषि)-अ ४४६. -पालकौंडा (डोंगर)-क १५.
*पालकौंडा तालुका-प १०४. पालकोल्लू गांव, शहर-ग १२१; प १०४. पालकोल्हाटी (जात)-
क ८०३. पालक शहर-वि.४, पृ.३२१. पॉल क्रूगर-क ८४९; ज १४७; ट ५८. *पाल
ख्रिस्तोदास-प १०४. पालखेड (गांव)-ब ७३. पालखेडा (जमीनदारी-प १०४. पालख्यांचा
साोहळा-व १७०. पालगांव-क ७०७. पाल गोल्डस्मिथ (पंडित)-वि.५, पृ.५४. पाल घराणें-
वि.४, पृ.३३१. पालघाट गांव-उ २१; च ३,४,१९६. -तालुका-स १०५; भ ६०. पालचा
संप्रदायप्रवेश-ख १३२. पालच्या लेखांमध्ये मेसाचा अर्थ-वि.४, पृ.२७०. पालझेक-ज १६४.
पालटी (सरोवर)-त ९५. पालटीपूर शहर-म २१४. पालडायसेन-अ १४३. पॉल डी मोन्द
(कवि)-फ ६३. *पालदेव-च २२०; प २४,१०५.

पालन अर्जनीचें संस्कृत शिलालेख-वि.१, पृ.१७४. *पालनपूर एजन्सी (गांव, संस्थान)-थ
७; प १०५; य १७४. पालनाडवीर चरित्र-त १६६. *पालनी गांव, तालुका-प १०६.
पॉलनुथ-वि.५, पृ.६०८. पालन्सी (चव्हाण)-प १०६. पालपो (व्यापारी-वि.४, पृ.४८२.

पाल बेनफील्ड-क १२२. *पालम-प १०६. पालमकोट्टा-प १०६. *पालमपूर-प १०६.
पालमाल गॅझेट-व २६३. *पालमिरास शिखर-व १०६. पालमौचा प्रतापराय-औ २. पालर
नदी-च ८५. पॉल (रशियन बादशहा)-ड ४५. पालर गाणी (बंगाली)-ब १२. पालवर्म
(राजा)-क ४४. पाल राजे (बंगालचे)-वि.४, पृ.३२२; द २२; प १०६; र २६. -व्यूगॅट
(सायन्स ऍसोसिएशन संस्थापक)-ह ४.

पाललमरी-न ३६. *पालवहरा संस्थान-ओर २४ प १०६. पालव (कूळ-भ ५८. पालवमूर्ति-
पूजा-वि.४, पृ.२९६,२९७. पालवसुंता-वि.४, पृ.२९६,२९७. पालवसुंता-वि.४, पृ.२९६. पालवे-
वि.४, पृ.३३४. पॉलस डायकोनस-ख १४०. पालाड ओव्होनो (पर्वत)-ग २७१. पालागल-
वि.३, पृ. ४८०. पालगली-वि.३, पृ. ४५८. पालाडियम (धातु)-ध ४६. पालांडे (कुळ)-म ५८.
पालार नदी-न १८; म २३१; स १६४. -खोरें-ज १९७. पालश (प्राणिद)-प १०७. -नत्रित-अ

५३७. पालि-त १८७. पॉलि ओझोकूक-भ १०८. पालिका यंत्र-वि.५, पृ.४५६.
पालिन्त्रिफ्टी वि.४, पृ.९. पालिचन राजे-न २३०. पालिटिक्ट-वि.५, पृ.१९०.
पालिटिक्स (ग्रंथ)-अ ४५१; श ५५०; स ६५. पालिटिशन-वि.१, पृ.४२०. *पालिठाणा गांव,
शहर व संस्थान-क २५०; प १०८ देवालय-क २४९; च ७४. पालि तिपिटक-वि.४, पृ.१९३.
पालिनेशिया (कालगणना)-वि.५, पृ.९५. पॉलिपरचान-अं ५७. पॉलिबिअस (रोमन स्वारी)-ग
२८९. *पालिबोथा-प ६५.

पालियाद गांव, संस्थान-प १०८. पालिवाल-ब १९७. पॉलिश -(ऑईल)-त १४८. कवडा-क
२३४. -पेपर-क २३४. पालिशीर्ष-क ३१८. पॉलिसी-व २३५. -व्हॅल्युएशन-व २३६.
पालिसीमन-वि.१, पृ.३०९. पालिस्से (इराण)-वि.४, पृ.३१५. *पाली गांव-ख २२; ज ३६५;
प १०८; र ७८.

पाली कोष्टक-वि.४, पृ.२३८. -ग्रंथ (भाषांतर)-वि.१, पृ.१४२,१४८,१५८; वि.४, पृ.१९२,२१०. -
टेक्स्ट सोसायटी-वि.१, पृ.२९७. -धर्मशास्त्र-वि.४, पृ.१९१,१९४,२११,२२०,२३८, *पालाी
भाषा-वि.१, पृ.८६,१३१,१५८,१५९,१७७,१७९; वि.४, पृ.१८८,१९२,१९३,२४०; प १०८; ल ४२- व
बुद्धाचें चरित्र -वि.४, पृ.१९८. -वा*मय-वि.४, पृ.१९३. -विनयपिटक-वि.४, पृ.१९४. -
सूत्तपिटक-वि.४, पृ.१९७. पालीन-न ३७५. पॉलीनास-खं १४०. पॉलीनेशियन-वि.४,
पृ.४६८. पालीयथ अचन-क ७२४. पालु (रेशमी किडा)-र १३२. पालुदार-द १५०. *पाले
(टाऊनशिप-ब्रह्मदेश)-प १०९. पाले किराईत-क ४९१. *पालेज-प १०९. पालेभाज्या-अ
१८९; प १२५; भ २३.

पालेर्मो शहर-वि.४, पृ.४९०; च १०९. -प्यालाटिना इमारत-व १९०. -रॉयल वेधशाळा-व
२७८. पालेर्मोशिले (ग्रंथ)-वि.३, उ. ८,९,१०. पालेस्टाईन देश-य ४८७. पालैयमपट्टी (गांव)-
त १०३. पॉलोचिक (नदी)-ग ३०४. पालोडिआझ (गव्हर्नर)-अं ३९. पालोनिअम-क ८४०.
*पाल्कची (सामुद्रधुनी)-प १०; स २८५. पाल्मीरा-त ३७. पाल्मीरियन अंक-वि.५, पृ.८२.
पाल्याची पिके-क ६५०. -भाषा-न ३६५. पालहणपुरागच्छ-ज ३२३. पाव-अ १८८. पावक
(अग्नि)-अ ३३. पावकगड (किल्ला)-प ११०. पावकपुत्र-अ ३३.

*पावटा-अ ८०; घ १५; प १०९,१२४,१२५; भ २४. पावटी वेदमुनि-क ६९८. पावन-वि.१,
पृ.१६४,३५०; क ६५६. पावनगड (किल्ला)-क ८०७. पावमानी-वि.३, पृ. ३२९. पावरगड
शहर-क २४४. पॉवरलूम-व २१३. पावलाचा रोग-त २१७. पावशा जात-आ १८६.
पावसकर, चिंतोपंत देशमुख-क ६६५. पावसाचा -काल-प ६०. पावसाच्या क्रिया-प ६०,७२.
-पाण्याचीं गटारें-स ३८०;३८९. -सरासरी मान-क ६३४. -सिद्धांत -वि.५, पृ.५९२.

पावसाळा-ज ३८१. पावसाळी-पट्टे, वारे-भ ४६, ४७, ४९. पावा-वि.४, पृ.१८४. -गांव वि.४, पृ.१४९. -वाद्य-क १६१; व १४५.

*पावागड किल्ला-प ५, ११०. पावामल्ल-वि.४, पृ.१४३; १७६. *पावित्र्य-वि.१, पृ.९५; न ३३२; प ११०, २७३. -कायदा-इ २३०. पावित्र्यापावित्र्य विचार-ज २१४. *पावूगड-प १११.

पॉवेल, कर्नल-ह ३५. -जॉर्ज थॉमस-आ ७०; द ५४. पाश-वि.३, पृ. ३६२; अ ५०; ध ९५. -आयुध-ध ८. पाशकीलक-अ ३१२. पाशक्रिया -अ ५०. पाशद्युम्रवायत-वि.३, पृ. ७७. पाशांकुशा-ए ५. पाशा सय्यद-क ४१८. पाशिन-वि.३, पृ. ४६७. पाशिवाट-वि.४, पृ.२०.

पाशी (जात)-ख ११९. पाशुकवेदी-वि.२, पृ.१२९. पाशुक हौत्र-वि.२, पृ.९५. पाशुकाष्ठान-वि.२, पृ.४०१. पाशुपत-वि.४, पृ.३२८. -पंथ-श ९६, ९७.

*पाशुपत दर्शन-प १११. पाशुपत शैव-श ९७. पाश्चात्य अलंकार-अ ४९०. -आडनांवे-आ ८७. -कादंबरीकारासंबंधाचें वा*मय-क २७१. -कायदा (अन्नवस्त्र)-अ १९३. -ख्रिस्ती भिक्षू-वि.४, पृ.२२१. -गृहिणी-वि.१, पृ.२९१. -घड्याळे (हिंदुस्थान-घ ५. -चांचेलोक-च ४४. -चित्रकला -च ११५, १२७. -ज्योतिषशास्त्र-देश-वि.१, पृ.३५८; च ३४. -नाट्यकलेचा परिणाम-न १५३, १५९. -नौकानयन-न ३९८. -पेढ्यांचा इतिहास-प १६८. -प्राचीन रसायनशास्त्र-वि.५, पृ.४६७. -बौद्ध धर्म-वि.४, पृ.३२. -फलज्योतिष-वि.५, पृ.३७२. -रोमन साम्राज्य-वि.४, पृ.३०८. -लोक-वि.४, पृ.१८७. -वेदाभ्यास-वि.१, पृ.८९, २९७. -शास्त्रज्ञ-वि.५, पृ.३३. -संगीत-वि.५, पृ.१९१; च ११५. -संस्कृति-वि.१, पृ.३३१, ३६५, ३९०, वि.४, पृ.४-हिंदी भाषा-वि.१, पृ.१६६. पाश्चुराझर-द १२५. पाश्चूर-वि.५, पृ.४३८, ४४१; र १३३. -इन्स्टिट्यूट-वि.५, पृ.४४४; क २१०.

*पाश्चूर लुई-प ११२. पाश्म (मेंढी)-क ६४५. पाषंड-वि.४, पृ.२१. पाषाण-च १८४. -कला-क १५१. -गांव-ज २५७. -धात्वादिदृति भस्मीकरण-क ११५.

*पाषाणचंबुक-च १८४; प ११२. पाषाणभाण्डक्रिया-क १५१. पाषाणयुग चित्रकला-च १०३.-माणसें-वि.४, पृ.५०६. पाषाणशिल्प (अमेरिका)-वि.४, पृ.४६०. पाष्ठाह-वि.५, पृ.१७१. पाष्यस्थि-श ३२. पाष्य-वि.३, पृ. ३४७. पासलकर, बाजी-वि.४, पृ.४३१; आ १९०. -देशमुख-ब ७०. *पासली-प ११२. पासार्गडी-वि.४, पृ.९, १३, ४४, ४५. पासि (हिंदु जात)-वि. पृ.१६७ पासिक (प्रधान)-स ११३. पासकी-वि.४, पृ.९. पॉसिडोनिअस-वि.५, पृ.२६७. पासिफिक महासागर-वि.४, पृ.४६२, ४७१, ५०५, ५१७, ५१८. पासिर बंदर-ब १७९.

पृ.२४८. -कोर्ट-वि.१, पृ.५३; प २. -मोठी-फ ३४. पंचायतन-अ १४४. पंचायती-वि.४,
पृ.१७९. -लोकतंत्र राज्ये-वि.४, पृ.१६८. पंचायुधप्रपंच भाण-न १४२.

*पंचाल ('पांचाल' पहा)-वि.३, पृ. ३६९; वि.४, पृ.२०,१७१; द १७२; प ८. -नाणी-न १७६. -
ब्राह्मण-द १७३; व ३४६. -नाणी-न १७६. -ब्राह्मण-द १७३; व ३४६. -सोनार-स ३३०.
पंचालचंड-वि.३, पृ. ४३३. पंचावत्तीय होम-वि.२, पृ.१०२. पंचावलीक्रम (उत्सव)-वि.१,
पृ.२२४. पंचावि-वि.३, पृ.२४०.

*पंचासर-(प्रांत, शहर)-ग १३७; प ८. पंचास्तिकाय ग्रंथ-ज ३३८. पंचाळ (लोहार)-ल ६७.
पंचिंग प्रेस -य ८. पंचीसी-ख ११३. पंचुन-प २८. पंचेको -क ७२७. पंचेंद्रिये-वि.५,
पृ.६०५. पंचोपासना-वि.२, पृ.११२. पंचोबंद-क ३६४. पंचौदन-वि.३, पृ. २९३.
पच्चुपन्नवत्तुजातक-वि.४, पृ.१७०. पछाड (डावपेंच)-व २९७. पंजकोर (खोरें)-स ४७१.
पंजकोरा-वि.४, पृ.६५. पंचा-श ३०.

*पंजाब (प्रांत)-वि.१, पृ.१७०,४१२; वि.४,
पृ.१७७,१७८,१८८,२५७,२६२,२६६,३२१,३२७,४१२,४१३,४१५,४४४,४४७,४५०,४७४; क ८४०; घ ९; च
१२०,१७८,१७९,१८२,११३; थ ७; द ९२,१०३; न २, २३८,२५६; प ८; म १५६. -आरडा-वि.१,
पृ.१७०. -आर्य प्रतिनिधी सभा-ग १७२.

पंजाब इलाखा-द १६,९३. -ग्लासवर्क्स (अंबाला)-क २३३. -जयपाळ राजा-ग ११. -
नॅशनल बँक-प १७०. -पहाडी चित्रकला-च १२२. -पुराणवस्तूंचे अवशेष-प ८. -प्रकरण-
वि.१, पृ.४१२,४८४,४९५,४९६; वि.४, पृ.२५१. -व वायव्य सरहद्द प्रांत-ज १९६. -विद्यापीठ-व
२३०. -हिंदु-वि.४, पृ.४४९. पंजाबी (जात)-वि.१, पृ.२८७; प ४; ब ४८. -कुस्ती-व २९६. -
ताल-र ७०. -भाषा-वि.१, पृ.१६६; क४५९. पंजाभील नाईक-अ ७४. पंजाल पर्वत-क ४५५.
पंजेदार मूळ-व ४४. पंजक (स्वर)-वि.५, पृ.१९३. पज्जमधु-वि.४, पृ.२४०. पज्जूसनचा
उत्सव-ध पज्जोसवणाकषप-क १८२. पझेसन (संचार)-अ ५६७. पज्जसामि भिक्षु-वि.४,
पृ.२४०.

*पट-श २३. पटई-स ३४४. पटकी (रोग)-वि.५, पृ.२५७. पॅगोनियन राज्य-च १५२.
*पटचरू-प ९. पटचर-वि.४, पृ.२१. पटणी (तांदुळ)-भ २८. पटणीमल (राजा)-क १३२.
पटदीपिकी (राग)-र ५१. *पंटनब, टौनशिप-प ९. पटनुलकारक लोक-द ९२. पटनुली-न
३९०. पटनूलकारन (कोष्टी)-क ६९८. पटमंजिरी (राग)-र ५१. पॅटरक्युलस (लेखक)-ल

*पासीसि-वि.१, पृ.१६७; इ १५५; ख ७४; प ११२; र १८९. पांसु-वि.३, पृ. १७९.
पाँसोशकॉफ-अ ४६१. पास्कल-वि.५, पृ.५१३; ५७४; स २१३.-पोप दुसरा-इ ७५. *पाँस्टडॅम-
प ६६. पास्टयूर-ज १८७,१८८. पास्नी-वि.४, पृ.७२,५३१. पास्मारम स्क्रोबिक्वुलेटम-क
७४३. पास्से (पंथ)-वि.१, पृ.१९१. पाहणी-स २८५. पाहणें (क्रियापदें)-वि.३, पृ. ४६४.
वाहन लोक-ओ १७. पाहांग संस्थान-म ६३. पाहूर स्टेशन-अ ६४.

पाळ (जात)-क ५२७,८०३. पाळे (विरक्त वर्ग)-स ४७३. पाळेगार पद्धति-न २२७.
*पाळोचा तालुका-प ११३. पोळोन्चा संस्थान-प ११३. पिँनिअन-वि.४, पृ.८. पिअरे
सायमन लाप्लेस -क ६९२. पिअर्स-वि.५, पृ.३५५. पिअर्सन, डब्ल्यू. -वि.१, पृ.२८२.

पिआस्टर (नाणें)-त १२४. पिआजी-वि.५, पृ.३५४. पिएट्रोडेलाव्हॅले-क ३६१. पिएन किंग-
क ६९९. पिएनचौ-क ६९९. पिएनयि-ख ५९. पिएनलिंग शहर-क ६९९. पिओजेस
(जात)-इ २. पिओनिअन-वि.४, पृ.८. पिओरीया शहर-इ २११. पिक-रिंग-वि.५, पृ.५६१.
पिकांची मांडणूक-क ६५०,६५१. पिकार्डी -(संग्रहालय)-ए ४१. *पिकांचे रोग-क ६३८; प
११३-२३.

*पिकें-क ६३५; प १२३,१२४. -कापण्याचें यंत्र-क ६४१. पिकोब्लॅन्को शिखर-क ८१८.
पिकटी-वि.४, पृ.१६. पिकेट-वि.५, पृ.४९०; ४९३,५४९. पिकटोनीज-वि.४, पृ.१६. पिन्क्राईट,
खडक-ख १२. पिक्रिक-एँसिड-द ७९. पिंगाऊ-वि.४, पृ.३१०. पिंगांग-वि.४, पृ.३१०.
पिंगट ओक-ओ २. पिंगयंग-क ७७५.

पिंगल (अध्वर्यु)-वि.२, पृ.३५३;वि.५, पृ.१४२; क ४४०. -गीता-ग १९९.- छंदःशास्त्र ग्रंथ-
वि.२, पृ.१८५. -संवत्सर -वि.५, पृ.१२३. पिंगला-अ ६१९. पिंगलाश्वार्याचें छंदसूत्र-वि.५,
पृ.१३३,१४२. पिंगली सुबन्ना (कवि)-त १६२. पिंगलक-वि.५, पृ.१४१. पिंगशेम-वि.५,
पृ.५६२. पिंगळी-अ २०. पिंगळू (प्राणी)-क ५११.

*पिंगळे घराणें-प १२५. -मोरोपंत-औ ९; क ६६४; ज १९९. पिंगा-वि.३, पृ. ३४०. पिंगॉट
लॉर्ड-क १२२. पिंगालु-क ४२७. पिंगी-अ २१३. पिंगूळ-क ५०५. पिंगॅलियन-वि.३, उ. ५०.
पिच (रंग)-क ८२९. पिचबेक-ज २०४. *पिचब्लेंड-प १२५. पिचस्टोन (खडक)-ख ६.
पिचोल-उ ३०. पिच्छोरा-वि.२, पृ.१३२. पिंजर-क ५१८. पिंजरीया-अ ६६२. *पिंजारी
जात-आ ९०; प १२५. पिंजूल-वि.३, पृ. २३१. पिंजेलचें मत-वि.५, पृ.५८४. *पिंजौर-प
१२५. पिंजारम-वि.४, पृ.१९. पिंजारो-इ.४.

*पिट विल्यम (थोरला)-वि.४, पृ.४६७,४८६,४८७; ई ५८; प १२६. -धाकटा-इ ४७; ज २३७; प १२६. पिट्झर (जनरल)-क ६६९. *पिटर दि ग्रेट -वि.४, पृ.२४८; आ १८६; प १२७. पॉलरुबेन्स-क १६०. *पिटर मारिट्झबर्ग-प १२७. पिटर्सन-वि.५, पृ.१९८. -पिटिशन ऑफ राइट्स-इ ४३. पिंटो (रोग)-त २१७. *पिट्सबर्ग-प १२७. पिठापुरमचें चालुक्य घराणें-च ७३. पिठीनस-वि.३, पृ. ७७. *पिठारो तहशील-प १२७. पिंड-वि.३, पृ. ३३९. पिडझूनो डॉ.-क ७७८. *पिंडदादनखान-ज २०९; प १२८. पिंडदान विधि-वि.२, पृ.७४,८९,९४,९५,१०२; प १२२. पिडमाँट-क ४४७. पिंडमूल-ग ८६. पिंडर नदी-क ११५. -व्यापारी-ई ५२. पिंडवृद्धिशास्त्र-वि.५, पृ.६२५. पिंडस पर्वत-ग २७१. पिंडसेक्ता (नागकुळ)-त ३३. पिंडार (कवि)-ख ११४; ग २८७. पिंडिकागतस्नायू-श ३५.

*पिंडीधेब तालुका, तहशील-अ ८३; प १२८. पिंडीभाटीआन-अ ६२९. पिंडुगुरल्ला गांव-क ६६३. पिण्डोल-वि.४, पृ.१६९. पितर-वि.२, पृ.२४७,३९३; अ ६१४. -ऋण-क १३३. -संबंधी (ऋग्वेद)-वि.३, पृ. १६९; अ ३३. पितळ-अ ६१४. -कारागीर (भांडी)-त ४७. -पत्रे-वि.५, पृ.७८. पितळ खोरें-ख ८१. पिता-वि.४, पृ.१२३. पितापुत्र-वि.४, पृ. ३०३; वि.४, पृ.१२३. परंपरा-क ५८९. -वांटणी-व १३४. पितापुत्र मक्कथायम-क ५३२. पितःपुत्रीय-वि.३, पृ. ३०७. पितांबरकृत विवाहपटल-वि.५, पृ.३७०. पितामह-वि.३, पृ. ३०६. -चरित्र-अ १९०. -सिद्धांत -वि.५, पृ.२९८. पितु-वि.३, पृ. २९१.- देवता-वि.२, पृ.२४७. पितृ-वि.३, पृ. ३०३; अ ३१२. -गया-ग ३९.

*पितृपूजा-वि.१, पृ.२००; वि.४, पृ.४७५; प १२८. -मूलकधर्म-वि.१, पृ.४५६. पितृमेधशेष भूत लोष्ठचिंताचें अनुष्ठान-वि.२, पृ.८१,१०५,११२; प १२२. -याण-वि.३, पृ. २०१; वि.५, पृ.३९६.-सृष्टि-वि.२, पृ.१०३. -हन-वि.३, पृ. ३७९. पित्त-इ १६५; त २०७; द ११०. पितघ्न औषधांचे बस्ती-ज १९३. पित्तगुल्म-ग १९२. पितान्मार-अं ९८. पित्तार्बुद-आ ३१३. पित्ताशय-आ १०२. -गोलक-वि.५, पृ.४२६. पित्ताशमरी-आ १०३. पित्तोदर (जलोदर)-ज १९१. पित्र्य-वि.३, पृ. ३९३. पित्व किंवा पिद्व -वि.३, पृ. २५६. पिथिअन (ग्रीक खेळ)-ख ११४. पिथिअस-वि.४, पृ.३१६. पिथिआस (बाई)-आ २६८. पिथियास-उ १२. पिथु-अ १९५. पिथेकॅन्थ्रोपी-वि.५, पृ.६०३. पिथोरराया-क ४५. पिनरो. ए. डब्ल्यू.-इ ३०. पिनले (गांव)-क ८४४. पिनाक-वि.३, पृ. ३४३. पिनाकी-ए ४. पिनारडेल (पर्वत रांग)-क ८४०. पिनीन (तेल)-त १५२. पिनरो-इ ३०. पिनल फिलिफ (डॉ.)-वि.५, पृ.४३२,६२९. पिन्डमेलन विधि-ग ४८.

*पिन्स्क शहर-प १२९. पिपरबिलर लाईट रेल्वे-आ २९. पिपरावापात्रलेख-वि.५, पृ.४४. पिंपरी (घाट)-वि.१, पृ.४६२. *पिपलिया नगर-प १२९. *पिपलोदा (संस्थान)-प १२९.

*पिंपळगांव राजा-प १२९. *पिपळनेर-प १२९. *पिंपळी (वेल)-प १३०. पिंपील -वि.३, पू. २४८.

पिपीलिका-वि.३, पू. २५१; वि.५, पृ.१३८,१४२. *पिपीलिकाभक्षक (एक प्राणी)-प १३०. पिपेरिया-उ ६. पिप्पल-वि.३, पू. २२८; अ १२६,१३५. पिप्पलक खरतरशाखा -ख ५६. पिप्पलवण-वि.४, पृ.१७४, पिप्पलाद-वि.३, पू. ४३३; अ १३५. -शिष्य-अ १२६. पिप्पलादी आचार्य-अ १३५. पिप्पलायन (दधीचा मुलगा)-ग २४८. पिप्पीन राजा-इ ७५. पिंप्रम-वि.४, पृ.६८. पिंप्री घाट-वि.१, पृ.४६२; इ ६; ज १९८. पिंप्रु-वि.२, पृ.२६०; वि.३, पू. ७७,१७१. पियास्तर (नाणें)-क ६८४. पियासाल-ऐ ३. पियो-वि.५, पृ.४३३. पिरंदवण गांव-ग २०६. पिरनॉईल (कण)-अ २११. पिरम बेट-क २४८. पिरमलाई (जात)-क १८७.

*पिरली ब्राह्मण-अ ५८९; प १३०. पिरंवलूर तालुका -त २०६. पिरा (सुतार)-त ३६. *पिरामिड-ई १; क ६८४; प १३०. पिरार्ड-वि.१, पृ.१४८; अ १५७. *पिराब (परगणा)-प १३०. पिरिअस -अ १३७. पिरिथस-वि.४, पृ.५०. *पिरिनीज पर्वत-वि.४, पृ.३५१,३८५,३८६; प १३१. पिरुस्टी-वि.४, पृ.१६. पिरि (फ्रेंच गृहस्थ)-ख १४३. पिरिल रौसे-क ८१४. पिरहस राजा-वि.४, पृ.८९; अ ४१९. पिहिक (युरोपिय भाषा)-वि.५, पृ.१५७. *पिहो (तत्त्ववेत्ता)-प १३१. पिलक्कुटी-त ४३. पिलाजी गायकवाड-आ २६७; ग २७,१०२,१०८. पिलाडीझ-वि.४, पृ.१०४. पिलापाठक-क ३३२. पिलापोनिशन-युद्ध-वि.४, पृ.४०२; ग २८७. -
*पिलिभित जिल्हा, तहशील, गांव-प १३१,१३२. पिलीबीट पनया (गुरांची जात)-ग ७७. पिलें (कोंबड्या)-क ७५१,७५२. पिलोपंत-क ६७१. पिलोपॉनेसस-वि.४, पृ.३४२.

*पिलोषण प्रांत-प १३२. पिल्हारीस-अ ५६. पिवळा तण-क ६५३. -धोतरा-क ६५३. -
बागुलबोवा-वि.४, पृ.५२१. -रंग-द १४२. पिशंग-वि.३, पू. ४३६. *पिशाच व पिशाचपूजा-
वि.१, पृ.१७०; वि.३+ पू. १६९,१७०; वि.४, पृ.१५३,१५८; क ५६८; ज २१८; प १३२. -
मोचनकुंड -क ४५२. -वशीकरण-वि.५, पृ.१६१. पिशाची (देवता)-वि.२, पृ.२४७,२६०.
पिशिक-वि.४, पृ.२१. पिशित-वि.३, पू. २९३. पिशी (गहू)-ग ७२. -बाभूळ-क ४८३.
पिशील-वि.३, पू. ३६२. पिशुन-वि.३, प ३७७. *पिशुलोस (सेल्युलोज, वनस्पतिशास्त्र)-प
१३२,१३४. पिशोला (सरोवर)-उ ३५. पिषरोति-अं ९८. पिष्टपुर (पिठापुरम)-वि.४, पृ.३२१.
पिसवा-क ५०५,५११.

*पिसा (राजधानी शहर)-वि.५, पृ.३४५; प १३५. पिसाऊर-वि.१, पृ.१७०. पिसाळलेले कुत्रे-
ज १८५,१८६,१८७,१८८. *पिसिडीया-ग ६३; प १३५. पिसिस्ट्रेटस-वि.४, पृ.६३; व १३०.
पिसेनियस नायगर (सेनापति)-ई २६. पिसेम्स्की (लेखक)-क २७३. पिस्टन-ए ८.

पिस्तासियाखिंजुक -क २१५. *पिस्ता (झाड)-प १३५. *पिस्तुल-द ८५; प १३५. पिळून काढणें-त १५२.

पी (नदी)-क १४८. पिअर दुपॉन्ट (कारागीर)-ग ११५. पीअर्सन कर्नल-झ २८. पीअरेज बिल-अ ९०. पीआस्टर-न १९०. पीकडीप-अ ८४. पीक पाणी-वि.१, पृ.१८९. पीकाक थॉमस लव्ह-इ ११,२८. पीकॉरहोनेन (कवि)-फ १६. पीच (झाड)-क ६३६. पीझारो-वि.४, पृ.४६६. पीट (थर)-ख ११. पीट प्रो.-ई १३. पीटक (अर्थ)-वि.४, पृ.१९१. पीटर-वि.४, पृ.३१,२८६. -एँसेन-ब ५१. -एग्गे-न २५५. -कारागेओर-गोविच-स ११२.

पीटर झार-र २६. -डी-लॉ-मेयर-प १०२. -दी-ग्रेट-वि.४, पृ.४११,५११; ए ५१; ग १८८. - नान्सेन (ग्रंथकार)-ड ५०. -पत्र-वि.४, पृ.२८५,२८६. -पॅपॅहेगेपौलस (ग्रंथकार)-ग २९५. - फ्रँको-वि.५, पृ.४०४. -बेल्स-ल ७. मार्केटिस-वि.५, पृ.४०५. -युवराज-ज २९३. -रेटीफ-न १८३. -रोसीजर-आ ३६९. -लॉबार्ड-ख १४२. -हर्बो फ्रिमन-न २६३. -हर्मिट-वि.४, पृ.३९२; न ३६०. -हेले-घ ६. पीटरसन -वि.५, पृ.१९५; क २९०. पीटर्स-वि.५, पृ.६३९. पीटर्सबर्ग (शहर)-क ८०९. पीटिअन-वि.४, पृ.८. पीटिका-श ३६.

पीठ-व ६३. पीठमर्द-न ८६. पीठसर्पिन-वि.३, पृ. २५८.

*पीठापुरम (इस्टेट)-प १३५. पीडनायकाचा पराभव-औ २३. पीडमॉटचा आलबर्ट (पुढारी)-वि.४, पृ.४९०; इ ८१. पीड वृत्त-वि.५, पृ.१५०. पीड्रो डान्टाया-प १५८. पीड्रो डी सिंट्री (पोर्तुगीज प्रवाशी)-ल ३०. *पीतज्वर-प १३६. -पाणकेश -अ २१०. -बागुल बोवा-वि.४, पृ.५१८. -बादशहा-च १७२. -बिंदु-द १४१. -वस्त्री (लामांचा पंथ)-क ४५८. -श्रिस्त्राण (गेलुग पंथ)-अ १२०; ल २८. -सन्निपात ज्वर रोग-न ४१. -समुद्र-च १५५. पीतांबर-न १३६. पीतांबरदास (पद्यकार)-ब २१. पीतांबरमिश्र-उ ६८. *पीताम्ल -प १३७. पीतुदारु-वि.३, पृ. २२४. पीनस (रोग)-अ २०५; न ५०. पीपल्स कॉमिसरि (लोकमंत्री)-वि.१, पृ.७३.

पीपा-आ १०७; र ९७. पीयर्सन-ब २१ (ऊ). पीयूष -वि.३, पृ. २९१. -धारा (ग्रंथ)-वि.५, पृ. ३१५. पीयो बॅरोजा (कादंबरीकार)-स ४६९. पीर-फ ५३. पीरआली (जात)-ब १९७. पीर कामूस (कादंबरीकार)-फ ५१. पीरखान-ख ७७; छ ३. पीरखिंड-वि.१, पृ.४६४. पीर गासॅटी, पी चारॉ व पीर-दलेट-वोले (वा*मय लेखक)-फ ५०,५१. पीर दस्तगीर (थडगें)-श ९८. पीरदारी (फकीर)-क ५२५. पीर पंजाल (घाट)-क ४५६. पीर बेन्वा व पीर- मॅक-ओलन (कादंबरीकार)-फ ५५. पीरमहंमद (इराण)-इ १८३. पीरमुहम्मद त १७२. पीरशहा

दर्यासाहेब (टॅकडी)-अ १७. पीरशाहादौला-ग १३४. पीरशाह दावलची कबर-ज २९९. पीर सदरुद्दीन-ख १२२.

पीरेझ पुंजोल एडयुर्डो-स ४६७. पील (मुख्य प्रधान)-ओ ४; ग २९९. -सर रॉबर्ट-इ ४८. पीलखाना-अ ८७,८८. पीला-वि.३, पू. १३८. -देवता-वि.२, पृ.२४७. पीलाधतुरा-ध ८०. पीलु-वि.३, पू. २३३. पीलुपाकवादी-व २८७. पीलुमती -वि.३, पू. १७४. पीलू (राग)-र ५२. पीवन यवफू (कोश)-क ८१४. पीवरीकरणमंजूव-क ७५७. पीस (नदी)-क २७९. पीसा शहर-वि.४, पृ.४५५. पीसांडर (कवि)-म ७२. पीसस्ट्रिटस -वि.५, पृ.१२९.

पुकतपुल तलाव-भ ११५. पुकासंघ-अ ५५७. *पुकेट-प १३८. पुंकेसर-ज २८९; व ३७. पुंकोश-व ७३. पुक्कुस (लोक)-वि.४, पृ.१८०. पुक्कुसाती-वि.४, पृ.१७७,२००. पुखरायण-भ १११. पुंखित-अ ३१२. पुख्तनवाली-वि.१, पृ.१६९. -धर्मशास्त्र-वि.१, पृ.३५३. -पुग-न ४०६.

*पुगनूरु जमीनदारी, तहशील-प १३८. पुगमा (राजधानीचें गांव)-प २. पुंगव (मांडलिक)-वि.१, पृ.२२९. पुगी (उपाध्याय)-आ २६२. -वाद्य -व १४६. पुगगल (शब्द)-आ १००. पुगगल पञ्जत्ति-वि.४, पृ.२३७. पुंगवे नदी-र १५१. पुच्छकशेरु-प ५५; स १२५. -धमनी-प ५८. पुच्छपर-स ५६. पुच्छवंश (प्राणीकोटी)-प २६४; स ४६,४७. पुच्छविशिष्ट-अ २०८,२१०. पुच्छहीन धुमकेतु-वि.५, पृ.३५७. पुच्छाकार (वनस्पतिशास्त्र)-व ५६. पुजन (रंग)-क ६०५. पुंजननेंद्रिय-स १३०. पुंजा (भात)-भ पुजारी-ग ३३. पुंजिष्ठ-वि.३, पू. ३६४. पुंजील वि.३, पू. २३१. पुजून राजा-ज १२१. पुजेरे (जैन जात)-ज ३२१.

पुट-व ६८,७१. पुटपाक-वि.५, पृ.३८४. पुटयंत्र-वि.५, पृ.४६६. पुटवृत्त-वि.५, पृ.१५०. पुटुमायो (नदी)-क ७९०. पुंडरीक-वि.३, पू. २२८; अ ६१४; क ७०. -करुणा-वि.४, पृ.- नारायण-त २१४. -रोग-क ६०१. -विठ्ठल-वि.५, पृ.१८४; र ४३-४५; स २१. पुंडरीकिणी नगरी-आ ११३. पुंड सावंत-आ १७१. पुंडाई (उझबेग लोक)-इ १८६. -शिवाजीची-आ १३५. पुंडुइलु (शूर योद्धा)-वि.३, उ. ३६. पुंडुवैप्पु शक-वि.५, पृ.११८. पुंडे शामजी-ज २५८. पुंड्या-उ ११,१२.

*पुंडदेश-वि.३, पू. २६९; वि.४, पृ.२०; प ८१३. पुढील पीढीचा अभिमान-वि.१, पृ.३६०. *पुणतांबें-च ४३; प १३८. *पुणें शहर, जिल्हा -वि.१, पृ.४०८,४१३,४६१; वि.४, पृ. ४२८,४३१,४३४,४४७; क ६२७,७८०; घ ७,८,१२,१८,२१,२२,२३,९५, च ६१,८७,१४१,१४४,१४५, ज

२५७; प १३८,१४०. -एजन्सी-म १७४. -जिल्हयापासून निरनिराळे व्यापारी मार्ग-वि.१,
पृ.४६१-४६३. -पेटा-अ ८७.

पुण्डलीकबुवा-व १७०. पुण्डि-अं १०२. पुण्य, पाप व प्रशस्य-वि.३, पृ. ३९५, वि.४, पृ.१५६;
ज ३५३. -कर्म-क १३८. -कालनिर्णय -वि.२, पृ.१०२. पुण्यगंधा-वि.२, पृ.२४४. पुण्यतर
(ग्रंथकार)-वि.१, पृ.२३४. पुण्यसदन (कान्यकुब्ज ब्राह्मण)-र ९७. पुण्यसागरसूरि -अं ४२;
ज ३४८. पुण्याचा दरबार-च १२३. पुण्यानंदा-त १०. पुण्याश्रव-क २४८. पुण्योपाय
(ग्रंथकार)-वि.१, पृ.२३५.

पुंतस्व-केंद्र-ज २८९. पुतळाबाई (कन्या)-ख २१. पुतळे-क १५५. पुतळ्याची माळ-अ ४८९.
पुताई घराणें-क ६९९. पुतारेनास (बंदर, शहर)-क ८१९. *पुततःलिकाम्ल अथवा
पिपीलीकाम्ल -प १४८. *पुतुर तहशील-प १४०. पुत्र-वि.३, पृ. ३०४. -नागजिताचे-क
६५५. -राग-र ४३. -हरिहरराव-क ५८०. पुत्रक-उ २९. पुत्र कामेष्ठि यज्ञ (अनुशासन पर्व)-
वि.२, पृ.८७,३५५. पुत्रदा-ए ५. पुत्रप्राप्ति-वि.५, पृ.१६१, क १३३.

पुत्राचा हक्क-अ १९१. पुत्रिका-वि.३, पृ. ३०७. *पुदीना (वनस्पति)-प १२५,१४०; भ २४.
पुदुकुलुम तलाव-प १४२. पुदुकोटा शहर-च १२३. *पुदुकोट्टई गांव, संस्थान-प १४०,१४१.
पुट्या-क ३०५. पुधुबाल-अं ९८. पुनक-भ ४२. पुनः पुना (नदी)-ग ३७. पुनम (पोटभेट)-
ब ९१. पुनममियागच्छ-ज ३२३. पुनर्घटना-वि.१, पृ.६०. *पुनर्जन्म -वि.१, पृ.२३६; वि.४,
पृ.१५३; अ ५६७; आ ११७,३६९; उ ५१; क १३८; थ १९; द १७२; प ८८,१४२; व ८१.
पुनर्जन्मवाद-वि.५, पृ.१६१; आ ९९. पुनर्भू-वि.३, पृ. ३७९. पुनर्वसु-वि.२, पृ.१९२, २४७;
वि.३, पृ. १९१; वि.४, पृ.१००; वि.५, पृ.३७८,३७९. पुनर्विवाह-घ १,२; व १७८. -हर्षकालीन-
वि.४, पृ.३२७.

पुनाश्चिति-वि.२, पृ.९८. पुनःसर-वि.३, पृ. २४८. पुनःस्वातंत्र्य-वि.१, पृ.१९८. पुना कॉलेज
-च १४१. -बेट-इ २. पुनाग-क ५१७. पुनावत (पुण्यवती)-ग ३८. पुनास (धान्याचा
हंगाम)-न ३९१. पुनासा-न ३५. पुन्नाक-न २३६. *पुन्नाट गांव-प १४२. पुप्पपुर-प ६५.
पुप्पल्लि-अं ९८. पुरोत्पादक (जंतुपासून होणारे रोग)-ज ४१. पुर-वि.३, पृ. २०९.
पुरउष्णिह छंद-वि.५, पृ.१३७,१४०. पुरगुप्त राजा-वि.४, पृ.३२४. पुरंजन-चरित्र नाटक-न
१२७. *पुरणपुर-प १४२. पुरणमल राजा-ग ११८.

*पुरणिया गांव, जिल्हा-प १४२,१४३. पुरंदर-वि.४, पृ.४३२,४३४; इ १५६; क ३१. -इंद्र-इ
१५६. *पुरंदर किल्ला-क ४९९; प १३९, १४२, १४३. -तह-वि.४, पृ.४३४; न २०४. *पुरंदर

(तालुका)-प १४३. पुरंदरदास-क ३०४. -विठ्ठल-वि.५, पृ.१८५. सिंग-आ ३४१. *पुरंदरे (घराणें)-प १४३. -नाना-अं ७५; ब १०४. -महादजीपंत-स ४०. -महादोबा-ग २२५. पुरदिलखान-ख ९२. पुरंधी (देवता)-वि.२, पृ.२४७,३३८; वि.३, पृ. २६५. पुरनिर-वि.५, पृ.१८२. पुरभैया-क ५२२,७०३. पुरमलई (नाडु-कल्लण)-क १८८. पुरय-वि.३, पृ. ७७.

पुरवठा-अ ४२९; क ६६७; ध ६१; स ८७,८८. पुरस्कर्ते (ऐतिहासिक पद्धतीचे)-अ ४५८. पुरस्थाणु-अ २१९. पुरह नदी-इ ९८. पुराइत (जात)-झ ६; ध ४५. पुराण -वि.२, पृ.७,१६१; वि.३, पृ. ३९४; वि.४, पृ.१२२,१२४,१८७; च १९१,१९६; भ १०५. -किल्ला-इ १५९. -ग्रंथ-वि.२, पृ.७; वि.४, पृ.१८७; भ १०८. -तांड-वि.५, पृ. १६९. -नामं-वि.३, पृ. ३१०. -मतवादी चर्च-ख १३७. -युग (पॅलिओझाइक)-वि.५, पृ.६०३; भ १०९. -राजगिर शहर-र ७४. -लक्षण-वि.३, प. ३. -वस्तुशास्त्र-वि.१, पृ.९२. -वस्तुसंशोधन (अमेरिका)-वि.४, पृ.४६१. -वेद (शब्द)-इ १०७.

पुराणांतील वंशावळ्यांचें दर्शक कोष्ठक-वि.३, पृ. ५२२; वि.४, पृ.१६२. *पुराणें-वि.४, पृ.१६१-१६४; २३१; अ ८७; च १; प १४३,१४६; ज ३. -ऐतिहासिक साहित्य व तन्मूलक इतिहास-वि.४, पृ.१६८. पुरातन अवशेष-म ३६. -जामा-उ ४०. पुराना राजगिर-ग १२३. पुरामन-भ १३. *पुराव्याचा कायदा-वि.३, उ. ९३; प १४७-१५३.

पुरि (री) जात-अ १२०; ग २४५. पुरिक-वि.४, पृ.१२१. -भाषा-वि.१, पृ.२३७. पुरिके -वि.४, पृ.१६७. पुरी-आखाडा-अ ८६.

*पुरी गांव, जिल्हा-क ७०७; प १५३. -महाल-द ८८. -शहर-घ १०. पुरीकय-वि.३, पृ. २५१. पुरीबाई (कवयित्री)-ग १४९. पुरीष-वि.५, पृ.१७१. पुरीषिणी-वि.३, पृ. २१४. *पुरु-वि.३, पृ. ७८,१४१; प ४,१५४. -तृत्सु, भरत व कुरु हे एकच-वि.३, पृ. १४७. *पुरुकुत्स -वि.३, पृ. ७७,१४३,१४४,१६९; प १५४. पुरुकुत्सानी-वि.३, पृ. ७७. पुरुकुल-न ३३६. पुरुजित (राजा)-क ५४३. -बाप (विदेहवंशी) जनकाचा-अ ६३. पुरुणीथ, पुरुपंथा, पुरुमाय, पुरुमित्र-पुरुमीळह-वि.३, पृ. ७७. पुरुदम-वि.३,पृ. २६३. पुरुपुत्र-य १६. पुरुमीढ-अ ६७. पुरुमीहळ अजमीहळ-वि.३, पृ. ४८८.

पुरुरवम-वि.३, पृ.७८,१५२,१५३; ब १५२; व २५६. -देवता-वि.२, पृ.२४७. पुरुरवा-न ४२; प १५४. पुरुराजा-क ५७८; न २६७. पुरुराष्ट्र-क ५७८. पुरुवंश-वि.३, पृ. १४८. पुरुष-वि.३, पृ. २६०; स १४२,१४३.- इष्टकोपधान-वि.२, पृ.९७. -कामगार-वि.१, पृ.४७६,४७८. -गुलाम-ग १८२. -जननपेशी -अ २१९. -देवता-वि.२, पृ.२४७. -परिचारक-श ९०. -परीक्षा-क

२७०. -हर्षकालीन -वि.४, पृ.३२८. पुरुषपुर गांव (पेशावर)-वि.४, पृ.२४१,२५७; क ५९६; प १८२. पुरुषपूर-अ ६२४.

पुरुषमेध-वि.२, पृ.३२७; च २७,५४; न २७. -देवता-वि.३, पृ. १५७. -यज्ञांतील पशू-वि.२, पृ.७९,१३७,१४२; वि.३, पृ. २५५. -विषय-वि.२, पृ.१५१. पुरुषमृग-वि.३, पृ. २५६.
पुरुषराग-र ४३. पुरुषलक्षण-अ ४८. पुरुष लिंगभेद-ज २८९. पुरुषव्रत-वि.५, पृ.१६९.
पुरुषसंतति-व १७९. पुरुषसूक्त (कर्तानारायण)-वि.२, पृ.१४२; वि.४, पृ.१२२. व २५७.
पुरुषहस्तिन-वि.३, पृ. २५८. पुरुषांचे कर्तव्यकर्म-ग १२६. पुरुषंति-वि.३, पृ. ७८. पुरुषाद-वि.४, पृ.२१. पुरुषोत्तम-च ४०; ज ८४; न १४१. -कवि-वि.१, पृ.३१६; ग १४९. -कावळे-क ७०८; ७१६. -गजपति नारायणदेव-क ४८९. -गोविंद नाडकर्णी-ग १९. -देव-क ८१०. -नारायण-त २१४. -महादेव-इ १५३. -मास-अ १५२. -मिश्र-अ ४४६. -राव-प ८३. -सिंह-ग ३९. -सिद्धांतवागीशकृत-ब ९१.

*पुरुषोत्तमपूर (मद्रास)-प १५४. पुरुषोपधान-वि.२, पृ.९६. पुरुहन्मन-वि.३, पृ. ४८०.
पुरुहूत-प ७५. पुरूचे शत्रुमित्र व त्यांच्या लढाया-वि.३, पृ. १४३. *पुरूरवा-वि.१, पृ.३२९; वि.२, पृ.४२,५७; उ ८५; न ४२; प १५४. पुरोडाश-वि.२, पृ.८५; १२२,३६१,३९९; वि.३, पृ. ३३७,५०५,५०६. पुरोधा-वि.३, पृ. २६१. पुरोनुवाक्या-वि.२, पृ.८६; वि.३, पृ. ३३०.
पुरोपश्चाद्गामी यंत्र-ए ७. पुरोरूक-वि.३, पृ. ३३०. पुरोवात-वि.३, पृ. १७५. पुरोहित-अ ६१६; ग १७२. -बुद्धकालीन-१, पृ.१५४,२०४,२०५; वि.४, पृ.२०२.- बैगा-अ ३२. -स्वतंत्र जात-प २२०. पुर्किजे-वि.५, पृ.४२१,४२४,६३२. पुर्चासचें म्हणणें-इ १८४. पुर्णा (नदी)-प १५७.

*पुर्वा तहशील व गांव-प १५४. पुर्विया भेद-क ४७७. पुल-च १९७. पुलकेशिन-च ११९.
पुलकेशी (चालुक्य)-वि.४, पृ.३३२; आ ३०४; औ २५६; क ५५१; ग १३६; च ६६,६९; द ३६; म २२९; स २२३; ह ३४. -सत्याश्रय (राजा)-च ७०. पुलकोव्हो (वेधशाळा-व २७८.
*पुलगांव-प १५४. पुलंतिरणकलवूमलै (काव्य)-त ७३. *पुलयन-प १५५. व ९७; पुलया-अ ६५०. *पुलस्त्य-प १५५. *ऋषि-अ ३०; क १२३. *विश्रवसचा पिता-क ५५०.
पुलस्तिन-वि.३, पृ. ४३०. पुलस्तिपुर-वि.४, पृ.१८१; अ १७७. पुलह (ऋषि)-आ ८१. पुलहा-क १२३. पुलांचा गाळा-स ४२९,४३५. पुलाची सव्हें-स ३९३. पुलांचे प्रकार-स ४२५-३९५. पुलाच्या कमानी-स ४३२,४३३.

पुलिक-वि.४, पृ.१६६. पुलिकडीमाल इरुन्गोव्हेल -अ ३५. *पुलिकत सरोवर-प १५५.
*पुलिकन शहर, गांव-ई ६३; प १५५. पुलिकेशी राजा-वि.४, पृ.३२७; आ ३९४. *पुलिंद
(जनपद, देश) वि.३, पृ. ३६९; छ ५; प १५५.

पुलिंद, पुलिन्दकः व पुलिन्दा ः- वि.४, पृ.२०. पुलिपुल-स २०१. *पुलिबेंडला, तालुका-प
१५५. पुलिम (तामिळ भाषा)-वि.५, पृ.१५७. पुलिमंगड़ (भाषा व गण)-वि.५, पृ.१५७,१५८.
पुलिभंगनी-वि.५, पृ.१५७. पुलिमत-द ३५. पुलिश (सिद्धांताचा कर्ता)-वि.१, पृ.३०४; वि.५,
पृ.२९९. -सिद्धांतांतील वचने-वि.५, पृ.९०.

*पुली (चक्र)-प १५५. पुलीकत बंदर, सरोवर-च ८४,८५. पुलीचे कप्पे-प १५६. पुलु-अं
१०२. पुलगा देवता-अं ८५. पुलुमायि (राजा)-वि.४, पृ.२५३,३२२; अ ३३०; आ १४३. -
आंध्र राजा-प १८३. -गौतमीपुत्र-वि.४, पृ.४१३. -वासिष्ठीपुत्र-वि.४, पृ.२५३. -शातवाहन-क
७०७. पुलुष प्राचीनयोग्य-वि.५, पृ.१६२. पुलोकांन्बिग बेट-त १०१. पुलोकाँडोर बेट-इ
१०५. पुलोमा दैत्य-इ १५६. -स्त्री-श ८८. पुलौपनैटन -ज २४७. पुल्टेनी-व २६१.
पुल्लपेठ-क १६. पुल्ललचेरू (धबधबा)-क ५५०. पुश्चली-वि.३, पृ. ३७९; व २८३.

पुष्क-न ३६७. *पुष्कर (तीर्थ)-वि.३, पृ. २२९; अ ७०; क ६५६; च ६५; प १५६. -देऊळ-र
७७. -द्वीप-द १९५. -राजा-न ३६७. -सरोवर-च ८१. पुष्करणा जात-ब १९७.
पुष्करपर्ण-वि.२, पृ.३६१. पुष्करराय-द ३४. पुष्करसाद-वि.३, पृ. ४५६. पुष्कराजरत्न-न
३७. पुष्करारण्य-वि.४, पृ.२१. पुष्करावत-वि.४, पृ.२२. *पुष्कलावती (राजधानी)-वि.१,
पृ.३०९; च ५९; त ३३; प १५६. पुष्टिगु-वि.३, पृ. ७८. पुष्टि-पुष्टिभक्ति-व १२१.
पुष्टिमार्ग-व १२१. पुष्प-व ६३,६७. -अगर फुल्ल सूत्र-वि.५, पृ.१६४.

पुष्पक विमान-क ५५१; ब २३९. पुष्पकोश-ज २८९. पुष्पगंडिका-न ९०. पुष्पगांव-ब ३७.
पुष्पदंत-अ ६१४. -ग्रंथ-क ३०२. -तीर्थकर -ज ३२४; त १०८,२१४. पुष्पदलै-व ६७.
पुष्पधनु-क ३६८. पुष्पनी-न २३. पुष्पपुट-अ ३१२. पुष्पपु (पूर किंवा पाटलिपुत्र-अ ७५;
न १३७. पुष्पमाला (नाटिका)-न १३७. पुष्पमित्र (सेनापति)-वि.४, पृ.२४७. -पुत्र-अ ५६.
पुष्पमुगुट-ज २८९. पुष्पराग-क २४; ख ४९. -रत्न-र १६. पुष्पव्यवस्था-व ६४.
पुष्पशकटिका निर्मितिज्ञानं-क १५३. पुष्पसौष्ठव-व ६९.

पुष्पावती गांव-ब ३७. पुष्पास्तरणं (फुलांचे गालिचे, कला)-क १५३. पुष्य (देवता)-वि.२,
पृ.२४७. पुष्पकन-अं ९८. पुष्यमित्र-वि.४, पृ.१६६,३२०,४५०; श ८९. -शृंग घराण्याचा
राजा-वि.४, पृ.२५१,३२४. पुष्याभिषेक-अ ३१५. पुष्पिताग्रा वृत्तवि.५, पृ.१५०. पुंसू-वि.३,

पू. २६०. पुसद गांव, तालुका-प १५६. पुंसयोगभव-व ८२. *पुंसवन-वि.२, पृ.१८१; वि.३, पृ. ३३८; प १२२,१५६. -संस्कार-स ११४.

*पुसा खेडेंगांव, शहर-क ५३४,६२८; प १५६. पुसितौ-न ३०९. पुसी,ए. (विनोदात्मक काव्यकार)-इ ९४. पुस्त-अ २५६; न ८१. पुस्तक कव्हरें-क १५४,२२३. -परीक्षण (चिपळूणकर शास्त्री)-स १७५. -शाळा-अ ८७. पुस्तकांची होळी-च १७२. पुस्तकालय-व १२९. पुस्तीची भिंत-स ३९२. पुस्तु (भाषा)-वि.१, पृ.१६६; ब ४८; ह ५. पुंस्त्वहरण-क ७५६. पुळीचा मदुरा-त २१७.

पू (रोग)-ज ४१,४३. -येणें (आंचळांतू)-क ६४६. पूगीफल-स १९६. पूजा-अ १४४; ग ४३. -अष्टांगें-अ ६२०. पूजावलिया (ग्रंथ)-वि.१, पृ.१३२. पूज्यदेव वासुदेव-वि.४, पृ.११४. पूज्यपाद-वि.५, पृ.२०२; ज ३३८. -कवि-क २९६. पूर्णदृढीकरणाचा समाज-वि.१, पृ.३७७. पूतकारी-भ १११. पूतकूल पडिहारराज-अ ३४. पूतक्रता-वि.३, पृ. ७८. पूतदक्ष-वि.३, पृ. ४८२.

*पूतना-प १५६. -वध-वि.४, पृ.१२५. पूतभृत -वि.२, पृ.४०१. पूतभृतांत वि.२, पृ.९५. पूतिकर्ण-क ३१७. पूतिरज्जू-वि.३, पृ. २३३. -देवता-वि.२, पृ. २४७. पूतिलोहर-३३. पूतीका-वि.३, पृ. ३३४. पूतुदु-वि.३, पृ. २३३. *पूनचर्चें राज्य-प १५६. *पूनामल्ली-प १५७. पूना स्कूल्स अथलेटिक असोसिएशन-आ ८२, पूमालै कारर (फुलमाळी जात)-त ५२. पूय-ज ४१. -गुल्मग्रंथी रोग-ग २६२. -जन्य दाहज्वर-श ९. -प्रमेह-ज ४३. -वृज्विर-द १३९. -स्त्राव (नेत्ररोग)-न ३५९.

पूर (पोटजात)-ब १९७. पूरक-य ६५. -पेशी-श ५०. पूरण (गोत्र)-वि.३, पृ. ४८८,५०३. पूरणमल (सावकार)-व ११३. पुरनगीर (गोसावी)-वि.१, पृ.२४२. पूरिया (राग)-र ५२. पूरू-वि.३, पृ. ७८. पूरू-वि.३, पृ.४८५. पूरूष-वि.३, पृ. २६०.

पूर्ण-उ १०५. -अंतस्थ परावर्तन-व ३. -गौरांची फळें-व ८४. पूर्णकाश्यप बुद्धार्चें मत-वि.४, पृ. १३२,१३३. पूर्णगुरु-न १२८. पूर्णजलाच्छादित झाडें-व ९६,९७. पूर्णज्योतिर्मुनि-न १३५. पूर्णता-द १९५. पूर्णपरावर्ती नाडी-र १४३. पूर्ण परिकर्माष्टक-अं १४. पूर्ण पात्रनिनयन-वि.२, पृ.१०६. पूर्णपुरुषार्थ चंद्रोदय-न १२८. पूर्णपुष्प-व ६९. पूर्णप्रज्ञदर्शन-द २८. -मध्व-वि.४, पृ.४७३. पूर्णफल-व ६३. पूणभर्वा (नदी)-द ९२. पूर्णभेद (जैन यति)-क २६९. पूर्णमास-क ६५६.

२५. *पटल किंवा निरनकोट-वि.४, पृ.७१; प ९. पटलमयी पान (वनस्पतिशास्त्र)-व ६०. पटलसंगम-व ८०. पटवर्धन-वि.४, पृ.४३९,४४३; क ५७९; घ ८. -आप्पासाहेब-ग २०६.

*पटवर्धन, गंगाधरशास्त्री-ग १०६; त २११; प ९. -गोपाळराव-वि.४, पृ.४४०; त ४१; न ६१; व २१३. *पटवर्धन घराणें-प १०; स १४९. *चिंतामणराव-ब ७८. -त्र्यंबक हरी (दिवाण)-घ १९,२२. -दीक्षित घराणें-व २४९. -परशुरामभाऊ-ग २३०; ग ११२,१८२. *पटवर्धन पांडुरंग नरसिंह-प १०. -बिनीवाल्यांची स्वारी-ब १०५. -रघुनाथ नीळकंठ-अ १४०. -रामचंद्र अप्पा-वि.५, पृ.३६९; ड ४. -रास्त्यांची स्वारी -ब १०५. -विठ्ठलराव-ख ६२. -हरभट-ज ८४. पटवर्धनी पंचांग-वि.५, पृ.३६३. पटवी (जात)-क ८१५.

*पटवेकरी-प १०. पटवेगार-न ३९०. पटशेन लामा-ल २९. पटह-प ६. पटाई जयसिंह-म ७२. पटाईत शेपटीचे लिमूर प्राणी-स १२३. पॅटाग्रॉफ (यंत्र)-स २८२. पटाचारा-वि.४, पृ.२१८. पंढारेड्डी-क ३३४. पॅटालिऑन अर्गॅथोक्लिस-न १७३. पॅटिआ (नदी)-क ७९०. पटि पंथ-र ८७. पॅटिऑथिअन-वि.४, पृ.८. पॅटिअन-इ ३०. पटिसंभिदामग्ग-वि.४, पृ.२३४,२३९. पॅटिन्सन पद्धति-श ८२. पटी-न ८१. पॅटीन्युज (मिशनरी)-वि.१, पृ.३३०.

*पटु आरवली-प १०. पटुक राजा-न ३६७. पटेकलस-अ १७. *पटेल (पाटील)-क ५३५; प १०. -कावसजी-आ १९६. -नर्मद-क ३६९. *पटेलिया (कोळी)-क ८३३; प १०. पटेली लुगलउशुंगल (राजपुरुष)-वि.३, उ. ३२. *पटौडी संस्थान-प ११. पट्ट-अ ४८७. पट्टकारन (पुढारी)-क ६९८. पट्टपाकळी-व ७३. *पट्टण (शहर)-क ५५८; च ७६; प ११. पट्टणकुडी-प ३२. *पट्टदकल गांव-च ७०; प ११. पट्टर (पोटजात)-ब १९७. *पट्टा (किल्ला)-प ११. -प्राचीन माप-ज ११२. -बेट-क ६७२. -हत्यार-ज २६३. पट्टाईत (पिपीलिकाद प्राणी)-स ११७. पट्टाकार (संयुक्त मुकुट)-व ७३. पट्टाणी-क ५३५.

पट्टापूरवर्ग-क ५६६. पट्टारीडोम-ड ६५. पट्टिकावेत्रवानविकल्प-क १५३. *पट्टिकोंडा (गांव तालुका)-प ११. पट्टी (कर)-वि.१, पृ.१५६; ज ११. *पट्टी तहशील-क ४७९; प ११. पट्टीदारी पद्धत-ग २२८. पट्टी लोंकर-ल ५७. पट्टुआ (पट्टा)-ज ३९२. पट्टे (यंत्रशास्त्र)-य ५. पट्टेवाला-८०. पट्ट्या-स ३०३. पट्ट्याचा बी २०८ (ऊंस)-ऊ १२. पॅटिक (साधु, आयर्लंड)-आ २१०. -विल्सन-(प्रो.)-वि.५, पृ.५९२. -हेन्नी-स ९९. पॅट्रिशियन-वि.४, पृ.८७,८९; अ ६३०; र १४४. पठर्वा-वि.३, पृ. ७७.

*पठाण-वि.४, पृ.३६५,४४२,४४३; अ २३२; प ११; व १५२. -मुसलमान-वि.१, पृ.१६७. -सरदार ग्यासुद्दीन-क १२५. *पठाण कोट (गांव)-प ११.- येथील हिंदूचें राज्य-ग १७५.

*पूर्णय्या-प १५७. पूर्णराज (टीकाकार)-वि.५, पृ.२१०. पूर्णवर्मा (मौर्य राजा)-वि.४, पृ.२४७. पूर्णवंश प्राणी-प २६४; स ४७. पूर्णसमता-अ ४०८. पूर्णसस्तन-स १३०. पूर्णस्वरांचे अर्ध स्वरांत पर्यवसान-वि.५, पृ.१४१. पूर्ण स्वातंत्र्य -अ ४६०. *पूर्णा (नदी)-च ४२; ज २०९; ड १५; प २७,१५७; ब २७; ह ५६. पूर्णाक-प १५७; ब १२५; स ११. -परिकर्म चतुष्टय -वि.५, पृ.२९५,५६४. पूर्णानंद-क ५३०. -तीर्थ-अ ६२१. -नाटकगृह-न ६. -नाथ-न ३७.- स्वामी-त १२. पूर्णास्थि-स ५५. पूर्णाहुति-वि.२, पृ.४०२. पूर्णिमागच्छ-ज ३२३. पूर्णिमा पक्ष-ज ३२३. पूर्णिमान्त मास-वि.५, पृ.९७; अ १५३. पूर्णादक कुंभ-अ ६१९. पूर्त अथवा पूर्ति-वि.३, पृ. ३३१. पूर्निया जिल्हा-वि.१, पृ.३४८. पूर्पति-वि.३, पृ. ४५३. पूर्याधनाश्री (राग)-र ५२. पूर्व अमाशय-प ५३. -आदौष्ट-वि.५, पृ.१७१.

*पूर्व आफ्रिका-द ८५; प १५७. -तयारी कर्म-क १३९. -तिबेट-वि.१, पृ.२३७. -तुर्कस्थान-वि.४, पृ.४७६; च १६२,१८०. पूर्वकाळी नदी-द १५३; ब १५३. पूर्वकालीन ख्रिस्ती उपदेशकांचें वैशिष्टय-वि.४, पृ.२८४. -भाषा-वि.१, पृ.८५. पूर्वकिनाऱ्यावरील मोत्यांचे कारखाने -व २०८. पूर्व खलीफती-वि.४, पृ.३५३. पूर्वखात-प ५२. पूर्व खानदेश-न ४१. पूर्वग्रह-इ ११८. पूर्वगोथ लोक-ग ९८. *पूर्वघाट-घ ६; च १७; प १५९. पूर्वचर्वणक-स १२६. -दांत-स १२१. पूर्व चालुक्य-द ३६. -वंशाची स्थापना-च ६७. -वंशांत होऊन गेलेले राजे-च ६७. -शाखा-क ५५१. पूर्वचेदि महाकोसल-क १४६. पूर्वजाविषयी अभिमान-वि.१, पृ.३६०. पूर्वदीक्षा-वि.२, पृ.१००.

पूर्वदेव-वि.३, पृ. ५७७. पूर्वदेश-वि.४, पृ.३१४. पूर्वन्याय पक्ष-न ४०७. पूर्वपक्ष (शब्द)-वि.५, पृ.२९३. पूर्व-पश्चिम (ताटातूट)-वि.४, पृ. २२,३२२,३५१,३७८. पूर्वप्रोष्ठपदा नक्षत्र-न ४२. पूर्वमंगोल-म ९. पूर्वमस्तिष्क-प ५३; स ५०,११६,१२९. पूर्वमीमांसा-द २८. पूर्वमुखास्थि-प ५२,५५. पूर्वमौर्णायव-वि.५, पृ.१७१. पूर्वयूरोप-वि.४, पृ.४०९,४८९. पूर्वरंग-न ९१. पूर्वराम-र ४५. पूर्व राजपुताना-वि.४, पृ.३२१. पूर्व रूमेलिआ-थ २८. पूर्ववत अनुमान-न ४०५. पूर्ववयस-वि.३, पृ. ३०९. पूर्वबक्ष वायुकोश-प ५७. पूर्ववाहिणी नद्या -घ ६. पूर्ववृक्कनलिकासमूह-स ५३. पूर्वसंजक होम-वि.२, पृ.१००. पूर्वसाम्राज्य व पश्चिम रोमन साम्राज्य (तुलना)-वि.४, पृ.१५०.

पूर्वसेराम-अं १०६. पूर्व हॅमिटीक वंश-स २३२. पूर्वा-वि.३, पृ. २५३. पूर्वागवादी राग-र ४५. पूर्वातिथि-वि.५, पृ.१७१. पूर्वातिथि-अ १२५. पूर्वानुभूतविकारजागृत नृत्य-न ३४९. पूर्वापर रेषा-ज ३७७. -वृत्त-व २६४. पूर्वाफल्गुनी (देवता)-वि.२, पृ.२४७. पूर्वाचिक भाग-वि.५, पृ.१६६. पूर्वाजितकर्म-क १३८. -परीक्षण-वि.५, १४. पूर्वार्ध लोकसत्ता (रोम)-वि.४, पृ.८९. पूर्वाविराट वृत्त-वि.५, पृ.१४०. पूर्वाषाडा (नक्षत्र)-वि.२, पृ.२४७; न ४२. पूर्वी

(राग)-र ४५,५२. पूर्वकडील उपभारत-वि.१, पृ.१७३. -चर्चची स्थिति-ख १३७. -देशांतील वाद्यांची चित्रे-वि.१, पृ.३५७. -द्वीपकल्प-वि.१, पृ.१७४. -मुसलमानी विजय-वि.४, पृ.३५३. राज्यपद्धति-वि.१, पृ.१९८,१९९. -संध-वि.१, पृ.१६६. -स्लाव्ह लोक-वि.४, पृ.३४४. -हान घराणे-वि.४, पृ.४७७.

पूर्वफल्गुनी (नक्षत्र)-न ४२. पूर्वोत्तरपरिग्रह-वि.२, पृ.१०६. पूल-स ३९९,४२२,४२७. पुल्य-वि.३, पृ. २९३. पूर (पोटजात)-त ४३. पूष्य-त ५१. पूषन (देवता)-वि.२, पृ.३१९. - विशेषणे-वि.३, पृ. १६४. पूर्णामित्र-वि.५, पृ.१६८. पूषा देवतात्मक पशुयाग-वि.२, पृ.१०४,१०६. पूष्ययशा औदत्राज-वि.५, पृ.१६८. पूहर-च १९६.

पृष्ठा-न ९१. पृत-पृतना-वि.३, पृ. ३४४. पृथ-वि.३, पृ. ४१४. पृथक्करण-वि.१, पृ.९४; वि.५, पृ.५,५१८; उ १०६; क ३८६; ख ७. पृथक प्रसिद्ध-ग २५५. पृथग्वेणी-स १८. पृथवान-वि.३, पृ. ७८. पृथा (राणी)-उ ३१; प ९७. -कन्या-क ५४३. पृथिवी-वि.२, पृ.९९, २४७; वि.३, पृ. १७४. पृथिवी छंद- वि.५, पृ.१४६. पृथिवीनारायण-वि.४, पृ.३३०. पृथिव्यादि यांचें सचेतनत्व-ज ३५१. पृथिसव-वि.२, पृ.८१. 'पृथि' सवात्मक विधी-वि.२, पृ.१०५.

*पृथु-वि.३, पृ. ७८,४८६; न ११५; प १५९. पृथुपाद-स ११६. पृथुयश-वि.५, पृ.३०९; ग २. पृथुयशा-वि.५, पृ.३७१. पृथुराज-प १५९. पृथुश्रवस दीरेश्रवस-वि.३, पृ. ४३६. पृथुषेण राजपुत्राची स्त्री आकुती-आ ११. पृथुस्वामी-वि.५, पृ.३०५. पृथू-वि.४, पृ.३९. पृथूदक-वि.५, पृ.३०८,३०९. *पृथ्वी-वि.३, पृ. १७४; वि.५, पृ.२६,२४३,२५२,२७८; च १५,१८८; प २९,१५९,१६०; व २८६. पृथ्वीची उष्णता, गुरुत्व, घटनाशास्त्र-भ ८६,८७. -कटिबंध-वि.५, पृ.२६९. -कवच, खडक -भ ५३,१०३. -कक्षा-ज ३८१. -गती-वि.५, पृ.२८५. -गोलाकार-वि.५, पृ.२३६,२६८,२९२. -ग्रहांची अंतरे-वि.५, पृ.३२०. -चंद्रसूर्याचें अंतर-वि.५, पृ.२९१; ज ३८१. -परीघ -वि.५, पृ.२६८. -पृष्ठाचें क्षेत्रफळ-च १६; भ १००. प्रदक्षिणा-प १९०. -मानव जाती-वि.४, पृ.४१३. -मूलद्रव्याचें ताऱ्यावर अस्तित्व-वि.५, पृ.४८९. -वयोमान-वि.५, पृ.५८७. पृथ्वी कोंगणी (राजा)-ग २; द ३४. पृथ्वीगण-वि.५, पृ.१५४. पृथ्वीदेव राजा-क ८१८; र १३,१४. पृथ्वीनामं (ऋग्वेद)-वि.३, पृ. १७४. पृथ्वीनारायण (राजा)-अ ४९८; न ३७०,३७२. पृथ्वीपंत डांगी-ग २; ड १६. पृथ्वीपाळ राजा-द ९८. पृथ्वीपूर-द ९५. पृथ्वीमल्ल-न ३७२.-ग्रंथ-वि.५, पृ.३७७. पृथ्वीमूल (राजा)-वि.५, पृ.११३. पृथ्वीराज-वि.४, पृ.४२२,४४८,५५०; अ ६८; उ ३१; ओ १६; क ४३; ग १२२; च १२,१३,१८२; ड ६१; थ ७; द ९५; न १८३; व ८. *पृथ्वीराज चव्हाण-च ८,७४,७९,८०; ज १२१; त १०३; प १६१; ब १४८,१५८; स १५६,२७१; ह १६,४०. पृथ्वीराज-विजय ग्रंथ-अ ७१.

*पृथ्वीराज रासा-च ८,८०; प १६१; भ २५. पृथ्वीराजा-र ८. पृथ्वीराजाचा किल्ला-ग २४६.
पृथ्वीराम (राजा)-र १२. पृथ्वीवर्मन-न १६७. पृथ्वीवल्लभ-य २४. -निकुंभल्लशक्ती
राजा-स २२३. पृथ्वीवीर विक्रमशहा-न ३७३. पृथ्वी (वृत्त)-वि.५, पृ.१५०. पृथ्वीसिंग-उ ६०;
क ५०३; ज १२२; झ १२; ब ९९.

पृदाकु-वि.२, पृ.२४७; वि.३, पृ.२५६. पदाकुसानु-वि.३, पृ. ७८. पृशान-वि.३, पृ. २२२.
पृश्नि-वि.५, पृ.१७१. पृश्नि-वि.२, पृ.२४७,३३९. पृश्निगु-वि.३, पृ. ७८. -पृथक्कत भाषा-अ
३३. पृश्निग्रह-वि.२, पृ. ९५-२४३. पृश्निपर्णी-वि.३, पृ. २३. पृश्निबाहु-वि.३, पृ.२४७.
पृषत-वि.३, पृ. २५६. -पृषती-वि.२, पृ.२४०. पृषदाज्य-वि.३, पृ. ३३७. पृषदाज्याद-वि.२,
पृ.३६१. पृषदाज्याल-वि.२, पृ.९५. पृषध-वि.३, पृ. ७८. पृषातक-वि.३, पृ.३३८.
पृषोदराहि-वि.५, पृ.२१२. पृष्टयामय-वि.३, पृ.१८५.

पृष्ठ वि.-५, पृ.१७१. पृष्ठघर्षण-स ४१७. पृष्ठभंग-व २९७. पृष्ठभाग-व ५८. -तन्यता-
वि.५, पृ.५११. पृष्ठमणी-श ४२. पृष्ठमरज्जु-स ५१. पृष्ठमित-ब १३९. पृष्ठलग्न-व ७५.
पृष्ठवर्ती-व ७८. पृष्ठवंशरज्जु-ध १०; श १७,२०,२१. पृष्ठवंशीय-श ४७. पृष्ठवंशीयावेष-
वि.५, पृ.५९७. पृष्ठसंबन्धिन-श ४९. पृष्ठस्तोत्र-वि.२, पृ.१०५. पृष्ठाकर्षण-क ६९३.
पृष्ठय षडह-वि.२, पृ.१०१. पृष्ठयसंज्ञक-वि.२, पृ.४०५. पृष्ठयसाम-वि.२, पृ.३६०.
पृक्षयामन-वि.३, पृ.७८.

पे (इजिप्त, राजनिवासस्थान)-वि.३, उ. ८. पे-ऑफीस (पगारमंडळ)-आ २४०. पे-आली-न
३७६. पेईपल्ली गांव-ए ४७. पेइपुस सरोवर-य ६०. पेउकेलओटिस-वि.४, पृ.६४.
पेकलोगन-ज २४९. *पेकींग (राजधानी शहर)-वि.४, पृ.३६०,४७८,४८०; च १५५,१५८-
६०,१६४,१६५,१६७,१७७; प १६१.- गॅझेट-च १५८, व १६१. -मोठा धरणीकंप-वि.४, पृ.४८०.
पेकिन-वि.४, पृ.५१७. पेकीन बदक-ब ३२. पेगन (ग्रंथकार)-वि.४, पृ.२३४; क ४९९.
पेगुड-वि.१, पृ.१६२. पेगुकात-क २५१. पेगुचें तलेंग राष्ट्र-इ १०३.

*पेगू देश, गांव, जिल्हा-वि.१, पृ.१५०,१५४,१६१,१६२; प २७,१६२,१६३. -प्रांत-वि.४, पृ.३१३.
-मौन लिपि-वि.५, पृ.६६. *पेगू सितंग कालवा-प १६३. पेंच (कुस्ती)-व २९७. -
खोऱ्यांतील खाणी-क ८२५. -नदी-क ३५९; छ ६; न ५७. पेचिनेग लोक-वि.४, पृ.३४४.
पेंचूनमिग-वि.४, पृ.४८२. पेचोरा नदी-अ २५; प २०. पेंजडेह प्रकरण-ड ३. पेट
(संशोधक)-उ १२. पेट घेणारीं द्रव्ये-द ७८. *पेटके व लेखनादि सनायुस्तंभत्व रोग-वि.५,

पृ.२५७; क ७६८; प १६३. पेटकोपदेस-वि.४, पृ.२४०. *पेटंट-प १६४. -ब्ल्यू (रंग)-र ७.
पेंट्ट्यूक करार-ह ३२.

पेटन सरोवर-ग ३०४. पेटनिक-द ३५. पेटरडास (ग्रंथकार)-न २५२. पेटर्स (जर्मन
गृहस्थ)-य २८. *पेटलाद गांव, तालुका-प १६५. पेटारी-क ६४१. पेटि, सर विल्यम-आ
३. पेटिकॉस्टचा दिवस-वि.४, पृ.२८७. पेंटिंग-च १०२. पेटिग्रयू-व २३९. पेटिअ-वि.५,
पृ.४८०; उ १०२. -जमशेटजी-ग १५५. पेटिटसेन (कवि)-स ४७९. पेंटी, लीटिनेन (कवि)-
फ १६. पेटीव्हर-र १३४. पेटेंकास्ट (उत्सव)-ध ७१. पेट्टपुली-ई ५१,५३. पेट्या-अ ४८९.
पेट्रा-वि.४, पृ.१९. -शहर-क ७८७. पेट्रार्क कवि (इटली)-इ ९४. पेट्रालॉजी-भ १०३.
पेट्रिआर्की-क ५२४. पेट्रिआर्च सेर्गियस-वि.४, पृ.३४२.

पेट्रियट पक्ष-ह २७. पेट्री-वि.५, पृ.१२७. -संशोधक-वि.३, उ ८. -फिलंडर्स (प्रो.)-ई १२.
पेट्रोग्राड -पिटर्सबर्ग (राजधानीचे नांव)-क ८०९; च ११०; स २२३. पेट्रोनिअस आर्बिटर-क
२७१. पेट्रोमस कवि-ग २९३. पेट्रोल-त १७३. -वाफ (विष)-व २५४. पोद्रोलियम-ख ११.
-चमकबिंदू -ए ३९. -संपत्ति-आ ३४५. पेट्रोविच,डॅनिलो-म ९७. *पेठ (तालुक्यांचे
ठिकाण, सातारा)-प १६५. *पेठ राजधानी (नाशीक)-प १६५. *पेठापूर संस्थान प
१६५,१६५. पेठी-अ ३६. *पेठे, त्रिंबकराव मामा-अ १७९; क ४७९; च १४४; त २१२; प
१६५. -विसाजी कृष्ण-त २१२. *पेंड-क ६३९; ख ३१; न २३६; प १६५. -तेल-त १५१.

पेडगांव-वि.४, पृ.४३४. पेडर सेटलमेंट-इ १६३. पेडरसेन-ड ४८. पेंडस-क ६४१. पेंडसे,
रामचंद्र रामराव-अ ३५३. पेडांग-वि.४, पृ.१५८. पेंडी-क ६४९. पेडिक्युली कार्पोरीस-उ ८९.-
प्युबिस-उ ८९. पेंडुक्कुमेक्की (पोटजात)-इ १५५. पेड्डवागु नदी-ए ४६. *पेड्डा पुरम
गांव, तालुका-प १६६. पेड्डारायडु (मूळपुरुष)-ब १७७. पेड्डो (ग्रंथकार)-स ४६६. -राजा-प
२०१. पेड्डोकेल्ड्रन डी लॉ बार्का (नाटककार)-स ४६२. पेड्डोताला-गाला पर्वत-स १८५. पेड्डो
द आलव्हाराडो-स १६५. पेंढरे (रानभाजी)-म २४. *पेंढारी -लोक-च ४३,४८; प १६६; य
५३. -दंगा-क ७१५.

पेढी-ह ४८. पेढेगांव-ब १८८. *पेढ्या आणि पत (खाजगी)-वि.१, पृ.४७१; प १६७.
पेढ्याच्या मुड्या बांधणे-क ६५२. पेण-अलीबाग रस्ता-वि.१, पृ.४६३. *पेण गांव, तालुका-
प १७१. -नदी-ह ५६. पेणकर, जे. डी. (लेखक)-ब १६२. पेतकी-वि.४, पृ.१९३. पेतवत्थु
(नारद)-वि.४, पृ.२१६,२३९. पेन्न-वि.४, पृ.२९२. पेट्व-वि.३, पृ. २४८. पेटु-वि.३, पृ. ७८.
पेटुकथेचा संबंध-वि.२, पृ.२७९. पेट्टकिमेदि (जमीनदारी)-क ४८९. पेट्टकुमारराघव-ओ १.
पेट्टकृष्ण-औ १. पेट्टविरन्ना-च १४०. पेट्टडवेंगी शहर-व २७४,२८०. पेट्टावती नदी-न ३६.

पेन-स १०४. पेनकॉडा शहर-व २०८. पेनगंगाश्रेणी-भ १०९. पेनगोंडापट्टण (गांव)-व २८८.
पेन-त्सौ (ग्रंथ)-च १७५. पेन विल्यम-क ८५८.

पेनसिल्वानिया (वसाहत)-वि.५, पृ.१२७; क ८५८. पेनाइन डॉगर (इंग्लंड)-इ ३२. *पेनांग
शहर -प १७१. पेनगि (रानटी जात)-इ १०४. पेनॉड -व २३९. पेनान डी ला गोमेरा
(बेट)-स ४५९. पेनिक (भाषांतरकार)-ह २९. पेनिन्शुलर युद्ध-न ३८०. पेनी (नाणों)-न
१६९. पेनीअस नदी-ए ५२. पेनुकॉड (शिखर)-क ७९५. *पेनुकोडा तालुका-अ १६५; १६६.
च १९. प १७१.

पेनुगुडयूरु-क ७२०. पेनुगोंडा-वि.४, पृ.४२४. पेनूची नामिजी-स १७८. पेन्जेरु (गंगाराजाची
राजधानी)-त ११९. *पेन्नार नदी-प १७१; म २३१. पेन्नाट (गरुडपक्षी)-ग ४२. *पेन्शन
(वेतन)-प १७१. पेन्स-न १८८. *पेन्सिली-क १५८; प १७२. पेपरमिंट-प १७४. -अर्क-अ
४१६. -रायडर-ध ९६. -वेट्स-द १२९. पेपिन (इतिहासकार)-र ३१. *पेपिन डेनिस
(शास्त्रज्ञ)-प १७५. -राजा-फ ४१. पेपि-ई १३. -फिऑप्स-वि.३, उ. १०. पेप्लीस (वस्त्र)-
भ ११. *पेप्सीन-प १७५; श ६. पेफ्टुओनीट-वि.३, उ. २०.

*पेबा (बेट)-आ १८०; प १७५. पेब्राइन (रोग)-र १३३. पेमलीव्ह (प्रधान)-फ ५६. पेमानी-
वि.४, पृ.१६. पेम्ब्रूक-ड ५. पेम्ब्रोक कॉलेज-आ १५; क ६८१. पेय आळवार-त ६२.
पेयनाईक (पाळेगार)-ब १६३. पे-श ३१. पे-र डानील व पे-र, डालोऑ (लेखक)-फ ५१.
पेरणी (झूम पद्धति)-च ९४. पेरनल, कर्नल-य ५४. पेस्पेर-न १९०. *पेरंबलूर-प १७५.
पेरंबोयूडू जात-क ७७२. पेरभादि-स १८०. -शिवचित्र-क ३२. पेरमाल राजा-क ७०५.
पेरसूरि-न १३४. पेराक (संयुक्त संस्थान)-म ६३. पेरागवे राज्य-प ३३. पेराॅडिन-वि.५,
पृ.५८५. *पेराॅन (जनरल)-क ५२२; त ११३; प १७५. *पेरामारिबो -ग ३१०; प १७५.
पेरिआ-अ २७५.

*पेरिकलीस (शास्त्रज्ञ)-वि.४, पृ.६३,२७४; वि.५, पृ.३९२; अ १३८; प १७६. पेरिडोटाइट
खडक-ख १२. पेरिथल-वि.४, पृ.१९. *पेरिंथस शहर-प १७६. पेरिदानकारन (पुढारी)-क
६९८. *पेरिपॅटिक्स-प १७६. पेरिप्लस-वि.४, पृ.२६०. क ७०६. पेरिप्लस-वि.४, पृ.३१८. च
१९६. *पेरिम बेट (अहमदाबाद)-प १७६. *पेरिम बेट वसाहत (मांडेब सामुद्रधुनी)-च ४५;
प १७६. पेरिय-आ ३८८. पेरियपुराणम-वि.४, पृ.१५७; त ६१,१०६. पेरियर येथील तलाव-
क ४२४. *पेरियाकुलम तालुका-उ १०; प १७६. पेरिया तिरुमोली ग्रंथ-त ६१. पेरिस,
जॉर्ज-त १०१. पेरी-व ५०. पेरी, ऍंडर-क ३९७. पेरी एरस्किन सर-द ६७. पेरी

(कादंबरीकार)-क २७२; स ४७९. पेरीप्याटस (प्राणी)-स ४२. पेरीफ्लॉरेन्स-वि.५, पृ.६३७. पेरीय पुराण-श ९६. परंक-वि.३, पृ. ७८. -कुनरुल किलर-त ६०. -कौशिकनार-त ५७. पेस्ताली (जात)-क ६९८. पेरुन चेरल तिरुम पोरड (चेरराज)-त ६०. पेरु नर किल्ली (राजा)-त ५८. पेरुन्जोरुच्चोळन-च २०७. पेरु (बंड)-च १५१. पेरुभट्ट-ज ७. पेरुमा नदी बूतुग गंगाराज राजा-ग २. पेरुमानडी राजा-च २१०. पेरुमाल (देवालय)-आ ८०. - महाराजा-वि.५, पृ.१८७. पेरुविरल किल्ली-त ५७.

*पेरु (झाड)-क ६३६; प १८०; व २७१,२७४. -देश-वि.१, पृ.४३,२५९. *पेरु देश, राज्य-वि.१, पृ.४३,२५९; वि.४, पृ.४६१,४६२,४६५; इ ४; च १५०,१५३; प १७७; ल ४३. -लढाई-च १५१. पेरुजिंग-च २१२. पेरुवियन कापूस-क ३४५. पेरुशिया-ए १७.

*पेरें (हाताचें बोट)-प १८१. पेरेगड्डा (जात)-क ७७२. पेरे बफियर (फ्रेंच पंडित)-स २४०. पेरेरा, एम. सी. एफ. -वि.१, पृ.११९. पेरे, सेरॅफी (कवि)-स ४६८. पेरोझ राजा-वि.४, पृ.५७,५९; क १९५. पेरोनोस्फोरा व्हीटिकोला (किडा)-स २०३. पेरोसी (सामुद्रधुनी)-स १५०. पेर्डिक्कस-वि.४, पृ.६४,७४. पेर्गा (बंदर)-अ ८६. पेर्सा-वि.४, पृ.४६. पेन्हीबिअन-वि.४, पृ.९. पेलसर्ट-वि.४, पृ.४७०. पेलॅसीपोडा-म १९१. पेलस्निअन-वि.४, पृ.९. पेलाक्स (प्रधानमंडळ)-इ ८७. पेलापोनेरास बेट-ग २७६. पेलॉपोनोशियन युद्ध-वि.४, पृ.१५०; वि.५, पृ.१२९; अ १३८. पेलास्जियन लोक-वि.४, ५०६. पेलियट (ग्रंथकार)-वि.१, पृ.२३६. पेलियस-अ १६. पेसी-न ३२६,३२७. पेले-ख १५. पेलेग्रिनी (प्रेसिडेंट)-अ ४२५.

पेलोपॉनीमस (रोमन कारखाने)-वि.४, पृ.६,३१८; पेल्ला-वि.४, पृ.८२. पेल्यूशियम-वि.४, पृ.१९ पेंव-द १०७. पेव्हिआ देश-प ४४. पेशकबज (हत्यार)-ज २६३. पेशवाई-अ ६१७; घ १६. -कर्ज-अ ४४९.

*पेशवे-वि.४, पृ.४३८,४४९,४८३; घ ७,८,१९-२१,२६; च ६,२७,५१,७८; न २११; प १८१; ब ६९. -अटी-म १०३. -अधिकारांचें स्वरूप-वि.४, पृ.४३८. -अंमल-च १४६. -उदय व राजपद्धतींतील फरक-वि.४, पृ.४३६. -कालीन खडी फौज-य ५३. -चित्रशाळा-च १२३. - नानासाहेब-च १४४. प्रधान-प १८१. -बाजीराव (थोरले)-च १४३,१४४. -बाळाजी विश्वनाथ-इ ६७; त ३३. -यशोदाबाई-च १४४. -राज्य-द ३८. -शामराव निळकंठ-वि.४, पृ.४२९. - सदाशिवराव-च १४४. -समाजनीति-वि.१, पृ.४३३,४३४. -स्वारी-घ २३; ब १०५. देशस-वि.३, पृ. ४०८. *पेशावर जिल्हा, तहशील, शहर-वि.१, पृ.८६,१७०; वि.४, पृ.२४५,२५६,२६२,२६४,४४७; च ५९; प १८२; व १५२. -पुरुषपूर-ग १००. -राज्य-वि.४, पृ.३२०. पेशिक द्रव्य-ज २८२. पेशितृ-वि.३, पृ. २५८. पेशिभित्तिका-ज २६७,२६८.

पेशिरसाचा उत्प्रवाह-ज २७४. पेशी-प २६२. -आवश्यकता-ज २६८. -कल्पना-त २०९. -
कवच-अ २०८. -द्रव्ये-ज २६७. -पिंड-श १८. -पुनरुत्पत्ति -व २६. पेशीस्थगण
(कास्सिडिडिया)-आ १२६. पेषदंत-स ११६. पेसँडू शहर-य ५७. पेसिमिझस-न २९१. पेसी
(लेखक)-ब ५४. पेसीट्रेटस सरदार-अ १३८. पेसेटा नाणें-क ७९२; न १९०. पेसो-न १८९.
पेसोटा (नाणें)-न १६८; स ४६०. पेस्टल ड्रॉइंग-क १५८. पेस्टनलेटर्स सिडने पेपर्स-व २६२.

*पेस्टॉलोझी, जोहान हीनरिच (सुधारणावादी)-क ४८५; प १८२; व २९४; स ४७८.
पेस्तनजी कंपनी-व ११३. पेस्तान सुभेदार-ग २४३. पेहन -अ ३५. पेहर जातीचे सर्प-क
४५६. पै (कावळ्याची जात)-क ४३४. पैकपाराचे राजे-क २७९. पैकर उपवर्ग-क १९७.
पैकाबापू (जमीनदार)-ग १२३. पैकारा (नदी)-क ७२५. पैकारी-ज ११२. पैगंबर महंमद व
ख्रिस्ती लोक-वि.१, पृ.३६६; वि.४, पृ.२६७,३०७; वि.५, पृ.३००.-यहुदी लोक-वि.४, पृ.३००.
पैगा तालुका-अ ५२०.

*पैगाह इस्टेटी-प १८३. पैंग्य-वि.३, पृ. ४४७. -ब्राह्मण-क ८३८. -कौषीतकी-वि.२,
पृ.२४०. पैङ्गराज-वि.३, पृ. २५६. पैजवनसुदास राजा-वि.२, पृ.२३८. पैजवान दिवोदास-
स १९५. पैझंब-अ ४८९. *पैठण देश, तालुका, गांव-द ३६; प १८३; व १७२,२२८; स २२२.
-शहर-वि.१, पृ.४६१; अ ६६. पैठणीप्रभु-क ७१६. पैठी (लोक)-ल ५१. पैण्ण (जैनधर्म
वैदिकग्रंथ)-वि.३, उ. १३५. पैतामहसिद्धांत-वि.५, पृ.२९७. पैतृकनामं (ऋग्वेद)-वि.३, पृ.
३७०. ४४१. -साधेपणा-वि.१, पृ.११७. पैथॉन-वि.४, पृ.७१,७२. पैदाशीचीं मूलतत्त्वे-प ४९.
पैदास्त-आ २५६. पैनिपिथिन (डांबर)-ड २०. पैप्पल-अ १३५. पैप्पलाद-अ १३५.
पैप्पलादक-१३५. पैप्पलादायन-अ १३५. पैप्पलादी-अ १३५. पैप्पलायन-अ १३५.
*पैमुरदा जमीनदारी-अ ६७४; प १८३. पैयलच्ची (नाममालाकोश)-क ८११. पैरधानाचा
हंगाम-न ३९१. पैरिअस-वि.४, पृ.७४.

पैल (तहशील)-प १८३. *पैलगांव-प १८३. *पैलाणी तहशील-प १८३. पैवार (जात)-ग
२८. पैशाच (भाषा)-अ ६२०. पैशाची (प्राकृत भाषा)-वि.१, पृ.८६,१०७,३५०; ब १०. पैशुनी
नदी-क ३९५; ब ७९,१४९. पैष्ठी दारु-वि.२, पृ.१२१. पैसा-अ ४५४; न १८३; स ८६.-प्राणी-
स ४२. -संज्ञा-च ३५. पैसाफंड कांचकार-खाना (तळेगांव दाभाडे)-क २३३,२३४,५५८. पो-स
१०३. *पो नदी-प १८३; य ६०. पो एडगर ऍलन-स १०१. पोआस शिखर-क ८१८. पोएम
ऑफ दि सीड (ग्रंथ)-म ७२. *पोकरन इस्टेट-प १८३. पोकळ डौल-न ३२३. पोकळा
(भाजी)-प १२५; भ २४. पोखर्ण-ब १९७. *पोखरलेली विहीर-प १८३. *पोंग (राज्य)-वि.४,
पृ.४८१; प १८४. पोंगल (उत्सव)-ध ६८. पोगुल भाषा-क ४६८. पोचंग-ध ७०. पोचुङ्ग-च
१७१. पोट-श २३. पोट कायदे-ध २०.

*पोटगी (जमीनदारी)-प १८५. पोटजाती-वि.१, पृ.३४६; वि.४, पृ.४५३. पोटदुखी-क ६४६. पोटपिकें-व २७२. पोटफुगी-क ६४६,७६८; प ४८. पोटभाषा-वि.१, पृ.८७. पोटमस (नदी)-क ८४८. *पोटय्या (कवि)-प १८५. पोटर (जात)-क ८०३. पोटरोग-भ ४२. पोटलिपुत्त-वि.४, पृ.१८६. पोटली-वि.४, पृ.१७७. पोटॅश ऍसीड-व २५३,२७४; स १५२. -क्लोराइड-द ११६. -सायट्रेट-द ११६. -क्षार-ख २४,३२,३४. पोटॅशियम क्लोरेट-आ ३३. -डिचरामेंट -आ ३३. -बायक्रोमेट-र ७.

*पोटशूळ (रोग)-वि.५, पृ.२५७; आ १०३; प १८५. पोटस-प ६५. पोटवीन (ग्रंथकार)-ब १७१. *पोटेगांव (जमीनदारी)-अ ६७४; प १८६. पोटीकी (राष्ट्रभक्त)-प २१०. *पोटोसी शहर-द ३९क; प १८६. पोटी (जात)-ब १९७. पोटरलॉक-भ ८१. पोटरिक-ज २९५. पोड देश-छ ५, पॉडु-द १८७. पॉडौग टेंकडी-प १. पोतदार-वि.५, पृ.२१५, ख ७४. -कारखाना-औ ४. -श्रीगोंदेकर पुंडे-क ६६५. -सोनार-स २३१. पोतन-वि.४, पृ.१७७. पोतनीस-अ ६१७; द २१;- यशवंतराव महादेव-उ २७. पोतनूर (राजधानी शहर)-व २०९. पोता -वि.२, पृ.११८,३६५,३७२,३८४; ऋ ५.

पोतानी गांव-म ६०. पोती (गोणपाट)-क ६४९,६५०; च ८९. पोतृ-वि.३, पू. ३२३. पोते-अ ८७. *पोत्ती मल्याळ (संज्ञा)-प १८६. पोथबारी (भाषा)-क ४५९. पोथची जहागीर-च ७७. पोथीखाना-व १२९. *पोदनूर खेडें-प १८६. *पोदिली तहशील-प १८६. पोदोंग-च १३४. पोन मुडियार (कवि)-त ६०. पोनियार नदी-म २३१; स १६४. *पोनेरी तालुका-प १८६. पोन्न कवि-क २९७; ३१०. पोन्नइयार (नदी)-क ४३६. *पोन्नगयून (टौनशिप)-प १८६. पोन्नमबालाधार (भिक्षुक)-क ६९८. पोन्ना लोक-म २८.

*पोन्नानी तालुका-प १८७. पोन्नेयार -क ५२७. पोप -वि.४, पृ.३३८,३४५,४९१,५०८; वि.५ पृ.५६१; इ २२,२३; क ५५७; ज २२५. *पोप अलेक्झांडर (कवि)-क ४४६; ग १८६; प १८७. -ग्रेगरी-वि.४, पृ.२२१; वि.५, पृ.१२२; आ ९३. -नगरी-ब ३७. -युजेनियस-ख १४३.- राज्य-वि.४, पृ.५०९; इ ७८.

*पोप-सत्ता-वि.४, पृ.३४९,३५०,३८०,४०५, ख १४२; प १८७. *पोपट (पक्षी)-प ५४,१८७. पोपटिया गहूं-ग ७२. पोपटर्स लिगॅमेंट-श ४३. पोपिश बंड-आ २१२. पोफॅम मेजर (भोपाळ संस्थान)-इ ६९; च २०१. पोकळ-स १९६. पोमक लोक-त १२३. पोमॅलॅक्टा (राजवाडा)-इ ४. पोमी (अधिपति)-वि.१, पृ.१९५. पोमेरून नदी-ग ३०८. पोम्बल प्रधान-प २००. पोयगयी आळवार-आ ३८८. पोयगै (पेरुमाल देवालय) आ ८०. पोयटा (खत)-भ

२१. पोयनाड गांव-वि.१, पृ.४६३. पोयसळ राजे-क ६०९; ह ६२. पोरकिडे-क ५०५.
पोरटॅडिक बेट-स २२५.

*पोरबंदर-क २४८,२५०; प १९५; म १७४. -दगड-स २९०,२९१. पोरवाडगच्छ-ज ३२३. -
श्वेतांबर जात-द ९०. पोरशिअस, केटो. एम.-ल २२. -लिसिनिअस- ल २२. पोरस-वि.४,
पृ.६६-६९,७२,४५०; न २६७, व १४९. -राज्य-अ ५३१; ग १३४. *पोराहाट (इस्टेट)-प १९५.
-चे सिंग रजपूत-स १७९. पोराळी नदी-क १६९. पोरिफेरा-क ६१५. पोरुकिस्ता वस्प-झ
२. पोरैयुरूचे राजे-क १८७. पोरोगोंस -अ ४२२. पोर्ट ऍंटोनिओ-ज ११६. *पोर्ट ऑ
प्रिन्स-प १९६. *पोर्ट आर्थर-वि.४, पृ.५१८; क ४९९; च १६३; प १९६. -एलिझाबेथ-क
६७९. -कॉर्नवॉलिस-अ ८४. -जॅक्सन-वि.४, पृ.४७०. -निकोल्सन-न ४१२.

*पोर्ट ब्लेअर-वि.४, पृ.१६८; अ ८४; प १९६. -मराया-ज ११६. *पोर्ट मेहॉन-प १९६.-
मॉरन्ट-ज ११६. *पोर्ट सय्यद (शहर)-ई १८; प १९६. पोर्टल-वि.५, पृ.४३२. पोर्टलंड
सीमेन्ट-च १८०; स २९७. पोर्टलव्हेन (शीर)-ज १९०. पोर्ट वाईन (मद्य)-स २०४. पोर्टर
(व्यापारी)-ई ५२. पोर्टव्हिजो (शहर द. अ.)-इ २. *पोर्टोनोव्हो-प १९६; ल ६१.
पोर्टोफेराइमो-ए ५६. पोर्टोबेलो (शहर)-प २३. पोर्टोरिको (बेट)-प १९७; व २८५.

*पोर्टसमाऊथ बंदर-प १९७. पोर्ट सेंट जॉन (शहर) क ३६४. *पोर्टुगाल-वि.१,
पृ.१०९,१२७,१२८,१६६,२६९,२७०,३६१,३६२, वि.४,
पृ.३२०,३८५,३८६,४५२,४५५,४५६,४६५,४६९,४८४,४९९,५१७; वि.५, पृ.६४८;अ ४९४; आ १८०; क
७०७,७१०; ग ११८; घ १०,१५; च ५४,९३,१६२; त १०१,१६८; प १५८,१९८,२००; ब १९१, स
२२८. *पोर्टुगीज वा*मय-प २०२,२०५. पोलक-वि.१, पृ.२६८. पोलक्स-इ १०१. *पोलंड-
वि.१, पृ.२५१,३३८; वि.४, पृ.३३९,४००,४०८,४१०,४११,४८६,४८७,४९६,५०१; प २०६,२११; ब
११५. पोलबेन गै-क २७९. पोल रायझर-ख ७.

*पोल लोकांचे वा*मय-प २१३. *पोलवरम-प २१७. पोला (वेधशाळा)-व २७८. *पोलाची
शहर-प २१०,२१७. पोलाद-च ३४,८९,१८४; ट ९; ध ५०; ल ५९,६०; स ३०५. पोलाद
नगरची लेणी-ध ९. पोलादपूर-वि.१, पृ.४६३. पोलादी बहाल-स ३४५. -रूळ-स ४११.
पोलदो नगर-र ९५. पोलात्व (सरदार)-ह १४. पोलि-क ६०४. पोलीझेना (कन्या)-अ १७.
पोलिटिकल ऍरिथमेटिक-आ ४. -एकॉनमी-अ ४२७. -फिलॉसफी-त १६. पोलिबिअस-वि.४,
पृ.७९,८५; वि.५, पृ.२५७. पोलियान-क ६०४. पोलिश जातीची कोंबडी-क ७५८. पोलिश
देश-ग २६७. पोली बेट-वि.४, ३१४. पोलुमतीर-क ७४.

*पोलुर तहशील-प २१७. पोलुशी-वि.२, पृ.२४३. पोलुस्से (सुमात्रा)-वि.४, पृ.३१४.
पोलेव्हाय (वा*मय इतिहासकार)-र ३१. पो लोक-वि.१, पृ.१५३. पोलो (बंधू)-वि.४, पृ.३१९.
पोलोचा खेळ-ख ११५. *पोलोनारूवा-प २१७. पोलोन्स्की (लेखक)-र ३१; ३२. पोलोन्नरूव
(शिलालेख)-वि.१, पृ.१४७. पोल्युस्से (देश)-वि.४, पृ.३१३. पोल्रझ (कायदेशास्त्रज्ञ)-ह ४.
पोल्लओलो-च १०५. पोवयन लाइट रेल्वे-आ २९. पोवया पर्वत-क ३७१. पौवळी-च १७९.
-रत्न-र १६.

*पोवाडे-वि.४, पृ.२१४-२१६,२१९,२२३-२२९,४५९; अ २३९; क ४६२; ज ३२२; द १११; न १५७;
प २१७. *पोष्ट-प २१८. पोष्ण-म ३१. पोस-त ११८. पोसिडोनियस-प १५९. *पोसेन-क
४९९; प २१८. पोस्ट ऍंड स्टॉल पद्धत-क ८२७. पोस्ट थिओडोसियन नॉव्हेल्स संग्रह-र
१४७. पोस्टेरिअर (चक्रव्यूह)-ध १०. पोस्त-अ २५६. पोस्थूमियाना-वि.४, पृ.१९. पोहनी
(जात)-झ ६. पोहे-वि.२, पृ.१२२. पौहोची-अ ४८९. पोळ-ग ८३; द १०७. पोही-अ १८८.
*पौक (तालुका)-प २१९. *पौवाटाऊ (तालुका)-प २१९. *पौंग (तालुका)-प २१९. पौंगडे
(पोटविभाग)-प २१९. *पौंगबिन (तालुका)-प २१९. पौचन-र १३८. *पौचा (संस्थान)-प
२१९. पौजिष्ठ-वि.३, पृ. २६६.

*पौड-च ३८; ब ९०; प २१९. पौंडरिक-वि.२, पृ.३५८; वि.३, पृ. ४४७. पौंडाच्या नोटा-च
३९,४०. पौंड-वि.१, पृ.३०९; वि.४,३ पृ.२१,१६८; छ ५; म १४२. *पौंड्रवर्धन-प १४,२७,२१९;
ब १७६. पोतक्रत-वि.३, पृ. ७८. *पौत्तलिन (प्रायोज्जिद)-प २१९. पौत्र-वि.३, पृ. ३०७.
-अक्रूर-अ २६. पौनर्भव संतति-व १३६. पौर-वि.३, पृ. ७८,४८४. पौरव-वि.१, पृ.३०९;
वि.३, पृ. ५२१; वि.४, पृ.२२,१६१,१६५. पौरस्त्य चित्रकला-च १२४.-चित्रपट-च ३५. -
नीतिशास्त्र-ब ३३१. -नौकानयन-न ३९८. -संघ-वि.४, पृ.५२०.

पौराणाचमन-आ ७६. पौराणिक-न १५५. -स्थळ-वि.२, पृ.२४३. -कल्पना-ई ७. -वर्णन-ग
४४. -काळ (वासुदेव धर्म)-वि.४, पृ.१२४. -चित्र-च १०१. -ग्राहयाता-वि.३, पृ. ५१८. -ग्रंथ-
वि.१, पृ.२१५. -सूतर्तेफ-वि.४, पृ.१९९.-कल्पना -सृष्टि-वि.३, पृ. १५२. -वंशावळीची
विश्वसनीयता-वि.३, पृ. ५१७. पौयकुत्स्य-वि.३, पृ. ७८,१४४. पौरुचिस्त स्पितमी-वि.४,
पृ.२७. पौरुभद्र-वि.५, पृ.१७१. पौरुमीढ-वि.५, १७१. पौरुशिष्टि-वि.३, पृ. ४४७.
पौरुहन्मन-वि.५, पृ.१७१. पौरुहितम-अ ६२०. *पौरुहित्य-वि.१, पृ.१००; अ ३२१; प २१९.
पौर्णमासी-वि.३, पृ. २०६.

*पौर्णिमा-प २२२; ध ७०. पौर्णिमात समय-ग २६५. पौर्णिमा (मी) यक पक्ष-ज ३२३.
पौर्णिमीय मत-त १९. पौर्व व पश्चिम यूरोप-वि.४, पृ.३०८.

पठाण-वही-ज ८७. पठाणी पद्धति-ज ८७. *पठारी संस्थान प १२. पड़ीन (ब्रह्मी)-ब ५९. पट्टान प्रकरण-वि.४, पृ.२३७; अ ३०७. पड ठेवणें-क ६५०. पडकोट-क ४९८. पडताळें-अं २१.

*पडदा (व्हाल्व)-ए ९; प १२; स ३३१. -पद्धति-वि.४, पृ.३६३; अ ४६७. पडभित्त-व १८४. पॅडलॉक (बिल)-स ४६३. *पडवळ-प १३,१२५. पंडवा-व २०२. *पडवा (खेडें, तहशील)-प १३. पडवेल (तण)-क ६५३. पॅडानस ओडोरॅटिसिमस-क ६८८. पॅडिअन-वि.४, पृ.८. पंडित-वि.३, पृ. ३९३; स २४. -अर्जुनलाल सेठी-ज ३४७. -दाजी कृष्ण-क ८०८. -परमार्थ-वि.४, पृ.३२५. -बापूदेव-वि.५, पृ.३१२. -भूदेवमिश्र-ठ ४. -रघुनाथ शास्त्री-वि.५, पृ.३६९. -राजवल्लभ-क ६९०. -वर्ग (कांबोजमधील)-वि.१, पृ.१९०. -वेदार्थयत्नकर्ते-च १४२.

*पंडित शंकर पांडुरंग-वि.१, पृ.८९; क ५०४; प १३. पंडितराई-प १३. *पंडितराव-अ ६१७; प १३. पंडित क्षेत्र (कोष्टक)-क ६२९. पंडिताराध्य (जंगम संप्रदाय)-ज ८. पंडिती भाषा-वि.१, पृ.१७७. पंडिरी-क क ४२८. पंडीत गोपाळ-म ७७. -दामोदर-म ७७. -रामामात्य-वि.५, पृ.१८९. -रामेश्वर-म ७७. पंडु (पांडवाचा पिता) क ८३९; प १४; म १०१; य ५६. पंडुकामय राजा-अ १७६. पडुनाटु (पोटजात)-इ १५५. पंडुबीपुरी (राजधानी)-क ७९५. पडुवा (जात)-ब १८३. *पंडुआ (गांव)-प १४. पंडेगलंग-ज २४९. पॅडेरवस्की-प २१२. पॅडो कर्नल-ब १८१.

*पडौंग शहर-प १४. पड्बीश-वि.३, पृ. २३७. पंडयकुलाशनी-च २१४. पंड्या रोग-द १९९. *पंढरपूर (गांव, तालुका)-अ १७२; च ४३; प १४. -यात्रा-ध ६९. पढिहार-प ३७.

पण (जात)-प १. -नाणें-वि.३, पृ. ४७१; वि.४, पृ.२४९. पण लक्षांत कोण घेतो (कादंबरी)-आ १६५. पणतोजी गोपीनाथ-अ २५३. पणव उर्फ मृदंग-वि.२, पृ.१३३. -वृत्त-वि.५, पृ.१५०. पणि (व्यापारी)-वि.१, पृ.३२९; वि.३, पृ. ५८,७७; प १४; ब ४८. -देवता-वि.२, पृ.२४७. पणिका (जात-प १. पणीचें राष्ट्र-वि.३, पृ.५५. पणो (जात)-प १. पण्ड-वि.३,पृ. ४३७. पण्डित मुखराजशर्मा-न १४९. पत-ध ६१; प १६७.

पंत आमात्य-अ १६७. पतंग-वि.५, पृ.६०४. -कीटक-क ५०५;५११; र १३२; स ४२. -खेळ-ख ११५. -देवता-वि.२, पृ.२४७. *पतंग झाड-प १४. पतंगशहा-ज १९९. पतंगी बाळ्या-क ११६. पतंगोत्सव-ध ७०. *पतंजली (महाभाष्यकर्ता)-वि.१, पृ.३२०,३२१,३२४; वि.४, पृ.११४,११७,११९,१२५,२५१,४७२; वि.५, पृ.१९६,४५७; अ ४३४; प १४; य ६४; श ७४,७७. पतनूलकारन-म ३६. पतपेढ्या (संस्था)-स १३१. पंत प्रतिनिधी (औंध)-अ ६१८; औ ८.

पौर्वातिथ-अ १२५. पौर्वात्य चित्रकला-च ११४. -जिब्राल्टर-क ७१२. -नाणीं-न १७०.
 पौलस -वि.५, पृ. ३९९. पौलस्त्य (नांव)-क ५५१. *पौला संस्थान-प २२२. पौलानें उर्फ
 पॉलनं केलेली महत्त्वाची गोष्ट-वि.४, पृ.२९६. पौलिनो-वि.१, पृ.२९५. पौलिश -वि.५,
 पृ.२९७. पौलुसी (ग्रंथकार)-वि.५, पृ.१९०. पौलेट स्क्रोप जी-वि.५, पृ.५८३. पौल्कस-वि.३,
 पृ. २५८. पौल्हन-व २३९. पौशे एम. एफ. ए.-वि.५, पृ.६२१. पौष-वि.५, पृ.१७१.
 पौषाष्टमी-ग ४५. पौषी (संज्ञा)-वि.५, पृ.२९३. पौष्करसद-वि.१, पृ.३२२. पौश्वलेय-वि.३,
 पृ. ३६९. पौष्पिण्डूय-वि.३, पृ. ४४०. पोष्टिक अन्न-श ५. -मंत्र-वि.२, पृ.५९.

प्टेरोपाड (चिखल जात)-अ ८५. प्तेरिय (शहर)-वि.३, पृ.४१ (उ). प्यालिक अम्ल-र ७.
 प्यालेईनस -र ६,७. प्याक्टस ऍलमन्नारम (कायदा)-ज १३६. प्यांक्रिया पिंड, रस-श ६,७.
 -संबंधीं ग्रंथिरोग-ग २६२. प्याज (कांदा)-क २७७. प्यांडर-ग ५८. प्यानल (दरवाजे)-स
 ३५१. *प्यापल्लि-प २२२. प्यिन (जात)-वि.१, पृ.१५२.

प्युएर्टो कोटेस (बंदर)-ह ६०. प्युओनीअर-वि.३, उ. १४. प्युटर-क २४. प्युनिक-वि.५,
 पृ.६९. -भाषा-आ १७७; ट ५५. -युद्ध -वि.४, पृ.८९,३८५; क ४०२,४०३. -संस्कृति-ट ५५.
 प्युप्रोनी-ई २. प्युरिटन लोक-स ९३. प्युर्टो आखात-क ७९०. प्युर्टो डेसिडो-अ ४२२.
 प्युक्षण -वि.३, पृ. ३४८.

प्युओनी शहर (इजिप्तमधील)-वि.३, उ. १०. प्युजिन (शिल्पज्ञ)-व १९६. प्युमासिंह-अ
 ४२२. प्यूस बेट-वि.४, पृ.१६. प्यूसिनी-वि.४, पृ.१६. प्यूसेशिआ-वि.५, पृ.२३७. प्येर द
 बोर्डे (बखरकार)-फ ५०.

प्रउगचिती-वि.२, पृ.१२९. प्रउगशस्त्र-वि.२, पृ.१०४. प्रऊग-वि.३, पृ. ४२२. प्रकटीकरण -
 वि.४, पृ.२५,२९९; क ५६८. प्रकंपित-अ ३१२. प्रकरण-वि.५, पृ.२१८; न ९४,१३६.
 प्रकरणिका-न ९९. प्रकरि-न ८९. प्रकश-वि.३; पृ. ४७१. प्रकर्षीकरण-प २३०. प्रकांडे-व
 ३८. प्रकाश-वि.५, पृ.५१२; भ ४४. *प्रकाश -ख ४८; च ९८; ज २७९; प २०,२२२-२२७; व
 ९२. -ग्रहण-व ९२. -च्युति-प २२३. -ध्रुवीभवन-वि.५, पृ.५४५; च १८६. -नाथ-न ३७. -
 परावर्तन-ध ४६. -परावर्तक यंत्र-स २७९. प्रणीत-अ ४४१. -पृथक्करण-वि.५, पृ.५१८; प
 २३२. -मापक-न ४५. -मापन-प २२६; ब १५२. -लहरी-प २२२.

*प्रकाश-लेखन-वि.५, पृ.४८९; न २८४; प २२७. प्रकाशवर्ष-व २४७. *प्रकाशविकृति व
 प्रकाशव्यतिकरण-प ३३२. *प्रकाशशोषण-प २३३. प्रकाशसंप्रदाय-व १७०,१७१.
 प्रकाशहीनपेटिकेचा संधोधक-वि.५, पृ.२८५. प्रकाशाचा दाब -व २८४. प्रकाशामुळें

झाडामध्ये होणाऱ्या अनुघटना-व ९८. प्रकाशदित्य-ग १६५. -नाणीं-न १८०. प्रकाशानंद-च १९९. प्रकाशाश्रित झाडे-व १०१. प्रकाशाचा सिद्धांत-वि.५, पृ.५३१,५३२. प्रकाशेंद्र-क्ष ८. प्रकीर्णविषय-वि.५, पृ.१६१.

प्रकृति-स १४१. -आणि पुरुष यांचा परस्पर संबंध-स १४३. -द्रव्य-द १९५. -बंध-ज ३५४. -रूप-प २६१. -स्वर-वि.५, पृ.१७९. प्रकृतीचे अविनाशित्व-अ ६९५. प्रकोपक विष-व २५३. प्रकोष्ट-प ५४; स ५०. प्रक्रम-वि.३, पृ. ४१५. प्रक्रियाकौमुदी-वि.५, पृ.२०६. प्रक्रीडा-वि.५, पृ.१७१. प्रखरनाशक-व २५३. प्रगट-र २. प्रगंड -प ५४; स ५०. प्रगंडास्थि-प ५५; श ३०; स १२७. प्रगत (हार्मनी)-वि.५, पृ.१९०. प्रगतीक्षेत्राचे भाग-वि.१, पृ.४६६; च १०२. प्रग्रह (डावपेंच)-व २९७. प्रगाथ-वि.३, पृ. ४८२; वि.५, पृ.१३६. प्रघात-वि.२, पृ.१२६; वि.३, पृ. ४०९. प्रघोष-क ६५६. प्रचंड भिंत (चीनची)-वि.४, पृ.४७६. प्रचंड पांडव ग्रंथ-वि.१, पृ.३१५. प्रचय स्वर-वि.५, पृ.१६५. प्रचलाका-वि.३, पृ.१७५. प्रचलित तानपद्धति-स २३. -पाली धर्मशास्त्रा-वि.४, पृ.१९०. -पुरवठा-अ ४२९. प्रचार (बुद्धाच्या मताचा)-वि.४, पृ.१८९. प्रचितक वृत्त-वि.५, पृ.१५०. प्रचेतस-वि.२, पृ.२४७; वि.३, पृ.४८०. प्रच्छन्न वेश्या-व २८३. प्रच्छेदक-न ९०. प्रजाजन (चंद्रगुप्ताचे)-वि.४, पृ.३२२.

प्रजापति-वि.२, पृ.२३१,२४३,३४६; वि.३, पृ.४८८; वि.४, पृ.११९; वि.५, पृ.१६२,१६८, क ५५६; य ५८. -कन्या-वि.२, पृ.२३२. -ग्रह-वि.५, पृ.३५२. -देवता-वि.२, पृ. १०४,२४७; वि.५, पृ.१६६. -पुत्र-वि.४, पृ.११५. -व सृष्ट युत्पत्तीच्या कथा-वि.२, पृ.२४०. -वृत्त-वि.५, पृ.१४२. -शरीररक्षक होतृमंत्र-वि.२, पृ.८८,१०३. -संवत्सर-वि.५, पृ.१२३. प्रजापति (नुसतास्त्रष्टा)-वि.२, पृ.१६३. प्रजापतेर्हृदय-वि.५, पृ.१६७. प्रजावती-त १०८. प्रजावृद्धीचा प्रश्न-अ ४५५,४५६. प्रजासत्ता-न ३२९. प्रजा सत्ताक (राज्य)-ग २०. -चिली राज्य-च १५१. -रोम राज्य-वि.४, पृ.३४९. प्रजेचीं गाऱ्हाणीं -वि.४, पृ.२४६. -प्राप्ति-वि.२, पृ.९१.

प्रणपात-वि.३, पृ. २९७. प्रणय-वि.२, पृ.१८१. -कलह-क ३७५. -मंत्र-वि.२, पृ.६०. प्रणव -वि.५, पृ.२३७; ओ १३. प्रणामी पंथ-क ५३६. प्रणीता -प्रणयन-वि.२, पृ.८८,१०६. प्रणीतानुमंत्रण-वि.२, पृ.१०७. प्रणेजन-वि.३, पृ. ३६२.

प्रतनुच्छत्रगण-श ५२. प्रतबंदी-क ६२३. प्रतर्दन राजा (यज्ञाचा उल्लेख)-वि.२, पृ.३५८; अ ६१३. प्रतानक स्नायू-श ३५. प्रतानरूप कर्ण-व ५६. प्रतापगड (किल्ला)-प २३५.

*प्रतापगड जिल्हा-वि.४, पृ.४३३; क ४८७; ७११; प २३५; म ८०. -टांकसाळ-न १८६.

*प्रतापगड संस्थान-प २३४; र ७६. प्रतापगिरी-ए ४७. प्रतापचरित्र ग्रंथ-ह ८. प्रतापजी-ध ७४. प्रतापदेव -क ७०८. प्रतापमल्ल-अ ७४. प्रताप मुदलीयार (चरित्र)-त ७५. प्रताप

महाराणा-न १४९; र ७७. प्रतापराव-ग १०८,१०९; स ६१. -गुजर-औ २२; क ३९३; म २२३; ह ८.

प्रतापरुद्र-अ १४२; ए ४६; क २१७,४९०; ख १०१; ग २०; न १२७,१३०,१४०; क्ष ८.
प्रतापरुद्रीय-न ८०. प्रतापलाल-क ९५. प्रतापवीर वीरसिंहदेव-न ३४. प्रतापशहा-ज ४२; ड ६०. प्रतापसिंग-अ ५२३,५२५; ई ४८; क ४६७; ख १८; ज ३६४; त ५; र ७३. *प्रतापसिंह छत्रपति-वि.४, पृ.४,४२२,४२३; वि.५, पृ.१८६; अ २३,३२५,५००,५२५; आ १६; उ ३२; ग २५२; च ८८; ज ४०,२३१, त १६३; न ३२; प २३६; श ५९.

*प्रतापसिंह (महाराणा)-प २३६. प्रतापादित्य (राजा)-वि.४, पृ.३२९; ई ५०; ख १०६; ज ३१८. प्रतिथी पिता-वि.५, पृ.१६८. प्रतिगर लक्षण-वि.२, पृ.९५. प्रतिगृह-ग ४५.
*प्रतिज्वरिन (पदार्थ)-प २३८. प्रतिद्वगुण केसरित पुष्प-व ७१,७५. प्रतिदुह-वि.३, पृ. २९३. प्रतिधा-वि.३, पृ. २९१. प्रतिधि-वि.३, पृ.४२२. प्रतिनाद -क ३१७.

*प्रतिनिधी-वि.१, पृ.४१४; वि.४, पृ.४३९; अ ८८; च १४३; प २३८; ब १०४,१०८. -कल्पना-वि.२, पृ.२०५. -गृह-वि.१, पृ.४५५; फ ४३. -घराणें-त ३४. -बंड-ग २०६. -संघ-वि.१, पृ.७४;४१४. -सत्ता-वि.१, पृ.४२०. प्रतिपिप्पलपत्राकार (पान)-व ५८. प्रतिप्रश्न-वि.३, पृ. ३९४. प्रतिप्रभ-वि.३, पृ. ४८४. प्रतिपृष्ठक-व १०१. प्रतिप्रस्थाता-वि.२, पृ.११७,३७२. प्रतिप्रस्थातृ-वि.३, पृ. ३२४.

प्रतिबोध-वि.३, पृ. ४३१. प्रतिभ-वि.३, पृ. ४८५. प्रतिभानु-वि.३, पृ. ४८५; क ६५६. प्रतिभावानंदनाथ-न ३७. प्रतिमत्स्य-वि.४, पृ.२०. प्रतिमा (बुद्धाची)-वि.४, पृ.१९९. प्रतिमाकल्लेर-ख १५. प्रतिमाबोधक ग्रंथ-वि.५, पृ.३१७. प्रतिमा छंद-वि.५, पृ.१४६. प्रतिमालक्षण-श ७२,७५. प्रतिमाला-क १५३. प्रतिमा नाटक-न १०८. प्रतिमाशिल्प-श ६७. प्रतिमित-वि.३, पृ. ३५६. प्रतिमुख-न ८९. प्रतिरोधक-प ५५. प्रतिवादी-क ७८१. -कृत्य-अ १९७. -कैफियत-न ४०७. प्रतिवार्षिक भाडें पद्धति-ज १०९. प्रतिव्यापारी वारे-भ ४६. प्रतिवृत्त पद्धत-वि.१, पृ.३०३,३०४. प्रतिवृत्तें-वि.१, पृ.३०१.

प्रतिविन्ध्य पर्वत-वि.४, पृ.२०. प्रतिवेश-वि.३, पृ.३७७. प्रतिश्रुत्का-वि.३, पृ. १७५. प्रतिष्ठान-वि.४, पृ.१८४; प १८३. प्रतिष्ठाविधिदीपक ग्रंथ-वि.५, पृ.३११. प्रतिष्ठानपूर-वि.५, पृ.१०९. प्रतिष्ठासूचक यज्ञ-य २२. प्रतिष्ठिता-वि.५, पृ.१८०.

प्रतिसर-वि.३, पृ. ४६१. प्रतिसर्ग-प १४५. प्रतिसोरा-न ८१. प्रतिहर्तृ-वि.३, पृ. ३२४. प्रतिहर्ता राजा-वि.२, पृ.११८,३७२; अ ६३. प्रतिहार-वि.५, पृ.१६४; प ३७. -घराणें-न ६५.

प्रतिहार बाउक-वि.५, पृ.११४. प्रतिहार सूत्र-वि.५, पृ.१६५. प्रतिहार क्षत्रिय-प २३८.
प्रतिहारेन्दुराम-द १. प्रतिहृदयाकार-व ५८. प्रतिज्ञा यौगंधरायण-न १०७,१०९. प्रतीची
नेड-वि.५, पृ.१७१. प्रतीच्या तारा-च १५. प्रतीद पदार्थ-ज २८०. प्रतीदर्शश्वैक-वि.३, पृ.
२७१. प्रतीप प्रतिसत्वन-वि.३, पृ. २६३.

*प्रतीहार (कनोजचे सम्राट)-वि.५, पृ.११४,१६४,१६५; प ३७,२३८. प्रतुनी रोग-व १५६. प्रतृद-
वि.३, पृ. ७८. प्रतोद-वि.३, पृ. २३८; वि.५, पृ.१७१. -गोष्ट-वि.५, पृ.१७१. -यंत्र-वि.५,
पृ.३१४,३२१; व २७६. प्रत्यंगाभिनय-अ ३१०. प्रत्यंगे-न ३४९. प्रत्यभिज्ञादर्शन-द २८. -
पंथ-श ९६. -सूत्र-आ १७. प्रत्यवरोहण-वि.२, पृ.९७. प्रत्यवरोहिणी उद्यती -वि.५, पृ.१८०.
प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष-अ १४४; क ७८. -जादू-ज २१९. -कर-क ८१. -कर्म-क १३९. -दर्शन-
वि.३, पृ. ३०९. -देवतेशीं संबंध-वि.४, पृ.२४.-पुरावा-प १४९.

*प्रत्यक्षप्रमाणवाद-प २३९. -लोकमतानें कायदा करणें-वि.१, पृ.४१८. -विस्तारक
(यंत्रशास्त्र)-य ५. -संकलनमूलक-वि.५, पृ.४; त २७.- प्रत्यक्षातीतवाद-स १०१.
प्रत्याख्येय-वि.५, पृ.३८७. प्रत्यागतविषूचिका-म ८१. प्रत्याध्मान-व १५६. प्रत्यालोख-आ
१२. प्रत्यालेखन-त १८८. प्रत्यावर्त-भ ४७. प्रत्यावर्तन-वि.५, पृ.६२७. प्रत्याहार-अ ६२०;
न ९२. प्रत्युत्पन्नवस्तु-वि.४, पृ.२२३. प्रत्युष-अ ६१९; व १२४. प्रत्येनस-वि.३, पृ. ४५८.
प्रत्योपवाहन (डावपेंच)-व २९७. प्रथम कौमार्यभंग (आतिथ्य)-वि.४, पृ.८. -कर्म-वि.१,
पृ.४३६. -वर्ग (ब्राह्मण)-वि.३, पृ.४७३. -स्त्रीची उत्पत्ति-वि.४, पृ.२७१. प्रथमाध्याय ग्रंथ-
वि.५, पृ.३१६. प्रथमारंभीचा उपदेश (महंमद)-वि.४, पृ.३०१.

*प्रथमिन (रंग)-प २४०. प्रथमोचार (रणक्षेत्रावरील)-य ५५. प्रथामंडलें-स २०९. *प्रदररोग
-वि.३, पृ.१७९; प २४०. प्रदर्शनै-क ६४५. प्रदक्षिणाविधी-वि.२, पृ.११०. प्रदिश-वि.३,
पृ.२२१. प्रदीव-वि.३, पृ.२२४. प्रदेह-वि.५, पृ.३८४. -वर्गीकरण-व १०७. प्रदेष्टा-अ ६१६.

*प्रद्युम्न-वि.४, पृ.११६; वि.५, पृ.९०,१७७,३००; अ ४०; क ६५६; त १८; प २४१; भ १९. -
सूरि-ज ३३०. -शिष्य-अ ३०५. -राजा-ग १७. -विजय नाटक-न १३१. प्रद्युन्मानंदीय-न
१३३. प्रद्युन्माभ्युदय (नाटक)-न १३१. प्रद्योत-वि.४, पृ.१६५,१६८,१६९,१७०,१७१,१७२. -
घराण्यांची वंशावळ-वि.४, पृ.१५१,१६६. प्रद्योतन-अं ४०; ग ५५; त १८. -सूरी-त १८.
प्रधन-वि.३, पृ. ३४४. प्रधान-अ ३८२; त १९४; स १२३,१३०. -(कर्तव्ये युद्धखात्याच्या)-य
३४. प्रधानकर्म -वि.५, पृ.९०. प्रधानचक्र-अं ८. प्रधि-वि.३, पृ.४२२. प्रपंच-वि.१, पृ.२२२;
त १९३; न ९०.

प्रपंचसारत्व (ग्रंथ)-त १२. प्रपथ-वि.३, पृ.४१७. प्रपदास्थि-श ३१,३२.
 प्रपन्नसपिंडीकरणनिरस -न १२८. प्रपा-वि.३, पृ.३५०. प्रपितामह-वि.३, पृ.३०७. प्रतित्व-
 वि.३, पृ.२०२. प्रप्रोथ-वि.३, पृ.२३५. प्रफवी-वि.३, पृ.३७८. प्रफुल्लचंद्र रॉय डॉ. -वि.५,
 पृ.४५५. प्रबकैल -वि.१, पृ.२२९. प्रबंधकोश (ग्रंथ)-ज ३३०. -चिंतामणी ग्रंथ-वि.५, पृ.१०९;
 अ ७१; क ५६१; च ७६; ज ३३०; द १३३. प्रबंधा-र ६०. प्रबनन-ज २५०. प्रबलपुत्र-क
 ६५६. प्रबळ-प २३. प्रबुध-वि.३, पृ. १७५.

प्रबोध चंद्रोदय-ग २३४; न १२६. -चंद्रिका-वि.५, पृ.२१३. -चिंतामणि-ज ३४४. प्रबोधिता
 वृत्त-वि.५, पृ.१५०. प्रबोधिनी व्रत-व २९८. प्रबोधोदय नाटक-न १२७. प्रभद्रक वृत्त-वि.५,
 पृ.१५०. प्रभद्रादि-वि.५, पृ.६०५. प्रभव-वि.५, पृ.१२३; अ ४०; ख ८५४; त १८. प्रभा-क
 ५५०. प्रभाकर-म १५८. -शाहीर-प २१८; र ६२. प्रभाकरवर्धन-वि.४, पृ.३२६,३२७; वि.५,
 पृ.११३; क ४३,३६५; द १४९; ह १४. प्रभाकिरीट मंडळ-स २१०. प्रभागच्छसूरि-अं ४०.
 प्रभाचंद्र-वि.५, पृ.२०३,२०५; ज ३३०,३३७,३३८. प्रभाचमक-अ ३६. प्रभात (राग)-र ५२.
 प्रभातोरण-श ७७. प्रभानवल्ली-क ७०९.

प्रभानु-क ६५६. प्रभामंडळ-श ७७; स २१०. प्रभावकचरित-अ ७१; ज ३३०. प्रभावती-वि.४,
 पृ.२२७; त १०८. प्रभावतीपरिणय व प्रभावतीप्रद्युम्न नाटक-न १३१. प्रभावती वृत्त-वि.५,
 पृ.१५०.

*प्रभास-अ ६१९; ग १३५; प २४२; व १२४.- पट्टण-क २४९; ग १३५. -क्षेत्र-वि.५, पृ.११०;
 प २४२. प्रभु-वि.१, पृ.४३३. *प्रभु (घराणें)-क ५२९; प २४२-२४८. -दादाजी नरसू-वि.४,
 पृ.४२९. *प्रभुपदवी-प २४८ (ऋ). प्रभुदेव-क २९९. प्रभुभोजन-ख १३४. प्रभुलिंग-अ ४९४.
 प्रभुसरदेसाई-क ५२८. प्रभुवसु-वि.३, पृ. ४८१. प्रभुनारायणसिंग राजा-ब ३६. प्रभुराम-ब
 १८. प्रभूतवर्ष-र १०९. प्रभृति (डावपेंच)-व २९७. *प्रभोत्सर्जक-प २४९. प्रमगंद-वि.३, पृ.
 ७८; क ५०४. प्रमतक-वि.२, पृ.३५३. प्रमदक, प्रमदानन, व प्रमदा (वृत्तें)-वि.५, पृ.१५०.
 प्रमदिनी-वि.२, पृ.२४७. प्रमन्दनी-वि.३, पृ.१६८. प्रमंहिष्ठीय-वि.५, पृ.१७१. प्रमा छंद-
 वि.५, पृ.१४६. प्रमाण-अ १०७; श ७५; स २८२. -चिन्ह-स २८०. -बद्धता-व १८४.-
 बद्धविकृती-ब १२५. -पट्टी-स २७५. -विचार-स १४०. प्रमाणिका (वृत्त)-वि.५, पृ.१४७,१५०.
 प्रमाणें किंवा संयोगभारांक-वि.५, पृ.४८०; अ ८. प्रमाथन-वि.३, पृ. ७८. प्रमाथी (प्रमादी)
 संवत्स-र वि.५, पृ.१२३,३०२. प्रमिताक्षरा (टीका)-वि.५, पृ.३१५. प्रमिताक्षरा (वृत्त)-वि.५,
 पृ.१५०.

*प्रमीला-अ ३५८,६११; प २४९. प्रमीलिन-वि.२, पृ.२४७. प्रमुक्ति (होम)-वि.२, पृ.१०१.
प्रमुख राजकीय कर्तव्य-वि.५, पृ.६५२. राजांची सनावली-वि.४, पृ.३२९. प्रमुदितवदना
(वृत्त)-वि.५, पृ.१५०. प्रमेह (रोग)-ज ४३; व २८४. प्रमेथशास्त्र-ट ३६. प्रमोट कंपनीचें
प्रवर्तक-क ५१. प्रमोट-वि.३, पृ. २८५. प्रमोदसिंग-झ ८. प्रयजु (हवि)-वि.२, पृ.८९.
प्रयत्न-द १७१; न ८९.

*प्रयाग-वि.४, पृ.१६८; अ ५१२; क ४८९,६१४,७०३; प २४९; ब १०२. प्राज-वि.२,
पृ.८८,९४,३६२. -याज्या-वि.२, पृ.१०५, १०६. प्रयुज (हवि)-वि.२, पृ.८४,१०२. प्रयोग-वि.३,
पृ. ४३०,४८६; वि.५, पृ.५; ब २३०. -क्षेत्र-क ६२५,६२६. -विधी-वि.५, पृ.२१९.
प्रयोगातिशय-न ९३. प्रयोग्य-वि.३, पृ. २५३. प्ररोचना-न ९२. *प्रल्हाद-प २४९. प्रलंभ-आ
३४०. प्रलम्भासुर-क ६५५. प्रलय-अ ६१८. -वर्णन-अ ५२. प्रलाप-वि.३, पृ. ३९०.
प्रलोकित-अ ३११. प्रल्हाद-वि.४, पृ.२०; क ५१४; न ३३; ह ३७. प्रल्हादनदेव-प १०६. -
निराजी-ख २१; र ८१. -पंत-क १७७. -प्रतिनारायण-त २१४. -बुवा-अ १६८. *प्रल्हाद
शिवाजी बडवे-म २४९. -शेट-न १८६. प्रवक्ता-वि.४, पृ.२६९,२७१,२९५. -आयुष्यक्रम-वि.४,
पृ.२८७. -कृत्ये-वि.४, पृ.२८७. प्रवत्तेफ-वि.४, पृ.२९६,२९८. प्रवचन-वि.३, पृ. ३९४. -सार
ग्रंथ-ज ३३८. प्रवचने-वि.४, पृ.१९५. प्रवत-वि.३, पृ. २२२. वेष्टण-प २५०. प्रवद्गार्गव-वि.५,
पृ.१६९,१७१.

*प्रवर-वि.२, पृ.९४; वि. पृ.३,२६३,५००; प २५०. -प्रवार-वि.३, पृ. ४१०. प्रवरणविधी-वि.३,
पृ. ४९६. प्रवरपूर-ब ११७. प्रवरसंस्थापक ऋषी-वि.३, पृ. ४९९; ग २१८. प्रवरसेन-वि.१,
पृ.३१४; क ४४१,४४२. प्रवरा-क ४२३,६४२; ग २२२; र १११. प्रवर्ग्य-वि.२, पृ.१४२,३९८;
वि.५, पृ.१७१.-काण्ड-वि.२, पृ.१११. -यजुर्वेद-वि.२, पृ.७७. -विधि-वि.२, पृ.१२८. -संस्कार-
वि.२, पृ.१५१. प्रवर्ग्यानुष्ठान-वि.२, पृ.१११. प्रवर्ग्योद्वासन-वि.२, पृ.१११,३९८. प्रवर्त-वि.३,
पृ. २२.

*प्रवर्तक वेष्टण-न ९३; प २५०. प्रवर्धमान (वृत्त)-वि.५, पृ.१५०. प्रवलय-व १३६.
प्रवल्हिका-वि.३, पृ. ३९४. प्रवात-वि.३, पृ. २२२. प्रवास-वि.३, पृ. ३७७; च १७३. -वृत्त
(ग्रंथ)-वि.४, पृ.३२६. प्रवासविधी-वि.२, पृ. ९५. -साधने-वि.४, पृ.४६१. प्रवासी,
लिव्हीगस्टन -वि.४, पृ.४५५. प्रवाह (पुष्टिभक्ति)-व १२१. प्रवाहण-वि.२, पृ.१६६.
प्रवाहरूपी पदार्थ-च १८४,१८५. प्रवाहिका (रोग)-आ १९७. प्रवाही खत-ख २६. -भाग-श
३८. प्रवाळ रत्न-न ३७.

प्रवृत्तक-वि.५, पृ.१५३. प्रवृत्ति-म १३०. प्रवृत्तिक-न ४५३. प्रवेपन (नागकुळ)-त ३३.
 प्रवेशक-वि.५, पृ.१५९; न ८५; र ६७. प्रवेशद्वार-स ३७७. वेश्य-ज १. प्रव्याध-वि.२,
 पृ.१३३. प्रशस्ताद्रि-वि.४, पृ.२१. प्रशस्ति-क ४४२; न ८९. प्रशस्यनामै-वि.३, पृ. ३९५.
 प्रशांत (राग)-भ ९. प्रशास-वि.३, पृ. ३४८. प्रशास्तू-वि.३, पृ. ३२३. प्रशास्तृकृत-वि.२,
 पृ.३६५. प्रशियन प्रांत-भ ६. -सेना-ज १६७. प्रशिया-वि.४, पृ.४१०,४८९,४९१,५११,५१२. -
 अभ्युदय -वि.४, पृ.४११. -फ्रेडरिक दी ग्रेट-वि.४, पृ.५११. प्रशियाचा राजा विल्यम-ज
 १६८. प्रश्न-वि.३, पृ. ३९०,४९३. -प्रजावृद्धीचा -अ ४५५.

प्रश्नकौमुदी-वि.५,पृ.३१५. प्रश्नग्रंथ-वि.५, पृ.३१६. प्रश्नविवेचन-त २६. प्रश्नज्ञान-वि.५,
 पृ.३७२. प्रश्नास उत्तर न देणें-प १५१. प्रश्नोत्तर मालिका ग्रंथ-वि.५, पृ.३१६.
 प्रश्नोषनिषद-वि.२, पृ.१६९. प्रश्लिष्टम (अक्षरसंकोच)-वि.५, पृ.१४१. प्रश्वातारा-ब २४७.
 प्रष्टि-वि.३, पृ. २३७. प्रष्टिवाही-वि.२, पृ.१३१. प्रसंग-वि.१, पृ.३२७. -रत्नावली-प १८५.
 प्रसन्न-चंडिका नाटक-न १३३. -मध्य-स १८. -राघव-नाटक-वि.१, पृ.३१५,३१६; न १२४.
 प्रसन्न के. के. -वि.५, पृ.३७४. प्रसंनान-स १८.

प्रसन्नादि-स १८. प्रसन्नाद्यन्त-स १८. प्रसर्पक-वि.२, पृ.२१३,४०१. प्रसाद-स १८.
 प्रसार काळ-वि.३, पृ.६२. प्रसारण-अ ३१२. प्रसाराचा इतिहास-ख १३१. प्रसारिणी
 (संगीतशास्त्र)-स १६. प्रसिति-वि.३, पृ. ३४३. प्रसिद्ध-न ९१. -खातें -व २६४. -पेंढारी-न
 ३८९. -सम्राटांचे हात-अ ३१३. प्रसिद्धि-वि.५, पृ.३६२. प्रसू-वि.३, पृ. २२९.
 *प्रसूतिविज्ञान-प २५०. प्रसूती-द ३४. प्रसूहय-वि.४, पृ.२०. प्रसृत-वि.३, पृ. ४१६.

*प्रससेन-प २५३. *प्रसेनजित (अजातशत्रु)-वि.४, पृ.१५०,१६८,१७२; क ८१६;त ९८; प २५३.
 -व बौद्ध वा*मय-वि.४, पृ.१६९. प्रस्कर ण्व-वि.३, पृ. ७८,४८२. प्रस्तरप्रहरण-वि.२, पृ.१०६.
 -विज्ञान-भ १०३. प्रस्तरावशिष्ट मनुष्य प्राणी-वि.५, पृ.६००. प्रस्तरावशेषशास्त्र-वि.५,
 पृ.५९६; भ १०९. प्रस्तरावशेषशास्त्र विकार-वि.५, पृ.५८८,६०२. प्रस्तरा भूत अपुष्प
 वनस्पति-अ २२३; क ६३३. प्रस्तार र ६७; स १८. -प्रस्ताव-वि.५, पृ.१६४. प्रस्तावना-
 वि.१, पृ.३२७; न ९३. प्रस्तावसूत्र-वि.५, पृ.१६४. प्रस्तोक-वि.३, पृ. ७८. प्रस्तोता-वि.२,
 पृ.११८,३७२. प्रस्तोतृ-वि.३, पृ. ३२४. प्रस्थान-न ९८.

*प्रस्थानत्रयी-प २५३; व २७५. प्रस्थानबिंदु व रेषा-त १८७. प्रस्व-वि.२, पृ.२४७. प्रहरण-क
 ६५६. -कलिकावृत्त-वि.५, पृ.१५०. प्रहर्षिणी वृत्त-वि.५, पृ.१५०. प्रहसन-वि.१, पृ.३२९; न
 ९६,१३८,१३९. प्रहा-वि.३, पृ. ३५२. प्रहिन-वि.५, पृ.१७१. प्रहेलिका-क १५३. प्रक्षेप-ब
 १३८. प्रक्षेपक-प २६. प्रजा-अ ५८७; म १२०. प्रजापत्र-न ४०७. *प्रजापारमिता-वि.४,

पृ.२४१,२४२; आ ११९; न ७०; प २५४; म ८३. प्रजाभट्ट-क ४६४. प्रजावर्ग-वि.४, पृ.३१२.
प्रजासूत्र-वि.४, पृ.३१०. प्राइस डॉ.-न ३२६,३२७. *प्राउट-अ ६१; प २५४; र ३४.

*प्राऊस्ट-प २५४; र ३४. प्राकर्ष-वि.५, पृ.१७१. प्राकाम्य-य ६५. प्राकार-वि.३, पू. ३५६.
प्रकाश-वि.३, पू. ४११. प्राकृत-वि.१, पृ.८५,१४४; ८७. -इतिहासाचें संस्कृत रूपांतर-वि.४,
पृ.१६३. छंदशास्त्रीय संबंध-वि.५, पृ.१५३. -पैगल-वि.५, पृ.१५३. -भाषा-वि.१, पृ.८५;
वि.४, पृ.१६४,१८८; वि.५, पृ.१९८; क १४०. -नाटक-वि.१, पृ.३२९.-शब्द-वि.१, पृ.२०८. -
सृष्टिवर्णन-ग ४८. प्राकोटक-वि.४, पृ.२१. प्राकोपियस-वि.४, पृ.३९४. प्राकझन-अ ३४.
प्राक्झीपत्रक-क ५२. प्राक्टर (प्रोफेसर)-त २४. प्राक्तनिक-वि.५, पृ.५२,५०३; भ १०८; १०९.

*प्राग-प २५५; च १९२. -विद्यापीठ-व २२९. प्रागजी-क ५. प्रागज्योतिष-वि.४, पृ.२०,२१.
-म २१३; *प्रागज्योतिषपूर-प २२५. प्रागज्योतिष राज्य-र ८. प्रागस्तिक-वि.१, पृ.३७५.
प्राँगवल-झ १२०. प्रागहि-वि.३, पू. ४३३.

प्रागैतिहासिककालीनशास्त्राचा (इतिहास)-वि.३, उ. ४५; वि.४, पृ.४८२,५०६; वि.५,
पृ.२४,३१,३२; च १०३. -कायद्याचें ज्ञान-वि.५, पृ.३१. -गणित-वि.५, पृ.३०. -
मरणविषयक ज्ञान-वि.५, पृ.२९. -लोकांनी बांधलेली थडगी-अ १६६. प्रागवंश-वि.२,
पृ.९८,१२४,१२७; वि.३, पू. ४०९,४१०.

*प्राचितस (दक्षाची कन्या)-अ ४१४; प २५५. प्राचीन अवशेष (अफगाणिस्तान)-अ ४१४; ज
२४९. -अर्वाचीन शास्त्रांचे कर्ते-वि.१, पृ.८२. -आर्यन संस्कृति-वि.३, पू. ६५,११८. -आवि.
डॉस (आरमारी गांव)-ड २२. -इराणी नाणीं-न १७०. -इतिहास आणि कला-वि.३, उ. ७;
वि.४, पृ.३८. -ईजिप्शन भाषा-भ ३४. -कायदे पद्धति-वि.४, पृ.५०४. -खालिडयन लोक-च
१६. -ख्रिस्ती चर्चे-व १९०. -गॉल-वि.४, पृ.१७. -ग्रंथाचा नाश-वि.५, पृ.२७६,२७७; -क
२९६. -ग्रीक लोक-वि.४, पृ.४०२,५२२. -ग्रीक लिपि-वि.५, पृ.६५. -ग्रीक तत्त्ववेत्ते-वि.५,
पृ.२३५. -ग्रीक नाणीं-न १६२. -गेदीन-न ३९९- चित्रकला-वि.४, पृ.३१५; च ११६. -जर्मन
लोक- वि.४,पृ.१६,१७. -ज्योतिषशास्त्र-वि.५, पृ.३१६. -त्रावणकोरी राग-वि.५, पृ.१८२. -
देऊळ-भ ११४. -दैवत-वि.३, उ. ६४.- धर्मांत सुधारणा-वि.४, पृ.२५. -नागरीक लिपि -ल
४१. -परमार्थ साधनांत सुधारणा-वि.४, पृ.२९. -पाण्डय राजे-प ७४. -पाषाण युग-वि.३, उ.
६. -ब्रिटिश-वि.४, पृ.१७. -बौद्ध चित्रकलेचे भाग-च ११९. -भरत-वि.४, पृ.३०९,४९९. -
भारत वैद्यकशास्त्र-श ११. -भारत वैय्याकरण-च १८. -भारतीय-वि.५, पृ.६०४. -च १९०.
-भारतीय भाषांचें वर्गीकरण-वि.१, पृ.८५. भारतीय नाणीं-न १७२. -मिसरी लोकांचें
भूगोलज्ञान -वि.४, पृ.१८,३१५,३३७; वि.५, पृ.७२. प्राचीन युगांत मनुष्यवस्ती नव्हती-वि.३,

उ. ७१. -रसायन-वि.५, पृ.४६२. -रोमन राष्ट्र-वि.४, पृ.५१४. -रोमन लिपि-वि.१, पृ.१३९;
 वि.५, पृ.६५,६७; क ५५७. -लौकिकगान परंपरा-वि.५, पृ.१७२. -वसाहती (सैबेरिया)-वि.४,
 पृ.४७०. -वंश-वि.२, पृ.१२७. -शालऔपरमन्यव-वि.३, पृ. ४३६. -शेलीचे अंक-वि.५, पृ.८१.
 -साधन-व १७७. -संगीत कला-क १६१. -स्कॅडिनेव्हीया-वि.३, उ. ७१. -संस्कृत भाषा-
 वि.१, पृ.८५; वि.२, पृ.१२७,१८३,१८६. वि.४, पृ.१३१. -संस्कृती-वि.३, उ. १,२,६१,११७; वि.५,
 पृ.२२६,२२७. -हिंदी चित्रकला-च ११७.

प्राचीनावत-वि.३, पृ. ३३०. *प्राचेतस (दक्ष)-उ १७; त ३४; प २५५. प्राचेतरस-वि.२,
 पृ.३५८; अ ४१२. प्राच्य-वि.३, पृ. ३६९. -भाषा-वि.५, पृ.१४३. -वृत्ति-वि.५, पृ.१४३,१५३.
 प्राजापत्य-वि.३, पृ. ४४७; अ १२०. -याग-वि.२, पृ.९८,२२८. प्रॉजेक्ट मेथड-श ८३.
 *प्रॉटेस्टंट पंथ (लोक)-वि.१, पृ.१६३,३३१; वि.४, पृ.४०५,४०७,५५०; प २५५. -नायक, डयूक
 चार्लस (पोलंड)-स ४८३. प्राटेस्टन्टीझम-ख १४९. *प्राण-वि.३, पृ. २७७; वि.५,
 पृ.५८७,५९९; अ ६१९; न ४७, ४८; प २५५,२६१. -अजीवि संयुक्त पदार्थ-अ ७८. -ग्रह-
 वि.२, पृ.२४७.

प्राणदेवतोपयुक्त मंत्र-वि.२, पृ.१०४. प्राणनाथ-डं १७. प्राणब्रह्म-वि.२, पृ.११३. प्राणभृत-
 वि.२, पृ.९६,९७; वि.३, पृ. २६१. प्राणमय कोश-वि.२, पृ.११२. प्राणमल्ल-न ३६९.
 प्राणवायू-वि.५, पृ.४७३; श २४. प्राणहिता-अ ६७४; ए ४६; ग २२२; च ५०; प ५९; श ६५.
 प्राणायाम (मंत्र)-वि.२, पृ.११३; अ ६२०; य ६५; व २९५. प्राणाहुती-वि.२, पृ.११३.
 प्राणिकोटी-प २६४. प्राणिज-वि.५, पृ.२५५. -मेण-म २०३. -वस्तु-श २४. -तेल-त
 १४७,१५२. *प्राणिदी-करण-प ७२,२५६,२५७. प्राणिद्रुम-श ५२.

*प्राणिदे-प २५६. *प्राणिपूजासंप्रदाय-प २५७. प्राणिवध-ध २९. प्राणिवल्कल-श ५१.
 प्राणिविद्या-वि.४, पृ.४६०. प्राणिविषयक जीवनकार्यविचार-ज २६६. प्राणिविशेष-वि.३, पृ.
 २४४. *प्राणिशास्त्र-वि.२, पृ.२१२; वि.५, पृ.२४४,२५२,४२३,४७०; प २५८,२६३.

प्राणिसंगोपनशास्त्र-क ६२५. प्राणिहिंसानिषेध-अ १८४. प्राणि-वि.२, पृ.११३; वि.३, पृ. २३५;
 वि.५, पृ.५८९; आ ३३२; ज २४४,२४८; भ ९५. *प्राणोज्ज ज्योत-प २५७. प्राण्यवयव-वि.३,
 पृ. २७४. प्राण्यांचा कालानुक्रम-भ ८३. प्राण्याविषयीं पूज्यबुद्धि-न ३३२. प्राण्याचें मुख-भ
 ८३.

प्रातःकालच्या संध्येतील जलप्राशनाचा मंत्र-वि.२, पृ.११३; वि.५, पृ.२९४. प्रातरनुवाक-वि.२,
 पृ.३९९; वि.३, पृ. ३९४. प्रातरन्हकौहल-वि.५, पृ.१६८. प्रातःसवनांतील सामगान-वि.२,

पृ.३६६. प्रातःसवनीय पुरोळाश-वि.२, पृ.३६५. प्रांतिक काँग्रेस कमिटी-वि.१, पृ.४१३,४१४.
 -परिषदा-वि.१, पृ.७३. -भाषा-वि.५, पृ.६५४. प्रातिथि देवतरथ, प्रातिषीय, प्रातिवेश्य-वि.३,
 पृ. ४४०. प्रातिशाख्यकार (कात्यायन)-वि.२, पृ.१८४. प्रात्यक्षिके-क ६२७,६४७.
 प्राथणीयेष्टि-वि.२, पृ. १४७. प्राथम-वि.५, पृ.१७. प्राथमिक अमिन-अ ३३९.-लॉट-र १४३.
 -शिक्षण (सक्तीचें)-क ६४७.- ज्ञानाची उत्पत्ति-वि.५, पृ.३७,९३; ५८६. प्राथमिक ज्ञानाची
 प्रारंभबिंदूची योजना-वि.५, पृ.९३. प्राथालिया (पोटभेद)-अ ६८१. प्रार्थनामंदीर-व १९०. -
 समाज-वि.१, पृ.३४२. -समाजिस्ट-वि.१, पृ.१०८. प्रादुर्भाव-अ ५७१. प्रादेश-वि.३, पृ. ४१६.
 -प्रादेशिक भेदाचे जातीभेदामध्ये रूपांतर-वि.१, पृ.४२९. -परिषदा-वि.१, पृ.७३. -समाज-
 वि.१, पृ.३८४,३८५,४८१. -समुच्चय-वि.१, पृ.४७९. प्राप्तबाध-वि.५, पृ.२२३. प्राप्तहक्क-
 वि.१, पृ.२७६,२७७. प्राप्ति-अ ६१९; न ९१. प्राप्तिकन्या-ज १३०. प्राप्तियोग-य ६५.
 प्राप्तिवाचक- वि.३, पृ. ४६४.

*प्राप्तीवरील कर-वि.१, पृ.४१५; क ८०,८३; प २६५. प्राप्त्याशा-न ८९. प्राब्लेमॅटिश नॅटुरेन-
 ज १५७. प्रापण धर्म-उ १०१,११५. प्राम (ब्राह्मण)-वि.१, पृ.१७५,३५०,३५२. प्रामाणिकपणा-
 ज ३२२. प्रामेथियस-वि.२, पृ.१५४. प्रायणीया-वि.२, पृ.१०२. प्रायणीयेष्टि-वि.२,
 पृ.९८,३९७. प्रायणीाय नामक पहिला दिवस-वि.२, पृ.१०१. प्रायणीयेष्टींत
 अदितिदेवतेसंबंधीं भात शिजविण्याचें कारण-वि.३, पृ. ५०९. प्रायमर-ह ७९,८१,८२.
 प्रायमरी-वि.५, पृ.५८६. प्रायर, कर्नल-ल ६६. *प्रायश्चित्त-वि.२, पृ.५९,१०२; वि.३,
 पृ.३३९; वि.५, पृ.१६१; ग ४४,४५; ज ३२१; न ३३२; प २६६. प्रायव्हेट कंपनी-क.५०. -
 ट्रस्ट-प ३.

*प्रायोजिजिर्दे-२६७. प्रारब्ध-क १३७. प्रारंभबिंदूची, विविधता, कालमापना-वि.५, पृ.१२५.
 प्रारंभीचें शिल्पकाम-वि.३, उ. ५. प्रान्हादिविरोचन-वि.२, पृ.२४४. प्रालंविका-अ ४८७.
 प्रालेगोमेना-न ३३०. प्रावहि-वि.३, पृ. ४४७. प्रावारकर्ण उलूक-इ १५८. प्रावृषेय-वि.४,
 पृ.२०. *प्राव्हिडन्स-प २६७. प्राव्हिन्शियल (म्युझियम)-वि.५, पृ.६६०. प्राश-वि.३, पृ.
 ३७९. प्राशिन्नावदान (मंत्र)-वि.२, पृ. ८८,९४. प्राश्रवण-वि.३, पृ. २२५. प्रासच-वि.३, पृ.
 १७५. प्रासाद-वि.३, पृ.३५५. प्रासाह -वि.५, पृ.१७१. प्रासिमिएलीमर-वि.५, पृ.६०३.
 प्रास्कण्व-वि.५, पृ.१७१. प्रास्तर संस्कृतीचा अभ्यासक्रम-वि.१, पृ.८२.

*प्रिटोरिया-प २६८. प्रिन्स विल्यम-आ ६४. प्रिन्सेप -वि.१, पृ.२९५. प्रियोक्ति-न ९१.
 *प्रिव्ही कौन्सिल व कॅबिनेट-प २६८. *प्रीस्टले, जोसेफ-प २६९. *प्रूढॉ, पेरी जोसेफ-प
 २६९. *प्रेत व प्रेतसंस्कार-प २६९. प्रुथ नदी-ज १९. प्रेखण-न ९८. *प्रेम-प २७१.
 प्रेमध्वज-न १५४. *प्रेमपूर-प २७३. *प्रेसबर्ग-प २७३. *प्रेस्टन-प २७३. *प्रॉटॅगोरस-प

पंत प्रधान-अ ६१७. पंत सचिव-अ ६१७. पताक-व १७३. पताका-वि.३, पू. ३४८; अ ३१२; र ६७. -पाकळी-व ७२. पतामुंडाई कालवा-क १०. पतारिया -क ५०४. पतिआली गांव (संयुक्त प्रांत)-इ ९७. पति:गजमद (अवतार)-वि.१, पृ.२२९. पतित-अ ३११. पतिता (कला)-र ६७. पतिपत्नी-वि.३, पू. २९८. *पतियाळा संस्थान-घ १. न २६४; प १४,१५. पतिवर्मन (सूर्यवंशी राजा)-न ३६७. पतुवराली-वि.५, पृ.१८६. पत्ति-वि.३, पृ.३४९. *पत्तुकोट्टई (तालुका व गांव)-प १५. पत्तुकोत्तइ तालुका-अ ३६४. पत्तूर-उ ५५. पत्ते (खेळ)-ख ११३,११४; ज २९२. पत्तेनेवर (कोही व मच्छिमार जात)-त ५२. पत्नी-व २८२. पत्नीनयन-वि.२, पृ.११२. पत्नीसंयाज (मंत्र)-वि.२, पृ.८८,९४,१०६,४०२. पत्मनरी आर्टरी (धमनी)-ध ९. पत्रप्राशा-अ ४८६. पत्तरुन्नि अं ९८.

पत्रसमश्वसेंद्रिय मृदुकाय-प २६४; म १९०,१९३. पत्रोल्लास-व ३७. पत्र्यावर कल्हई-क २५. (पंथ संप्रदाय)-वि.४, पृ.३७१. पथकामधील तंटे-व ९२. पथकोत्पत्ति-प ९२. पथच्छेद (लॉजिट्यू-डीनल सेक्शन)-स २७२. पथर-ग ८८.-(घाट)-भ १७. पथसंन्यस्तवृत्ति-वि.४, पृ.१२१. पथारिया अगारिया-अ ३२. -संस्थान-भ ११३. पॅथालॉजी-श २३. पॅथिऑलिअन-वि.४, पृ.८. पॅथिऑन-द १६८. -देऊळ-व १८४,१८८. पथिकृत-वि.३, पू. ४६७. पथिन-वि.३, पू. ४४०. पथिरी-क २७९. *पथेंगयी शहर-प १६. पथ्य-(शिष्य)-अ १२६. पथ्या (देवता)-वि.२, पृ.२४६,२४७. *पथ्यापथ्यविचार-वि.५, पृ.३८०; प १६. पथ्यावट्ट-वि.५, पृ.१५०,१५३. पथ्यास्वस्ति (देवता)-प १२७,१२८. पथा-प ४०.

पथी सरोवर-क ४५५. पद-वि.३, पू. २२४,३९०; वि.५, पृ.१७१. पदइओइ-वि.१, पृ.१८८. पदकें-अ ४९१. पदगीतें-र ६२. पद चतुरुर्ध्व वृत्त-वि.५, पृ.१५०. पदचर्या (विधि)-प १२७. पदन्यासपूर्वकशस्त्रसंधानविक्षेप-क १५१. पदपंक्तिछंद-वि.५, पृ.१३८,१४०. पदपाठ-वि.२, पृ.१८३; वि.५, पृ.१६४. पदप्रमाण-वि.२, पृ.१८३. पदमजी (डॉ.)-क २२२,८१२. पदमसिंग (नारूक रजपूत)-र १४,८८. पदवी (शूद्र)-वि.१, पृ.३८२. पदवेदू (राजधानीचे शहर)-ब ८०. पदव्यावर बहिष्कार-वि.१, पृ.४१२. पदांगचे शिलालेख-वि.१, पृ.१७४. पदाति (युद्ध)-य ४८. पदार्थ (बसुचा परिमेयराशि)-स ४५६. पदार्थटीक-अ ३१२. पदार्थत्रितमय-ब १७४.

*पदार्थविज्ञानशास्त्र-वि.५, पृ.५०६; प १९; अ ६९७. पदार्थवैज्ञानिक रसायनशास्त्र-वि.५, पृ.५५८. पदार्थाची उष्णतावहनशक्ति-उ ११५.- बाजारभाव-स ८९. पदामेरू नदी-अ १६७. पदि वि.३, पू. २४८. -भाषा-न ३६५. पदितुलिसचा शिलालेख-वि.१, पृ.१८६. पदियच्ची (जात)-वि.१, पृ.१६४. *पदुआ शहर-प २०. पदुकोट्टई संस्थान-प १७१; म ३८.

२७३. *प्रोदत्तुर-प २७४. *प्रोम (जिल्हा, शहर)-प २७४. *प्रोस्टेटपिंडाची व्याधी-प २७४. प्रौढ मनोरमा (ग्रंथ)-वि.५, पृ.३१६. -(नाटिका)-वि.५,१९८. प्रौढविवाह-वि.१, पृ.११३. - हर्षकालिन-वि.४, पृ.३२८. प्रौष्टपाद वारक्य-वि.३, पृ. ४००.

प्लॅक-व २९४. प्लॅकस, सेटिनस, बॅलबस (काव्यकार)-ल २६. प्लॅकेट (पुढारी)-आ २२०. प्लॅजिओक्लेज (द्रव्य)-ख १२. प्लॉटरस्क-व १९३. प्लटवर्ग पर्वत-आ २७१. प्लॅटफॉर्म-स ४१९. प्लॅटिनम धातु-ध ४६. प्लॅन (चित्रीत)-स २८३.

प्लॅनेट जुनिअर-औ ४. प्लॅन्टेन-क ६९५. प्लंबा जात-त २१. *प्लव-वि.३, पृ. १७१,४१७; प २७५. प्लवंग संवत्सर-वि.५, पृ.१२३. *प्लवप्रतिन-प २७५. *प्लवरंजनी-प २७५. प्लव हॅलोजेन्स -प २७५. प्लविद-भ १०७. प्लॅस्टर ऑफ पारिस-च १८१,१८२. प्लॅस्टरची जनावरांची चित्रे-वि.४, पृ.३७०. प्लस्टिक सर्जरी (मेलनकारी शस्त्रक्रिया)-वि.५, पृ.४४५. प्लक्ष-वि.३, पृ. २३३. प्लक्ष दय्यापती-वि.३, पृ. ४३३. प्लक्षद्वीप-द १९५. प्लक्षप्राश्रवण-वि.३, पृ. २२५. प्लक्षवृक्ष-व २६८. प्लाझा डी. ला.-अ ४२६. प्लाटीआ-वि.४, पृ.४८. प्लांटो, जे. ए. एफ-क ६९२.

*प्लातिन (धातु)-र ११५. प्लान, ड. गुआडालुपे (पक्ष)-म २०१. प्लान्शे-व २३१. प्लायोमौथरॉक (कोंबड्या)-क ७५८,७५९,७६४. प्लावो पर्पूरीन-र ७. प्लाशुक-वि.३, पृ. २९५. *प्लासी-प २७६. प्लास्लिडस-ज २६८. प्लिओक्रोइक-ख ७. प्लिओसीन (नूतन)-वि.५, पृ.६०३; भ १०९. प्लिक आ जूर पद्धत-ए ३५. प्लिक्रो ओइझम-ख ४८. प्लिनि-वि.५, पृ.१११. *प्लिनी थोरला-वि.४, पृ.८०,१०५,३१६,३१७,३१८, वि.५, पृ.३४,४६०; अ २०५; घ २; च १०३,१०६,१०८,१११,१९६,२१२; प २७६.

*प्लिनी, धाकटा-वि.५, पृ.२६३,२६९,२७०,५८०; प २७६; ल २६. प्लिनिअस सी. सेकंड-ल २६. प्लिनीचा कोश-ज्ञ १. प्लिनीन-भ ७८. -*प्लिमौथ-प २७६. प्लिक (पो. एजंट)-झ २३. प्लीफर-इ १६४. प्लीबीयन-वि.४, पृ.८७, ८९,९४. प्लीस्टोसीन-भ १०९. प्लीहा (ज्वर)-वि.५, पृ.४३९; ग २६१; प ५७; श ३७. -कर्ण-वि.३, पृ.२८६. प्लीहोदर-ज १६१. प्लुटार्क-वि.४, पृ.१०७,४०२; वि.५, पृ.२५७,३४० इ२. प्लुटार्को एलियस कॅलेस (अध्यक्ष) म २०१. प्लुटार्च-ग २८९. प्लुटो-प २७६. प्लुटोनिस्ट-वि.५, पृ.५८३; भ ७९. प्लुत अंग-र ६७. प्लुराइड-भ १०७. प्लुरीसी-फ २६. प्लुषि-वि.३, पृ. २४८. प्लूटीअस-स ५. प्ल्यूटेरिअस-वि.४, पृ.१४.

*प्लूटो-ज ३००; प २७६. प्लूमर (कॅप्टन)-क ७९७. -हायकमिशनर-प ४३. प्लूमोसी-वि.४, पृ.१६. प्लेक्सीन साफ्रोसीन (रंग)-र ७. प्लेंख-वि.२, पृ.१२३; वि.३, पू. ३५९. *प्लेग-ज ४१; प २७७. प्लेगोअर्स क्लब-न १६०. प्लेट-ग १२५; म १६६. प्लेटन प्रेस-भ १६६. प्लेटा (कायदे पुस्तक)-इ ६३. प्लेटिअन-वि.४, पृ.९.

*प्लेटो-वि.२, पृ.१७९;वि.४, पृ.२३,२००,२०७,२०९,२३९; वि.५,पृ.२५०,२५१,५७०,६२९; आ ९८,२६८; क १६६; घ ५; त २८; द १९५; न ३१९; प २७९; व २२८; स ३०; श ५५. प्लेनिंग यंत्र-क २५७; य ८. प्लेनेटरी-प १६०. प्ले फेअर-वि.५, पृ.५८३,५८८; ए २७; ज २. प्लेबियन-र १४४. प्लेशिपे-फ ५१. प्लेसिड-अ ८९. प्ले स्कूल-क ४८५. प्लेव्हना-क ४९९. प्लेव्होफेनाइन-उ ३. प्लोटायनस-थ १२; न ३२१. प्लोटिनस-ए १. प्लौटिर्सचे प्रधानमंडळ-इ ८८. प्वॉ (भाग)-क १०७. प्सिलंती प्रिन्स-र १२३.

पद्मनिका-क ५३३. पदें-वि.५, पृ.१५४; म १४५; र ६०. पदे शास्त्री-वि.५, पृ.३७५.
 पदोच्चय-न ९१. पदौंग-(जात)-वि.१, पृ.१५२; क १०८. -ज्ञानकांड-वि.४, पृ.१२८. पद्धतशीर
 वर्गीकरण-वि.५, पृ.६०६. पद्धति चंद्रिकाग्रंथ (राघवकृत)-वि.५, पृ.३१६,३७१. पद्धति
 (बौद्धग्रंथ)-वि.४, पृ.२१३. पद्म -वि.४, पृ.२१; अ ६१४, क६९; ग ४४. पद्मकोश -अ ३१२.
 पद्मगड किल्ला-क ७१३. -बेट-म १४०. *पद्मगुप्त (परिमल)-ग्रंथकार-प २०. -राज (कवि)-
 क ४४१. पद्मचरित (जैनग्रंथ)-ज ३३९. पद्मणाक-क ३०१. पद्मतिलक-त १९. -उपाध्याय-उ
 ४८. पद्मदुर्ग-थ ५३.पद्मदेव राजा (ठाकुरी घराणें)-न ३६८. पद्मनंदिप्रशस्ति-ज ३४४.
 पद्मनाथ -(कवि)-ग १५८,१४४. -(कादंबरी)-वि.५, पृ.३०८. -चक्रवर्ती-त २१४. -नाग-न ३७.
 -भट्टोपाध्याय-व २५८. -स्वामीचें देवालय-त २१३. पद्मनाभ (ज्योतिषी)-वि.५, पृ.३१३.-
 कृतद्युवभ्रमयंत्र ग्रंथ-वि.५, पृ.३२१. -व्यवहारप्रदीप वि.५, पृ.३७०. पद्मनाभतीर्थ (कवि)-क
 ५३०. न ३४०. -तीर्थकर-त २१४. *पद्मनाभपुरम (गांव)-प २१. पद्मनाल किल्ला-ग २४;
 श ६६. पद्मपाद पंडित-श १. पद्मपुराण-वि.१, पृ.३१६; वि.२, पृ.३५५; च ४६; ज ३३०; प
 २१; ब ११०.

पद्मपूर गांव-भ १५. पद्मप्रभतीर्थकर-ज ३२४; त १०८. पद्मप्रभत्रैविद्य-वि.४, पृ.१३०. पद्म
 बलिभद्र-त २१४. पद्मभाग-व २११. पद्ममंडलाची रचना-न ४३. पद्ममिहिर राजा-क ४६४.
 पद्मराजपंडित-न १२८. पद्मविजय (ग्रंथकार)-व २०६. पद्मविधि-म ३७.
 पद्मसंभवजन्योत्सव-ध ७०. पद्मसाल-न ३९०. पद्मसाळी (पोटजात)-स १७७. पद्मसाळ वर्ग-
 क ८१५. पद्मा (नदी)-क्क ४७८. ग ३; व ११; फ ३; र ७९,८०. पद्मांबा राणी-त ८.
 पद्मावत ग्रंथ-म ६५. पद्मावती-उ ३१; त १०८ पद्माकर उर्फ पद्मसंभव (बौद्धपंडित)-ल २८;
 स १८,१९८. -बहीण)बसवाची-क १४७; ज ३३. -राजधानी-वि.४, पृ.३२१; ज ५४. -
 सभानंद पथी-र ९७. पद्मासन-आ ३३९. पद्मासुरविलसम (नाटक)-त ७३. पद्माक्षी (राणी)-
 भ १५. -पद्माळे (तळें)-क ८०५.

*पद्मिनी (राणी-अ ५०४; प २२; ल ४. -कला-र ६७. -जातीच्या नायिका-च ५५. -महाल-
 च ९२. *पद्मोणा तहशील-प २३. पद्मानसुत-वि.४, पृ.२१५. पद्मारी क २६४. पॅन आयोनिक
 (समारंभ) आ २३४. पॅन इस्लामिझम (राजकीय चळवळ)-वि.१, पृ.३६८; प ४९५. पॅनक्रोट
 (चळवळ)-ज २९३. पॅनॅगिओटस (कवि)-ग २९४. पॅन (चौ चीनचा सेनापति)-ख १२७.
 पॅनॅजिऑटस कॅम्बॅडिस-ग २९५. पनथेनैयाचा उत्सव-ध ७१. पनरतन (देवालय)-क ४५७.
 पनरुति गांव-क ५२७. पनलक्कोदिमलै (काव्य)-त ७३. पनलौंग (नदी)-क ८४४.
 *पनवेल (गांव, तालुका)-प २३. पनवेण्डु कोटाला-ज २४३.

*पनामा (कालवा)-वि.४, पृ.५१७; क ४२०; च १७०; प २४. *पनामा (राज्य, शहर)-प २३,२४. -कंपनी-क ४२१. पनामा तंतू (चट्या)-च ३. पनामी टोप्या-प १७८. पनीर द्रव्ये-ल ६३.

पनुगंचीप्रोल (गांव)-क ६६२. पॅनोपिअन-वि.४, पृ.८. पन्नगनाशन-ग ४२. पन्नगमणी-प ६१. पन्नर (शिंपी जात)-त ५२. पन्ना-वि.५, पृ.१५६; च २२०. *पन्ना संस्थान-ज २०४; प २४. -हर देव शाह-क ४२८. पन्ना दाई -उ २२,३२; च ९१. पन्नालदुर्ग-श ६६. पन्नालाल चौधरी-ज ३४५,३४६. पन्नालालजी बाकलीवाल-ज ३४७. पन्नालाला वैनाडा-ज ३४६. पन्नी दाऊदखान (सुभेदार)-ग १४०. पन्नेजनी (तपेली)-वि.२, पृ.३९९. पन्हाळगड (किल्ला)-क ८०७.

*पन्हाळा (किल्ला)-वि.४, पृ.४३३,४३५; क ४९७; घ ७; च ८; प २५; य २४; श ६६; स १५१. -प्रांत-घ २६. पन्हाळी रुपये-न १८७. पन्हेरी-व २७१. पॅप-वि.४, पृ.५८. *पंप-क ६२८,६४१; प २५; स ३६४. -कवि-२९७. *पपनस (फह)-क ६३६; प २६; स ३८. *पपया (झाड)-क ६३६; प २६. पपयी-भ २४. पंप रामायण-क २९७. पॅपस-वि.५, पृ.५७२. पंपाल (राजा)-ज ३१३. पंपावतीचें देऊळ-व २०६. *पंपा (सरोवर)-प २६. पॅपिह्वर सेमिफेरम-अ २५५. पपेट व्हाल्ह-ए १०. पपेन (औषध)-प २६. पपेव्हीन -वि.५, पृ.४२४. पप्पर देश-छ ५. पॅफिलस-ए ३६. -जिन्जेन्बाख-ज १४६. पॅफिलिअन-वि.४, पृ.८.

*पॅफिलिआ प्रदेश-अ ८६; प १६. *पॅफ्लॅगोनियन लोक-वि.४, पृ.९; प २६. *पबना (जिल्हा)-प २६. पब्वज्जासुत-वि.४, पृ.२१५. पब्लिअस व्हिक्टर-वि.४, पृ.१००. पब्लिक ऑकरन्सेस (युनायटेड स्टेट्स)-व २६३. -सर्व्हिस कमिशन-वि.१, पृ.४१५; ग २०५. पॅब्लो मोरीलो (स्पॅनिश जनरल)-ब १७६. पंपिग (एंजिनची शक्ति)-स ३६४. पम्बकेल (जात)-वि.१, पृ.२२९. पयनि डांबर-ड २०. पयमिश्र सोम-वि.२, पृ.३६१. पयस -वि.३, पृ. २९१; वि.५, पृ.१६९. पयस्या-वि.२, पृ.३९९; वि.३, पृ. ३३७. पयक्षेत्र (नांव)-इ १४५. *पयागले गांव-प २७. पयोगह-वि.२, पृ.१०५. *पयोष्णी अथवा पूर्णा (नदी)-प २७. -महात्म्य ग्रंथ-प २७.

*पर-व २८६. पर आटणार-वि.३, पृ. २९७. परकंडिक्शनेम (रोमन कायदा)-र १४६. परकार-वि.५, पृ.४०. *परकाल (तालुका)-ए ४७; प २७. परकी भांडवल (हिंदुस्थानांन)-वि.४, पृ.५२१. -हूण लोक-वि.४, पृ.३२३. परकीय अंश (चीनचा ज्ञानसंचय)-वि.५, पृ.४५३. -उपयोगी वस्तु (हिंदुस्थान)-वि.१, पृ.२९८.- एकासत्तेनें समाजाचें दृढीकरण-वि.१, पृ.३७९. -परंपरेचा स्वीकार-वि.१, पृ.३८८. -रक्ताचा प्रवेश (समाजांत)-वि.१, पृ.२९८,३४६. -

राष्ट्रसंप्रदायाविषयी वृत्ति-वि.१, पृ.४८०. -लोक (मौर्यकाली)-वि.१, पृ.२९९,३८५; वि.४, पृ.२४९,४१२. -शिल्पकलेचें अनुकरण-वि.१, पृ.२९९. -संस्कृतीचें द्वंद्व-वि.१, पृ.३९३. -स्त्रियांच्या द्वारा जातिविकृती-वि.१, पृ.२९९. -सामाजिक अपात्रता-वि.१, पृ.३८५. परकीयान २३१. परकेसरीवर्मा-च २०८,२०९. परक्कमबाहु चरित-आ १०७. परगणा-अ ४९७. परगणा कंकणवाडी-घ २१. परगंमन-ग ६३. परगंमम-ए ३८. परगामस-वि.१, पृ.३९५. परगार शाखा-क २४७. परचुर (गांव)-क ६६३. परचेसेस बुक-ज ८८. परज (राग)-र ५१. परजय-श ७३.

*परजा लोक-प २७. परजिआ (जात)-ब १९७. परज्युडिसिस पास्टुलेशनेम (रोमन कायदा)-र १४६. परटिनेक्स-र ११४. पॅरडा-वि.४, पृ.१९. -परडा जमीनदारी-प २७. परडीक्कास-इ २१२. परण-र ६८. परतकदियम (काव्य)-त ७३. परंतप -वि.४, पृ.१६९. *परतवाडा गांव-ए ४९. प २७. परतोवासर वंश-त ५१. परदुमनशहा -ड ६०. परदेशगतांची संख्या-वि.१, पृ.२७३,२७४. परदेशगमन-वि.१, पृ.२५६,२५७,२६०,२६३,२७३,३४२. प्रायश्चित्त-वि.११. पृ.९६. -स्त्रियांचें-वि.१, पृ.२९१. -हक्क-वि.१, पृ.२७४. परदेशचा व्यापार (कोळसा)-क ८२८. परदेशस्थ भारतीयांचा छळ-वि.१, पृ.२६९. परदेशाची अव्याहत परंपरा-वि.१, पृ.२७१,३३०. परदेशी कातडी कमावण्याची कृति-क २६२. -कापडांचा बहिष्कार-अ वि.६३०. -कापसाच्या जाती-क ३४६. -कोटेशन-क ३५७. -चांभारांच्या पोटजाती-च ५५. -मालावर बहिष्कार-वि.१, पृ.४१२. -भाट (जात)-भ २५. -लोक-वि.१, पृ.३३५. -सोनार-स २३१. -हिंदु-व्यापारी वर्ग-वि.१, पृ.३५३.

परद्वारीण (अहीर स्त्री)-ज ६७९. परधर्मसहिष्णुता व कुराण-वि.४, पृ.३०२. *परधान (गोंड जात)-ख ९३; च २२१; प २८. परनर-त ५७,६६. पर पिगन्टोरिस क्यापिओनेम-र १४६. परपुरुषसंगं-वि.४, पृ.७.- व २४४.

*पॅरफिन-प २८. परफेक्ट ऑकरन्सेस-व २६२. परफेक्टिंग मशीन-म १६६. परवर (जात)-त ५२. परब्रह्म-द १९५. *परभणी (जिल्हा, तालुका)-क ६२६; प २८,७७,१०६. परभात (खत)-ख ३६. परभु-क ३८८. परभृत-क ७२१. परमकाम्बोज-वि.४, पृ.२०. परमक्रांतिवृत्त-व २६५. परमगादि तहशील-र ९३.

*परमगुडी (तहशील व गांव)-प २८. परमगुप्त (राजा)-ग १६५; न ३६७. परमज्या-वि.३, पृ. ७७. परमत्थदीपनी-वि.४, पृ.२४०. परमन्ना-म १६४. परमफल-वि.५, पृ.३०१. परमर्दि राजे-च १३. -शिवचित्र-क ३०. परमाहेश्वर महाराजाधिराज-क ४२. परमा (रोग)-४३. परमाणिक महंत-क ७२३. परमाणु-वि.५, पृ.४६४. -भगवाद-वि.५, पृ.५५६. परमाणुभारांक-